



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]

मई विसर्ली, शनिवार, अगस्त 2, 1975 (श्रावण 11, 1897)

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 2, 1975 (SRAVANA 11, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निबंधक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनिज विभाग

नागपुर, दिनांक 1975

सं०-ए०-19011(126)/75-स्था० ए०--भारतीय खनिज भाग के भा० सां० से० के ग्रेड-IV अधिकारी तथा सहायक खनिज प्रशास्त्री श्री डी० शिव प्रसाद ने नियोजन और प्रशिक्षण महा-देशालय (श्रम मंत्रालय) में भा० सां० से० के ग्रेड-III में स्थिती अधिकारी के रूप में पदोन्नति हो जाने पर 21 जून, 1975 के अपराह्न से इस विभाग में सहायक खनिज प्रशास्त्री के का कार्यभार छोड़ दिया है।

ए० के० राधवाचारी
प्रवर प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक जून 1975

सं० प्र०-1/1(1023)--पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री डी० पी० गौड़ की दिनांक 5 जून, 1975 के पूर्वार्द्ध से अवर क्षेत्र अधिकारी के अराजपत्रित पद पर अवस्रति हो गयी।

के० एल० कोहली
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1975

सं० ए०-17011/90/75-प्र०-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री सुकुमार सोम को दिनांक 22-5-75 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों के जारी होने तक मद्रास

निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्त किया है।

श्री सोम ने दिनांक 13-5-75 के पूर्वाह्न को पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया और 22-5-75 (पूर्वाह्न) को मद्रास निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार संभाल लिया।

के० एल० कोहली
उप-निदेशक (प्रशासन)

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-13, दिनांक 9 जून 1975

सं० 4-88/73-स्थापना—भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक डा० (श्रीमती) डी० डंडा को 30 मई, 1975 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, सहायक मानवविज्ञानी (संस्कृति) के पद पर इस सर्वेक्षण के नागपुर में, मध्य भारत स्टेशन पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थामस
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1975

सं० ए-31014/4/74-एस-छः—महानिदेशक आकाशवाणी, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी तिथि से आकाशवाणी में मौलिक क्षमता में श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती	जिस पद पर मूल रूप से नियुक्त किया गया	मूल रूप से नियुक्ति की तिथि
(1)	श्री जे० पी० गुप्ता	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, लखनऊ	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, कलकत्ता	20-5
(2)	श्री एस० बी० हिवाणले	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, बम्बई	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, जयपुर	20-5
(3)	श्री बी० आर० चलापति राव	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, हैदराबाद	23-4
(4)	श्री बलदेव मिश्र	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, कटक	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम	23-4
(5)	श्री एच० सी० अग्रवाल	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, अहमदाबाद	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली	23-4
(6)	श्री बी० एस० एस० राव	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, हैदराबाद	श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी, आकाशवाणी, बम्बई	23-7/4

2. उक्त अधिकारियों का पुष्टीकरण इस शर्त पर किया जा रहा है कि उनकी सेवाएं, किसी भी समय एक सार्वजनिक नियम के तहत स्थानान्तरित की जा सकती हैं और इस प्रकार उनका स्थानान्तरण हो जाने पर उन पर भी वही सेवा शर्तें लागू होंगी जो कि निगम अपने कर्मचारियों के लिये निर्धारित करेगा।

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक जून 1975

सं० 5 (54)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री सत्येन्द्र कुमार बोस को 6 जून, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी बीकानेर में अस्थायी पदक्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जुलाई 1975

सं० 5(75)/61-एस०-एक—अधिवर्षता की आयु पर पहुंचने पर श्री ए० एच० बर्क, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर 30 अप्रैल, 1975 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए।

2. इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 5(75)/61-एस०-एक, दिनांक 28 अप्रैल, 1975 एतद्वारा रद्द किया जाता है।

शान्ति लाल,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1975

सं० 12/9(1)/74-सतर्कता—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अब्दुल अजीज अन्सारी, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, मुख्य वैज्ञानिक का कार्यालय, शुष्क भूमि कृषि परियोजना, कृषि महाविद्यालय, इन्दौर को 24 मई, 1975 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, ग्वालियर में कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर अस्थायी पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 2/9/74-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री मोतीराम को 9 जून, 1975 (पूर्वाह्न) से ग्वालियर स्थित आकाशवाणी केन्द्र पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक जुलाई 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनमें से प्रत्येक के आगे दी गई तारीख से अग्रेतर आदेशों तक उनके नामों के आगे उल्लिखित

आकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में सहायक इंजीनियर के संवर्ग में नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्थान	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री एस० एन० आगाशे, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी, सांगली।	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, मलाड।	20-3-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री जी० सुब्रह्मण्यन, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, आवडी, मद्रास।	आकाशवाणी, रायपुर।	9-6-75 (पूर्वाह्न)

दिनांक 1975

इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/6/73-एस०-तीन दिनांक 19-9-74, जिसके द्वारा तदर्थ सहायक इंजीनियरों को 27 फरवरी, 1974 से नियमित आधार पर काम करने को नियुक्त किया गया था, में आंशिक आशोधन करते हुए, कथित अधिसूचना से क्रमांक 38 में उल्लिखित श्री एस० के० शर्मा का नाम एतद्वारा हटाया जाता है।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ए०-19015/3/72-डी०(एस०)—अधिवर्षता प्राप्त कर लेने पर 30-11-74 (पूर्वाह्न) से सेवा-निवृत्त होने के परिणाम-स्वरूप श्री हरिहरन ने योजना और विकास एकक, आकाशवाणी, महानिदेशालय, नई दिल्ली में चीफ ड्राफ्ट्समेन का कार्यभार छोड़ दिया।

तिलक राज सभरवाल,
उप विकास अधिकारी (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० ए०-12023/2/74-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री सी० एस० बालमुब्रह्मण्यम को सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी में 20-3-75 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में नियुक्त करते हैं और उन्हें मंडल कार्यालय (सिविल); बम्बई के अधीन उप मंडल कार्यालय, बम्बई में सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में तैनात करते हैं।

के० जी० कृष्णामूर्ति
मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 25 जून 1975

सं० 2/250/56-स्थापना-1—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, स्थानापन्न सीनियर लेखाकार श्री एन० एस० शर्मा को 31 मई, 1975 से अगले आदेश तक एतद्द्वारा इस निदेशालय में लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1975

सं० ए० 19012/1/75-स्थापना-2—श्री एस० आर० पुशकर को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक इस निदेशालय के क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय, शिमला में 14 अप्रैल, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन,

उपनिदेशक (प्रशासन)

कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक।

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1975

सं० 40-36/75-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय भारतीय भेषज प्रयोगशाला, गाजियाबाद में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (भेषज) श्री यू० वी० कामत का त्यागपत्र 6 जून, 1975 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एस० एम० गोठोस्कर,

औषध नियंत्रक (भारत)

कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 17-5/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री डी० आर० शर्मा को 30 जून, 1972 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वास्तुकार के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 10-8/72-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने डा० के० सी० गुप्ता को 6 नवम्बर, 1971 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,

उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1975

सं० 48-12/75-सी० एच० एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० रवि को 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न

से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में तदर्थ आधार पर कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,

उप निदेशक प्रकाशन (सी० एच० एस०)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

नागपुर, दिनांक 24 जून 1975

(प्रधान शाखा कार्यालय)

सं० 3(44)/9/72 वि० II—वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 12 दिनांक 9 जून 1945 तथा सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1 कैप दिनांक 5 जनवरी 1946 तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व संभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 6 दिनांक 5 फरवरी 1949 तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 64 दिनांक 17 जून 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा श्री हरी प्रसाद, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से तम्बाकू के लिए जिसका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1937 (यथा संशोधित) के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका नियमित उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

एन० के० मुरलीधरा राव

कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 1975

सं० 5/1/75/स्था०-5—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रण इसके द्वारा सहायक श्री दत्तात्रेय शंकर इंगले को 28-4-75 से 16-6-75 तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शांतकुमार मेनन,

उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 10 जून 1975

सं० पी० ए० /81/(28)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री नंद लाल वाघवानी को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(32)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित अस्थाई वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियरी ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्रीविश्वनाथ दासमजूमदार
2. श्री रतीलाल ज्वायटराम पटेल

सं० पी० ए०/81(57)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्न सहायक (सी०) श्री कृष्ण नंद नायक को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(32)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (ए०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री चंचरीअथु वासुदेव पनीकर गोपालकृष्णन नायर को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(95)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री दिनेश दिगंबर पानसे को 1 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(32)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के (इस समय बी० ई० सी० परियोजना में काम करते हुए) एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री कालंपुडी वेंकटा भवानीवर प्रसाद को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक सहायक/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जून 1975

सं० पी० ए०/81(30)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित स्थाई वैज्ञानिक सहायकों (बी०) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० नाम

1. श्री इलेडेथ गोपीनाथन
2. श्री इल्लिकल कन्नूनी विश्वनाथन

दिनांक 12 जून 1975

सं० पी० ए०/81(54)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के अस्थाई ड्राफ्टमैन (सी०) श्री विनायक गंगाधर बापट को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(54)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के अस्थाई फोरमैन श्री शंकर श्रीकृष्ण शाहने को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियरी श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उशीकृष्णन,

उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 12 जून 1975

सं० डी० पी० एस० ए०/32011/2/75-स्थापना 748—
क्रय एवं भंडार निदेशक इस निदेशालय की दिनांक 1 फरवरी, 1975 की अधिसूचना सं० डी० पी० एस० ए०/35011/1/73/स्थापना के अनुक्रम में, गुजरात के महालेखाकार कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० आर० नटराजन को, जो इस निदेशालय में प्रतिनियुक्त हैं, 1 मार्च, 1975 से 31 मई, 1975 तक की अवधि के लिए उसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक लेखा-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन-अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 30 मई 1975

सं० डी० पी० एस० ए० : 32011/2/73/स्थापना 723—
क्रय एवं भंडार निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस निदेशालय के स्थानापन्न लेखापाल श्री नेलूवाय हरिहर अय्यर कृष्णन को निम्नलिखित अवधियों के लिए उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

- (i) 25-11-1974 से 27-2-1975 तक श्री बी० के० पोद्धर, सहायक लेखा अधिकारी, जिनको आई० एस० टी० एम० नई दिल्ली में उच्च मैनेजमेंट कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भेजा गया, के स्थान पर।
- (ii) 14-5-1975 से 13-6-1975 तक श्री बी० के० पोद्धर, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई, के स्थान पर।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना-740—
 क्रय एवं भंडार निदेशक, पश्चिमी रेलवे के स्थायी सहायक
 लेखापाल तथा स्थानापन्न लेखापाल श्री बाबूभाई मोहनलाल गणावा
 को, जो इस निदेशालय में उसी पद पर प्रतिनियुक्त हैं, निम्नलिखित
 अवधियों के लिए श्री जी० एल० हल्दीपुर सहायक लेखा-अधि-
 कारी, जिनकी लेखा अधिकारी-II के पद पर नियुक्ति की गई
 थी, के स्थान पर उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक
 लेखा-अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

(i) 19-10-1974 से 18-1-1975

(ii) 24-3-1975 से 7-6-1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना-
 746—क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय
 के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न भंडारी श्री वसन्त
 यशवन्त गोखले को 10 मार्च, 1975 से 12 मई, 1975
 तक की अवधि के लिए मेजर के० जे० फिलिप्स, सहायक भंडार
 अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर सहायक
 भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना-745—
 क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के
 स्थायी भंडारी श्री मिहिर चन्द्र राय को 16 दिसम्बर, 1974
 के पूर्वाह्न से 7 फरवरी, 1975 के अपराह्न तक की अवधि
 के लिए, श्री ए० आर० टोंडवालकर, सहायक भंडार अधिकारी
 जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर सहायक भंडार
 अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 मई 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना 725—
 क्रय एवं भंडार निदेशक इस निदेशालय के अस्थायी तकनीकी
 निरीक्षक श्री गोविंदराज श्रीनिवासन को 29 मार्च, 1975
 के पूर्वाह्न से 23 मई, 1975 के अपराह्न तक उसी निदेशालय
 में श्री जान जैकब, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी
 प्रदान की गई थी, के स्थान पर सहायक भंडार अधिकारी
 नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना 728—
 क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी
 श्री एस० आर० वैद्य को 28 अप्रैल, 1975 से 16 जून,
 1975 तक की अवधि के लिए इसी निदेशालय में श्री एम०
 के० जान, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की
 गई थी, के स्थान पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते
 हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
 कृते प्रशासन-अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500040, दिनांक 23 जून 1975

संदर्भ ना० ई० सं०/प्रशा/22/13(2)/825—विशेष-कार्य-
 अधिकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री जे०

सूर्यनारायण राव को जुलाई, 1, 1975 से फरवरी 29, 1976
 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले
 घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में स्थानापन्न
 रूप से, सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पी० म्हात्रे,
 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 19 जून 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/947—787—
 परमाणु उर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य
 अधीक्षक, श्री वाई० आर० वेलकर की सहायक लेखा अधिकारी
 के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की अवधि को 21-
 6-1975 से 30-8-1975 तक की अवधि के लिए अथवा
 तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से
 इस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी
 पहले घटित हो बढ़ाते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
 मुख्य प्रशासन अधिकारी

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

(नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना)

बम्बई-5, दिनांक 20 जून 1975

सं० एन० ए० पी० पी०/2(3)/74-प्रशासन/774—
 अस्थायी विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री पी०
 पी० शर्मा ने उनका अन्तरण सिविल इंजीनियर वर्ग, कलपक्कम
 से नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में होने पर, सिविल
 इंजीनियरी वर्ग, कलपक्कम में अपने पद का कार्यभार 31
 अगस्त, 1974 के अपराह्न से छोड़ दिया तथा नरोरा परमाणु
 विद्युत् परियोजना में उसी ग्रेड में एक पद का कार्यभार 14
 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया।

2. श्री पी० पी० शर्मा आगामी आदेश तक नरोरा परमाणु
 विद्युत् परियोजना में एस० बी० ग्रेड के पद का कार्यभार
 सम्भाले रहेंगे।

आर० जे० भाटिया,
 सामान्य प्रशासन-अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1975

सं० ए०-32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर
 विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नामों के
 सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर

विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एम० एम० कुरियन	31-1-75	वैमानिक संचार स्टेशन (पूर्वाह्न) बंबई।
2.	श्री एन० एस० पिल्ले	3-1-75	वैमानिक संचार स्टेशन (पूर्वाह्न) भूवनेश्वर।

2. इस कार्यालय की 29 मई, 1975 की अधिसूचना रद्द समझी जाए।

दिनांक 27 जून 1975

सं० ए०-32013/8/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली (मुख्यालय) के श्री जी० गोविन्दा-स्वामी, सहायक निदेशक (संचार) को 31 मार्च, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० ए०-32014/3/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री टी० वी० नटराजन, संचार सहायक को श्री पी० आई० डेविड, सहायक संचार अधिकारी की छुट्टी रिक्ति में 10-5-1975 (पूर्वाह्न) से वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में स्थानापन्न रूप में सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक जून 1975

सं० 16/115/67-स्थापना-1.—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री मदनमोहन सिंह को दिनांक 19 जनवरी 1972 से वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहायक मापिकी अधिकारी के स्थायी पद पर सहर्ष संपुष्ट करते हैं।

दिनांक जुलाई 1975

सं० 16/204/72-स्थापना-1.—श्री एस० आर० मजुमदार, लेखा अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून की सेवाएं दिनांक 31-5-1975 के अपराह्न से रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) को प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर पुनः सौंपी जाती है।

प्रेम कपूर
कुल सचिव,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

कलकत्ता, दिनांक 20 जून 1975

सं०-33.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी अधीक्षक के रूप में पदोन्नति होने पर श्री सत्य रंजन मुखर्जी, मध्याह्न पूर्व दिनांक 26-5-75 को चन्दनगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिबीजन का कार्य-भार ग्रहण किये।

सं० 34.—जलपाइगुडी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिबीजन के अधीन माथा-भंगा रेंज से बदली होने पर श्री एस० एन० भट्टा-चारजी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-5-75 को पश्चिम बंग समाहर्तलिय प्रधान कार्यालय का कार्यभार ग्रहण किये।

सं० 35.—पश्चिमबंग समाहर्तलिय, प्रधान कार्यालय से बदली होने पर श्री शिवराम गोन, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 24/5/75 को चन्दननगर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिबीजन के विशेष दल का भारग्रहण कर श्री एम० एन० मुखर्जी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, को मुक्त किये।

एन० एन० राय चौधरी,
समाहर्ता

पटना, दिनांक 4 जुलाई 1975

मि० सं० II (7) 5-स्था०/75/6799.—स्थापना आदेश सं० 156/75 दिनांक 22-4-75 जो मि० सं० 11(3) 43-स्था०/73/19 346-67 दिनांक 23-4-75 के द्वारा पृष्ठांकित किया गया था तथा जिसके द्वारा सर्वश्री सी० एस० चक्रवर्ती और भरत सिंह, निरीक्षक (व० श्रे०) केन्द्रीय उत्पाद को 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित के वेतनमान में अनंतिम रूप से अधीक्षक श्रेणी II, केन्द्रीय उत्पाद के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसरण में उन लोगों ने अपने-अपने नामों के समक्ष दिखाए गए स्थानों, समयों तथा तिथियों में अधीक्षक श्रेणी II, केन्द्रीय उत्पाद का कार्यभार संभाल लिया।

क्र०	नाम	पदास्थापना के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री सी० एस० चक्रवर्ती	अधीक्षक (नि०) के० उ०, गया	19-5-75 (पू०)
2.	श्री भरत सिंह	अधीक्षक, के० उ० महनार रेंज	14-5-75 (पू०)

(ह०) अपठनीय
समाहर्ता

मधुरै, दिनांक 1975

नारकोटिक्स विभाग

सं० 1/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालया मधुरै के निम्न-लिखित कार्यालय अधीक्षकों को अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में नियुक्त किये गये हैं। स्थान और कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार है।

अफसर का नाम	नियुक्ति स्थान अधीक्षक (द्वितीय श्रेणी)	कार्यभार तारीख
सर्वश्री		
1. जी० पोथु सामी	एम०ओ०आर० 'ए' तिरुचिरापल्लि	23-3-75
2. आर० कृष्णमूर्ति	प्रिवन्डीग्रुप नागपटनम।	27-3-75
3. एस० अहमद हुसैन	सी०ए०यु० मुख्य कार्यालय, मधुरै।	26-3-75
4. एस० के० बालशिव सुब्रमण्यन	तिरुचुरैपून्डी	23-4-75
5. के० तिरुवटिनाथन	मुख्य कार्यालय मधुरै।	16-5-75
6. ए० सैय्यद अहमद अलि	एम०ओ०आर० तूत्कुटी।	28-5-75
7. एस० ए० मोहम्मद	एम०ओ०आर० सात्तूर।	29-5-75
8. मुस्कण्डी	एम०ओ०आर० नागरकोयिल।	31-5-75
9. कलिंगराज	मुख्य कार्यालय, मधुरै।	31-5-75
10. जी० सुब्रमणियन	प्रिवन्डी ग्रुप, शिवकाशी।	6-6-75
11. एस० खलिय पेरुमाल	एम०ओ०आर० III, शिवकाशी।	12-6-75

ह० अपठनीय समाहर्ता

सीमा शुल्क

बम्बई 400038, दिनांक मई 1975

सं० 4.—निवर्तन वय प्राप्त होने के कारण बम्बई सीमाशुल्क गृह के निवारक निरीक्षक श्री सी० डी० कुज, दिनांक 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 5—सीमाशुल्क भवन, बम्बई के निवारक निरीक्षक एम० एन० बुटानी, निवर्तन वय प्राप्त होने के कारण दिनांक 31-1-75 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

बी० बी० गुजराल
सीमाशुल्क समाहर्ता

सं० 15.—वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 28 मई, 1975 के आदेश संख्या सी० 17012/1/75-प्रशा०-II द्वारा वहाल किये जाने पर श्री डी० डी० शर्मा ने, जिन्हें भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के 20 मई, 1974 के आदेश फा० सं० सी० 16012/6/72-प्रशा० II द्वारा अनिवार्यतः सरकारी सेवा से निवृत्त किया गया था, 29 मई, 1975 के दोपहरपूर्व से नारकोटिक्स गुप्तचर्या ब्यूरो, नारकोटिक्स आयुक्त का कार्यालय, ग्वालियर में आसूचना अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया। आसूचना अधिकारी का यह पद रिक्त पड़ा हुआ था।

सं० 16.—स्थायी सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, श्री अमरीक सिंह ने, जो प्रशासन अधिकारी के पद पर सरकारी अफीम तथा एलकालायड कारखाने के दिल्ली स्थित निर्यात कक्ष में विक्रय अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, 31 मई, 1975 के दोपहरबाद से ग्वालियर स्थित नारकोटिक्स आयुक्त के कार्यालय के लिए स्वीकृत और रिक्त पड़े पद पर, अधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार संभाल लिया। श्री अमरीक सिंह का प्रधान कार्यालय, अनुपूरक नियम 59 के अन्तर्गत नई दिल्ली ही रहेगा।

सं० 17.—स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, श्री आर० पी० त्यागी ने, जो सरकारी अफीम और एलकालायड कारखाना, नीमच में उप वित्त सलाहकार एवं सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में तैनात थे, 15 जून, 1975 से उसी कारखाने में श्री अमरीक सिंह द्वारा खाली किये गये पद पर प्रशासन अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 18.—सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति पर श्री बी० एस० दर्द, अधीक्षक (मंत्रालयी) ने 15 जून, 1975 के दोपहरपूर्व से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में सरकारी अफीम तथा एलकालायड कारखाना, नीमच में उप वित्त सलाहकार एवं सहायक मुख्य लेखा अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 19.—प्रशासन अधिकारी के रूप में नियुक्ति पर, श्री रजनीकांत श्रीवास्तव उप अधीक्षक (मंत्रालयी) ने 31 मई, 1975 के दोपहरपूर्व से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में कार्यालय, उप नारकोटिक्स आयुक्त, गाजीपुर में श्री एस० के० राम को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुये प्रशासन अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया।

अभिलाष शंकर
नारकोटिक्स आयुक्त

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नव तूतीकोरिन पत्तन,

तूतीकोरिन, दिनांक 16 जून 1975

सं० ए०-22013/1-75/प्रशासन-डी-2945-नव तूतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक सर्व श्री एम० नागू, ट्राफ़िक्समैन ग्रेड 1 तथा डी० जे० मसीलामनी, कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) को क्रमशः 6 जून, 1975 के पूर्वार्द्ध से तथा 30 मई, 1975 के पूर्वार्द्ध से अगला आदेश होने तक के लिये नवतूतीकोरिन पत्तन में पदोन्नत कर के 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में अस्थायी रूप से सहायक इंजीनियर (सिविल) नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल
मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक

880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-4-75 से 30-6-75 तक आगामी अवधि के लिए पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री सी० भुजंग राव
2. श्री के० ए० इस्माइल
3. श्री डी० एम० खम्बेटे
4. श्री ए० जी० फुत्सलकर
5. श्री के० एन० अपुकुत्तन
6. श्री एस० एन० मोने
7. श्री एम० एस० शितोले
8. श्री एस० गुहा ।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

(जल स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक जून 9 1975

सं० क-19012/513/74-प्रशा० 5.—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री जी० रघुनाथ पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के रूप में स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उनको 28 अक्टूबर 1974 के पूर्वार्द्ध से आगे आदेश होने तक तदर्थ रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) अर्थात् 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में वेतन पाने का अधिकार होगा।

श्री जी० रघुनाथ ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) के केन्द्रीय वाढू पूर्वानुमान बूत, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, गोहाटी में सहायक अभियंता के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक जून 1975

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5.—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 10-2-75 तथा 25-3-75 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों (इंजीनियरी) को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-

2-176GI/75

इन्टरल कोच फैक्ट्री

मद्रास-38, दिनांक 26 जून 1975

सं० पी०बी०/जी०जी०/9/मिस० II श्री ए० बालकृष्णन, स्थानापन्न मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व०मा०) को, अपने कार्यों के अतिरिक्त सवारी डिब्बा कारखाने के महाप्रबंधक के कार्यों को देखने 4-5-75 से 18-6-75 तक की अवधि के लिये तैनात किया गया है वाइस श्री जे० मथान को उपर्युक्त अवधि के लिये औसत वेतन पर छुट्टी मंजूर की गयी है।

श्री एन० एस० कृष्णा, स्थानापन्न सहायक निर्माण प्रबंधक/वस्तुनिर्माण/फर० (श्रेणी II) को वरिष्ठ मान में स्थानापन्न रूप से निर्माण प्रबंधक/वस्तुनिर्माण/शेल (व०मा०) के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 7-5-75 से पदोन्नति की गयी है।

श्री आर० शिवरामन, शाप अधीक्षक/शाप-80 को, स्थानापन्न रूप से श्रेणी-II सेवा में सहायक निर्माण प्रबंधक/वस्तुनिर्माण/फर० (श्रेणी-II) के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 7-5-75 से पदोन्नति की गयी है।

श्री वी० छिल्ली बाबू, स्थानापन्न कल्याण अधिकारी (श्रेणी-II) को, स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ मान में दिनांक 12-5-1975 से वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/फर० (व०मा०) के पद पर तदर्थ रूप से पदोन्नति की गयी है।

श्री आर० राजगोपालन मुख्य नकशानवीस (श्रेणी-III) को दिनांक 12-5-75 से स्थानापन्न सहायक इंजीनियर/निर्माण (श्रेणी-II) के पद पर पदोन्नति की गयी है।

श्री एस० के० दत्ता, स्थानापन्न उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/प्रयोजना (क० प्र०) को, उत्तर रेलवे को अपने स्थानांतरण के पालन करने इस प्रशासन से दिनांक 26-5-75 के अपराह्न से भार मुक्त किया गया है।

एस० सुब्रामण्यन
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महा प्रबंधक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नहरकाढ़िया हस्क ओर्स लिमिटेड, के विषय में।

सं० —कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नहरकाढ़िया हस्क ओर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अण्ठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमर्शियल ट्रांसपोर्ट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता दिनांक 28 जून 1975

सं० 8895/560(5).—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कामर्शियल ट्रांसपोर्ट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेशनल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 28 जून 1975

सं० 8876/560(5) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेशनल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० आर० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गलाकसी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक

सं० 2109—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गलाकसी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया

गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रा० कु० जैन
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली
हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स उबेराम होटल्स इन्टर-नेशनल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6078—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स उबेराम होटल्स इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्रीमती सी० कपूर
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चेन्तामरा चिटस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 28 जून, 1975

सं० 5661/560(3)/75 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान में चेन्तामरा चिटस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० श्रीनिवासन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय

कार्यालय आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 26 जून 1975

सं० 132—स्पेशल सर्फिल लखनऊ के नाम से विख्यात सर्फिल को एतद्वारा 'ए' वर्ड स्पेशल सर्फिल लखनऊ की पदसंज्ञा दी जाती है।

सं० 133—'बी' वर्ड स्पेशल सर्फिल लखनऊ के नाम से विख्यात एक नए वर्ड की एतद्वारा गठन किया जाता है।

यह आदेश 1 जुलाई, 1975 से लागू होगा।

ई० के० लायल
आयकर आयुक्त,

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कार्यालय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/जगदलपुर/30-11-74—अतः मुझे वही० के० सिन्हा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि और विलिङ्ग है जो नया पारावार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगदलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती विद्यावती सी० देसमुख, श्री प्रकाशचिन्ता मनी देसमुख तरारपाटेल वाड़ा कोठी रोड, महल नागपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्की बाई पति हेमराज धिमाया बाई जगदलपुर (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विलिङ्ग प्लॉट नं० 35/59, 35/60, 35/61 और 36/62 ऐरिया 7800 सक्वायर फीट कन्सर्टेडिंग 29 रुम सभी में फिटिंग सीट नं० 49 नयापारा वार्ड जगदलपुर।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 4-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० आर०/रायगढ़/18-11-74—अतः,
मुझे, वही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

और जिसकी सं० मकान जो रायगढ़ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायगढ़ में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोविन्द पिता श्यामजी (2) वासदेव पिता श्यामजी द्वारा गुजराती रायगढ़ (अन्तरक)

(2) श्रीमती गिन्नी देवी पति सेठ बख्शान आग्रवाल निवास गान्धी गंज रायगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 190/1 का 5 वाडं नं० 18 (पुराना)
रायगढ़ टाउन।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 4-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/छिन्दवाड़ा/2-11-74---अतः,
मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं०

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, जो छिन्दवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 2-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सर्वश्री वयराम जी मिनिंग कम्पनी प्रभात लि०
204 होनवाय रोड बम्बई (अन्तरक)
(2) श्री नरवदाप्रसाद अग्रवाल नागपुर रोड छिन्दवाड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मशीनरी बिल्डिंग और बाहर के मकान बने हुये छिन्द-
वाड़ा।

वो० के० सिन्हा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 4-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/सतना/11-11-74—अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी दो मंजिल हैं, जो वार्ड नं० 10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, जब उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री रामप्रताप पिता राम चंद्र अग्रवाल
(2) श्रीमती चमेली बाई परिन बाबूलाल सतना (अन्तरक)

(2) श्री छत्तामल पिता पहलूमल सिन्धी निवास, सतना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजिल, मुकान नं० 895/850/1, वार्ड नं० 10, सतना ।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 4-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० एम० आर०/जबलपुर/28-11-74—अतः,
मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी दो मंजिला बिल्डिंग है, जो सदरबाजार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन 28-11-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वसंत पुत्र तेजमल कृपलानी निवास 6/35,
श्याम निवास बार्डन रोड बम्बई-26 (अन्तरक)

(2) श्री गुरु सिंह साहब (गुरुद्वारा) सदरबाजार
जबलपुर (i) प्रसीडेंट सरदार राजेन्द्र सिंह पुत्र सरदार
बजीर सिंह निवास 8/10 लजपत कुन्ज भिन्ड राज हंस
होटल नेपीअर टाउन जबलपुर (ii) श्री कुलवन्त सिंह
निवास गोविन्द भवन पास जकसन होटल सिविल लाइन,
जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग (मथुरा बिल्डिंग) बनी हुई नीअर
काली टेम्पल नीअर गुरुद्वारा कन्टोमेन्ट सदर बाजार, जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 24-3-1975
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/7-11-74—अतः, मुझे,
व्ही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15 है, जो सीताबाग कालोनी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 7-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री भीम देवराव मार्तण्डराव भागवत (2) श्रीमती
कुमुदनी धाई भीमदेवराव भागवत (3) किरण कुमार भीम-
देवराव भागवत (4) कुमारी गुसवाला भीमदेवराव भागवत
12, मीरापथ इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री कान्ती लाल पिता विठल दास शाह
141 जावरा कम्पाउण्ड इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू कर रहा हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15 सीताबाग कालोनी इन्दौर ।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल ।

तारीख : 2-7-1975
मोहर :

प्रकृष बाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निर्देश सं० एम० आर०/भोपाल/21-11-74—प्रतः,
मुझे, वही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1 फिलोर है, जो घोड़ा निक्काम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1974,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—176 GI/75

(1) श्री तालिब हुसैन पिता फिदायअसगर साहब
जाति बोरह, डेलवारपुरा, भोपाल। (अन्तरक)

(2) श्री मिश्रीलाल पटेल पिता किशनलाल पटेल
संगोनिया जिला रायसेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 1 फिलोर। बिक्रिडगं हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्काम,
भोपाल।

सं० 1 फिलोर। बिक्रिडगं हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्काम,

सं० 1 फिलोर। बिक्रिडगं हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्काम,

सं० 1 फिलोर। बिक्रिडगं हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्काम,

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 2-7-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/28-11-74—प्रतः, मुझे,
वही० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, जो यशवन्त निवास रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-11-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
वशा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुरली धर किशन गोपाल 208 एम० जी०
रोड इन्दौर (2) घन्नालाल सरदार मल यशवन्त निवास
रोड इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री सम्मो दयाल सागी वकील 511 एम० जी०
रोड इन्दौर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 1 बनी हुई 6 यशवन्त निवास रोड,
इन्दौर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजनरेंज भोपाल।

तारीख: 2-7-1975

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/5-11-74—अतः, मुझे,
वही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रोशनसिंह भण्डारी मार्ग
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री भोजराज भाटिया (2) लक्ष्मण दास भाटिया,
(3) चुन्नीलाल भाटिया पुत्र गण पिता छबिलदास भाटिया
तुकोगज इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार चौपड़ा निवास 128 स्टेशन
रोड मऊ कैंट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां, प्रारंभ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, बमोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्लॉट न० 24(1) रोशनसिंह भण्डारी मार्ग, इन्दौर।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 2-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 2 जलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/भोपाल/21-11-74—अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, जो छोड़ा विकास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तालिब हुसेन पिता फिदाय असगर साहब जाति बाहेरा बेलवारपुर भोपाल (अन्तरक)

(2) श्री छम्बीलाल पटेल पिता किशन लाल पटेल निवास सगोनिया रायसेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किन्हे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और प्राउन्ड फिलौर हिस्सा बिल्डिंग हनुमान गंज थाना छोड़ा विकास भोपाल।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 2-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० आर०/भोपाल/21-11-74—अतः, मुझे,
वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी जिल्डिंग है, जो
घोड़ानिकास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 21-11-1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए लुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
यै उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री फिदाय असगर पिता हाजीमुल्ला गुलाम
हुसेन निवास बेलदारपुर भोपाल (अन्तरक)

(2) श्री शादीलाल जी चौहान पिता किशन लाल
पटेल निवास सगोनिया किला रायसेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

II फिलोर जिल्डिंग अपोजिट हनुमान गंज थाना घोड़ा
निकास भोपाल।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 2-7-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० आर०/भोपाल/21-11-74—अतः, मुझे,
वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० III फिलोर है, जो घोड़ा निष्कास में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 21-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री फिजय अजरगर पिता हाजी मुल्ला गुलाम
हुसेन बेलदारपुर भोपाल (अन्तरक)

(2) श्रीमती रामायनी चौहान पुत्री हीरालाल पत्नी
शेर सिंह चौहान सगानिया जिला रायसेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

III फिलोर विल्डिंग हनुमान गंज थाना घोड़ा निष्कास
भोपाल।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 2-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/भोपाल/18-11-74—अतः,

मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो लिल्ली टाकीज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता-अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती निमिला गुप्ता पत्नी विनोद चन्द्र गुप्ता
निवास सुल्तानिया रोड भोपाल (अन्तरक)

(2) श्री सन्त निरनकारी मनडल दिल्ली-9 द्वारा
रामसरन पुत्र सरदार निहाल सिंह सेक्रेटरी संत निरनकारी
मनडल दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लॉट ऐरिया 72.5 फीट × 164.5 फीट
पास में लिल्ली टाकीज भोपाल।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 1-7-1975
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा-269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 20 जून 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/101/75-76—यतः मुझे,
बी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हाल बाजार, भ्रमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री बुध सिंह सपुत्र श्री कर्म सिंह चौक पासीया,
भ्रमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री विश्वामित्र सेठ सपुत्र श्री लक्ष्मण दास हाल
बाजार, भ्रमृतसर (अन्तरिती)

(3) श्री विश्वामित्र, सुखदेव सिंह, शादी लाल, परशोत्तम
दास, श्रीमती सुरिन्द्र पुरी तथा दूसरे किराएदार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 526, 527, तथा 474, 475 तथा
58, 59, 60, 61/1-1 हाल बाजार भ्रमृतसर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2607 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी भ्रमृतसर में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज, भ्रमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/102/75-76—यतः मुझे

वी० आर० सगर आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगपाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-176GI/75

(1) श्री अजयब सिंह सपुत्र श्री उजागर सिंह गाँव तुंगपाई तहसील अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स जजू डार्डिंग एण्ड प्रिंटिंग वर्कम शिवनगर, बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6910 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर (तहसील) में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/103/75-76—यतः मुझे,
बी० आर०, सगर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगपाई में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर (तहसील)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हवेली सिंह सपुत्र श्री उजागर सिंह गाँव
तुंगपाई, तहसील अमृतसर (अन्तरक)

(2) मैसर्स जजू आईंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स शिवनगर,
बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6911 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर (तहसील) में
है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/104/75-76—यतः मुझे,
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगापाई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर (तहसील)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री जगतार सिंह सपुत्र श्री उजागर सिंह गाँव
तुंगापाई (अमृतसर) (अन्तरक)

(2) मैसर्स जजू डाईंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स, शिवनगर,
बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
उत्तु द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6912 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर तहसील में
है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/105/75-76—यतः मुझे,
बी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक अजनाला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 19008 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री देवाल सिंह सपुत्र हरी सिंह सपुत्र काला
सिंह गाँव इब्राहीम पुर, तहसील अजनाला जिला अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री साधू सिंह सपुत्र नारायण सिंह, श्रीमती
बवितर कौर पत्नी श्री साधू सिंह गाँव ब हतसील अजनाला
(अन्तरिनी)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थितीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2575 नवम्बर
1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अजनाला में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975
मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/106/75-76—यतः मुझे,
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक अजनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मित्र सिंह सपुत्र हरी सिंह सपुत्र कला सिंह इब्राहीम पुरा, तहसील अजनाला (अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह, श्री मनोहर सिंह सपुत्र श्री साधू सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह वासी अजनाला (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2508 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अजनाला में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/107/75-76—यतः मुझे,
बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जैतो में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतो में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीता सिंह सपुत्र श्री रत्न सिंह गौव जैतो,
पती सादा (अन्तरक)

(2) श्री सतपाल, राजिन्द्र प्रसाद सपुत्रान श्री बृज
लाल, मातारानी स्ट्रीट, जैतो (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 672 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुन 1975

निदेश सं० बी० टी० डी०/108/75-76—यतः मुझे,
बी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जैतो में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतो में रजिस्ट्रीकरण,
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जान्य चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीता सिंह सपुत्र श्री रत्न सिंह गौव जैतो,
पत्नी सादा (अन्तरक)

(2) श्री किशोरी लाल सपुत्र खैरायती मल जैतो
मण्डी (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 671 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/109/75-76—यतः मुझे,
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गाँव बोहलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सेवा सिंह सपुत्र हरनाम सिंह श्री आजा राम सपुत्र वधावा राम, गाँव बोहलिया तहसील अजनाला

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह, राणा प्रताप सिंह सपुत्रा श्री सविन्द्र सिंह सपुत्र बन्ता सिंह गाँव बोहलिया तहसील अजनाला (अब गाँव कोट मुहम्मद खाँ तहसील तरनतारन

(अन्तरिती)

*(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2629 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अजनाला में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 30-6-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निदेश सं० बी० टी० डी०/110/75-76—यतः मुझे,
बी० आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मोरा कला में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवेंडी साबू में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बलवन्त सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह गाँव
मोर कला (अन्तरक)

(2) श्री जगन नाथ सपुत्र त्रिलोक चन्द, प्रकाश चन्द
सपुत्र त्रिलोक चन्द, प्यारे लाल, शिव चन्द, देव राज, बिहारी
लाल सपुत्रान मिलखी राम मोहन लाल सपुत्र श्री प्रकाश
चन्द माफत मादा मल त्रिलोक चन्द, मोर मण्डी
(अन्तरिती)

*(3) जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1817 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवेंडी साबू में है ।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/111/75-76—यतः मुझे,
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो नेहरू स्ट्रीट, भटिंडा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री ईशर दास सपुत्र श्री देसरज सपुत्र नत्थराम
बासी भटिंडा अब पाटनर त्रिलोक मिलीकेट, यमुनानगर
(अन्तरक)

(2) श्री जनक दुलारी सपुत्री श्री आत्मा राम वासी
नेहरू स्ट्रीट भटिंडा
(अन्तरिती)

(3) श्री ओ० पी० गोयाल किराएदार तथा जैसा कि
नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नेहरू स्ट्रीट, भटिंडा में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख नं० 4390 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भटिंडा में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/112/75-76—यतः सुखे
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो गोनियाना
रोड, भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और सुखे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सोमदत्त गुप्ता टूडर्ज, हस्पताल बाजार, भटिंडा।
श्री मोहन लाल सपुत्र श्री बिलोरी मल, श्रीमती स्नेहलता
पत्नी श्री मोहन लाल सदर बाजार भटिंडा (अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री किदार नाथ पुराना
सदर बाजार, भटिंडा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4562
नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/113/75-76—यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो गोनियाना रोड
भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सोमदत्त गुप्ता ट्रेडर्स, हस्पाताल बाजार
भटिंडा। श्री मोहन लाल सपुत्र श्री बिलोरी मल, श्रीमती
स्नेहलता पत्नी श्री मोहन लाल सदर बाजार, भटिंडा
(अन्तरक)

(2) श्री केदार नाथ सपुत्र श्री छोटे राम, पुराना
सट्टा बाजार भटिंडा
(अन्तरिती)

(3) श्री जसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4563
नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 30-6-1975

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/114/75-76—यतः मुझे
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो चकरीयाँ रोड,
मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम जी दास सपुत्र श्री साधू राम क्लाथ
मरचैन्ट्स, मानसा भण्डी, मानसा (अन्तरक)

(2) श्री विश्वा नाथ सपुत्र श्री गंगा राम, मानसा।
श्री जगदीश राए, कपूर चंद वगैरह सपुत्रान राम नाथ
मार्फत महावीर फेक्टरी, मानसा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3571
नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में
है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निदेश सं० एफ० डी० के०/115/75-76—यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० भूमि है तथा जो मिशन ग्राऊंड, कोटकपूरा रोड़
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब उपधारा की (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शिवनन्दन लाल अरोड़ा, प्रीतम सिंह तथा श्री
दयाल सिंह सन्धू बामी मुक्तसर। (अन्तरक)

(2) श्री सखन सिंह सपुत्र श्री जगनन्दन सिंह, दलजीत
कौर पत्नी सखन सिंह मान, श्रीमती कुलवन्त कौर सपुत्री
जगनन्दन सिंह, श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री जगनन्दन
सिंह, गाँव अबुल खुराना। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2253, 2254,
2255 तथा 2256 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी मुक्तसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० एम० जी० ए०/116/75-76—यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गाँव छोटीयाँ कलाँ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री पाखर सिंह सपुत्र प्रताप सिंह सपुत्र सरमुख सिंह वासी नत्थूवाला जदीद (अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह सपुत्र मुच्छा सिंह, श्री मल्लिकयत सिंह तथा जगीर सिंह सपुत्रान मुच्छा सिंह वासी गाँव काहन सिंह वाला, डाकखाना सादा सिंह वाला ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5414, 5415 तथा 5416 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 30-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक: 6 जून 1975

निदेश सं० राज०/स० आय० अर्जन/242—यतः मुझे,
एस० आर० वैश्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० विस्तृत वर्णन नीचे है तथा जो झालाना में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 दिसम्बर 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धनश्यामदास अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वरदास अग्रवाल,
49 डबसन रोड हावड़ा (पं० बंगाल) द्वारा मुख्यार आम श्री
हरीसिंह पुत्र ठा० विजेंसिंह 'सी' स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुलतान सिंह पुत्र श्री कान सिंह बंगला नं० 12
सिविल लाइन जयपुर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ग्राम झालाना चौड, दुर्गापुरा फार्म, तह० सांगानेर जिला जयपुर
स्थित खसरानं० (पुराना) 68 पार्ट वाली 30 बीघा भूमि उपाबद्धों
(appurtenances) सहित,

एस० आर० वैश्य,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 6-6-75

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर तारीख: 6 जून, 75

निदेश सं० राज० सं० आय० अर्जन/243—यतः मुझे,
एस० आर० वैश्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० विस्तृत वर्णन नीचे है तथा जो झालाना में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त 'अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

6—176GU/75

(1) श्री वनश्यामदास अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर दास अग्रवाल
द्वारा मुस्त्यार ग्राम श्री हरीसिंह पुत्र ठा० विजेसिंह सी स्कीम, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्री दिग्विजय सिंह पुत्र श्री सरदार सिंह उनियारा बाग
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम झालाना चौड दुर्गापुरा फार्म, तह० सांगानेर जिला जयपुर
स्थित खसरा नं० 71 (पुराना) वाली 12 बीघा 10 बिस्वा भूमि
उपाबंधों (appurtenances) सहित।

एस० आर० वैश्य,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 6-6-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 6 जून 75

निदेश सं० राज०/स० आय० अर्जन/244—यतः मुझे,
एस० आर० वैश्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० विस्तृत विवरण नीचे है तथा जो झालाना में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम', के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री वनश्याम दास अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर दास अग्रवाल,
49, डबसन रोड, हावड़ा (प० बंगाल) द्वारा मुक्त्यार ग्राम श्री
हरीसिंह पुत्र ठा० विजेंसिंह सी स्कीम, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री केशरी नन्दन जैन पुत्र श्री बुद्धा लाल जैन, 34,
विकासपथ अलवर, हाल जयपुर रामबाग क्वार्टर्स, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम झालाना चौड, दुर्गापुरा फार्म तह० सांगानेर जिला जयपुर
स्थित खसरा न० (पुराना) 91 (नया) 300, 301,
302 एवं 303 वाली 12 बीघा 5 बिस्वा भूमि उपाबन्धों
(appurtenances) सहित।

एस० आर० वैश्य,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 6 जून, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० —————

2. मसर्स निलकमल एक्सीबीयर्स प्रा० लि० (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई-1/996-4/नवम्बर, 74.—अतः, मुझे, श्री
शं० फड़के,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० सी० एस० नं० 21657 और कंबालाहिल डिह्रीजन
है, जो 218 ताडदेव रोड, में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1-11 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मसर्स निलकमल एक्सीबीयर्स, (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मंदान का वह तमाम टुकड़ा जो माप से 2769 वर्ग
मीटर है या 3312.37 वर्गगज या उसके समकक्ष बनी इमारत
सहित है और इमारत खड़ी की गई है जो गंगा जमुना थिएटर के
नाम से ज्ञात है और जो 218 ताडदेव रोड (जावजी दादाजी
रोड) पर स्थित है और जो रजिस्ट्रेशन उपजिला और बम्बई जिला
में है और जो म्युनिसिपल क्र० 42,50,50ए० और डी० वार्ड नं०
3677 के अन्तर्गत पंजीकृत है और जिसका कंसेट्रल सर्वेक्षण क्र०
22/657 मलबार और कंबाला हिल डिह्रीजन है भूराजस्व संग्रहक
के नये सर्वेक्षण क्र० ए०/809, 1328, 1353, 1524, 2995,
ए०/2140 के अन्तर्गत निर्धारित है और जो निम्न प्रकार से घिरा
हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से सर दिनशा पेटीट 11 बारनेट की
जायदाद द्वारा दक्षिण की ओर से आंशिक रूप से महापालिका रोड
और आंशिक रूप से प्लॉट नं० 2 क्लायमेक्स इंडस्ट्रीयल सीडीकेट
की जमीन द्वारा पूर्व की ओर से आंशिक रूप से बम्बई महा नगर
पालिका की जमीन और आंशिक रूप से सर दिनशा पेटीट 11 बारनेट
के स्ट्रस्टीज की जमीन द्वारा पश्चिम की ओर से सर दिनशा पेटीट
11 बारनेट की जायदाद द्वारा।

श्री शं० फड़के,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 10 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1975

निर्देश सं० अ-ई 3/635/74-75:—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 177 सी० टी० एस० नं० 2499 प्लॉट नं० 131 है, जो एकसरे बेरिवली (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

यतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री तरुणकुमार सी० नानावटी, श्रीमती कलावती तरुण-कुमार नानावटी, आर० के० बिल्डिंग, 39 खेतवाडी बम्बई-4 (अन्तरक)

2. मैसर्स टाबलिया बिल्डर्स द्वारा जगदीश स्टील कार्पो० एम० जी० रोड, इलरोस होटेल, बेरिवली (पूर्व) (अन्तरिती)

3. श्रीमती सरोज सुरेश शाह, श्री महेन्द्र रतीलाल दोशी, श्री मनुभाई जीवनजी नायक, श्री केशवराव आबसाहेब लाड (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिखंड अथवा उसका भाग जो एकसरे दो लखनगर बेरिवली पूर्व सड़क नं० 9 पतले तालुका और उप-जिला को राबली अभी बृहत्तर बम्बई जिला और उप-जिला बम्बई उपनगर में स्थित है, माप में 500 वर्गगज समकक्ष 418.05 वर्गमीटर है जिस पर एक पहले की इमारत जिसका सर्वेक्षण नं० 177 और जिसका सिटी सर्वेक्षण नं० 2499 और जिसका प्लॉट नं० 131 है और इस प्रकार घिरा हुआ है।

पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 208 की जायदाद द्वारा पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 9 द्वारा, उत्तर की ओर से प्लॉट नं० 129 की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 133 की जायदाद द्वारा।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)),
अर्जन रेंज 3, बम्बई।

तारीख : 7 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री डी० आर० सोलजर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स जायसंड कन्स्ट्रक्शन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

[यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० अ०ई०-1/1002-10/नवम्बर, 74:—अतः

मुझे, श्री शं० फडके,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 217 एन्ट्री नं० 432 है, जो 24 माऊंट
मेरी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय,
सब-रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 11-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाता
बाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या पट्टेवाली जमीन का वह तमाम टुकड़ा गृहवाटीका और
निवास गृह या बंगलो आऊट हाऊस सहित जो अब रीट्रीट नाम से
ज्ञात जो 24 माऊंट मेरी रोड बाद्रा में स्थित या मौजूद है जो माप
से 2553 वर्ग गज या 2134.63 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है
सर्वे नं० 217 और इन्ट्री नं० 432।

श्री शं० फडके,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 1, बम्बई

तारीख : 10 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता,

तारीख: 17-7-75

निदेश सं० टी० आर०-362/सी०-348/कल-1/74-75:—

यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट पलेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हेमचन्द्र रामचन्द्र

(अन्तरक)

2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा और तिलक प्रानजीवन जेठा
(अन्तरिती)

3. श्री बी० मधुकर एण्ड कंपनी
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 48, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का 1/18 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्टा 8 छटाक कम या अधिक है ।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16,

तारीख: 17-7-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

कलकत्ता, दिनांक 17 जूलाई 1975

निदेश सं० टी० आर०-268/सी०-265/बंबई/64-65-
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल
से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री भगवान दास रामचन्द्र

(अन्तरक)

2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा और तिलक प्रानजीवन जेठा
(अन्तरिती)

3. श्री बी० मधुकर एण्ड कंपनी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 48, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का अविभाजित 1/18
भाग जिसका क्षेत्रफल एक भूकान (पक्का) के साथ 12 कट्टा
8 छटाक है।

एस० के चक्रवर्ती,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
सक्षम अधिकारी,
अर्जन रेंज-I
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16,

तारीख: 17-7-75
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -I

कलकत्ता, दिनांक: 17-7-75

निदेश सं० टी० आर०-276/सी०-267/बंबई/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्मदास रामचन्द्र

(अन्तरक)

2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा और तिलक प्रानजीवन जेठा
(अन्तरिती)

3. श्री वी० मधुकर एण्ड कंपनी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 48, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का अविभाजित 1/18
भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्टा 8 छटाक कम या अधिक एक पक्के
मकान के साथ है।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 17-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निर्देश सं० टी०आर०-300/सी०-289/बम्बई/74-75:—

अतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—176GI/75

1. श्री देवीदास रामचन्द्र (अन्तरक)

2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा और तिलक प्रानजीवन जेठा वी० मधुकर एण्ड कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 48, ईजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का अविभाजित 1/18 भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्ठा और 8 छटांक कम या अधिक एक पक्के मकान के साथ है।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 17 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निदेश सं० टी०आर०-280/सी०-263/कल-1/74-75:--

अतः, मुझ एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/1 है तथा जो मैकल्याड स्ट्रीट, कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्बेनमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती शशीला देवी अग्रवाल पत्नी दशरथ लाल अग्रवाल
(1) वासी अहमद (2) फारूक अहमद (3) शबीर अहमद सभी मोहम्मद सलीम के पुत्र (4) गाब्रिड हुसैन (नाबालिग) (5) ताज अख्तर नूरी, (नाबालिग) पिता तथा वैध संरक्षक श्री ए० जब्बार नूरीद्वारा (6) कमाल अन्जुम (नाबालिग) पिता तथा वैध संरक्षक श्री ए० अजीम अजुम द्वारा, सभी का निवास स्थान 38, जगदीश चन्द्र बोस रोड कलकत्ता-17। (अन्तरक)

2. पिता तथा वैध संरक्षक हाजी अब्दुल सत्तार द्वारा
(1) सुखदेव ठाकुर (2) सन्तत अली (3) बसीर (4) आई० वी० कामिमेड, (5) देवनाथ धोबी, (6) विशेश्वर (7) सैयद किश्वर अली (8) मालूक अली (9) एच० हाल (10) अक़ुल बाहब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करदायी भूमि का भाग जिसका क्षेत्रफल 4 कट्टा 9 छटांक और 43 वर्ग फुट कम या अधिक एक दो तल्ले मकान के साथ जिसका नम्बर 12/1, मैकल्याड स्ट्रीट, कलकत्ता है।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख: 17-7-1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार,

पटना, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निर्देश सं० III-101/अर्जन/75-76/493:—यतः, मुझे ज्योतीन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मु० रो० ब०-665 वार्ड नं०-13 है तथा जो बड़ी, बाजार, मिलिट्री बाजार (मुंगेर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमति धारित्री मल्लिक जौजे, श्री केदार नाथ मल्लिक सा०-श्री कृष्ण रोड़, घोशीटोला-बड़ी बाजार पो०/जिला-मुंगेर वर्तमान पता:—सा० श्रीखण्डा, थाना-कटवा जिला-बर्दवान (पं० बंगाल) । (अन्तरक)

2. श्रीमति रामरती देवी जौजे, श्री विजय कुमार सिंह, श्रीमति सुभद्रा देवी जौजे, श्री अरुण कुमार सिंह सा०/पो०-महेशपुर जिला-मुंगेर । (अन्तरिती)

(3) श्रीमति रखा देवी जौजे, श्री रामशीस सिंह सा०/पो०-मालदाह, जिला मुंगेर । (4) श्रीमति-मीरा देवी जौजे, श्री जय शंकर प्रसाद सिंह सा०-रामपुर, पो०-अभयपुर (पीरीबाजार) जिला-मुंगेर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान के साथ जमीन रकबा 9 कट्टा 5 धूर और 12 धूरकी, प्लॉट नं०-34, तौजी नं०-1333 मुनिशिपल हो० नं० 665 वार्ड नं०-13 स्थित बड़ी बाजार, मिलिट्री बाजार थाना वो जिला मुंगेर जो कि दस्तावेज नं०-6685 दिनांक 8-11-74 में पूर्णतया वर्णित है ।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० टी० आर०-274/सी०-269/कल०-1/74-75:—

अतः मुझ, ए० के० चक्रवर्ती,

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 69 है तथा जो प्रिन्सेप स्ट्रीट (अभी 39 विप्लवी अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्वतमन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती चम्पावती (हेमनदास) (अन्तरक) 1

2. डा० श्रीमती शकुन्तला मुखर्जी, (1) महावीर सा मिल्स (2) कल्मलेन्द्रनाथ मुखर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 69, प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकत्ता (अभी 39, विप्लवी अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट) जिसका क्षेत्रफल 2 कट्ठा 11 छटांक है।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख: 18-7-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० टी० आर०-275/सी-268/बंबई/74-75---

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री अमृतलाल रामचन्द्र

(अन्तरक)

2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा और तिलक प्रानजीवन जेठा
श्री वी० मधुकर एण्ड कंपनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रस्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 48 इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का अविभाजित 1/18 भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्टा 8 छटाँक एक पक्का मकान के साथ है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
54, रफीग्रहमद किववाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख: 17-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16-7-1975

निदेशसं० IX /3/117/1974-75—प्रतः मुझे, जी०वी०

साबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12/13, पी० बी० कोईल स्ट्रीट, मद्रास-21 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० वेंकटाचलम, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० सूसीला देवी, मद्रास-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, रायपुरम पी० बी० कोईल स्ट्रीट डोर सं० 12 और 13 में 2055 स्कुयर फीट का भूमि और मकान।

जी० बी० साबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-7-1975
गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० वेकटाचलम बंगलूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1975

निदेश सं० IX/3/118/74-75—यतः मुझे, जी० वी. झावक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 व 13, है, जो पी० व० कोईल स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती आर० सूसीला देवी, मद्रास (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, रायपुरम पी० वी० कोईल स्ट्रीट डोर सं 12/13 में 1888 स्क्वयर फीट का भूमि और मकान (आर० एस० सं० 639 (भाग) और 640/भाग)।

जी० वी० झावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एन० रामकृष्णन, मद्रास-31

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती दवी० रडी० ईस्वरम्मा और आदी, मद्रास-34

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1975

निदेश सं० IX/3/115/74-75--यतः मुझे, जी० वी०

शावक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 41, स्पर टांक रोड, जो मद्रास-31 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, स्पर टांक रोड डोर सं 41 में 3722 स्क्वयर फीट
का भूमि और मकान (आर० एस० सं० 407/1 भाग)।

जी० वी० शावक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-7-1975

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मीनाक्षी अम्माल और आदी मदुरै
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० अम्मा हवीबा बीबी, मदुरै
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० एक्स/10/17/74-75—गत: मुद्दे, जी० बी०
झाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 22, टौन हाल रोड, जो मदुरै में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मदुरै, टौन हाल रोड डोर सं० 22 में 1260 स्क्वियर फीट का
भूमि और मकान (टी० एस० सं० 349)।

जी० बी० झाबक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 5-7-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 16 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/धुले/नवम्बर 74/—यतः मुझे, एच०—
एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सं० नं० 524/3 है तथा जो मौजे कसबा, धुले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धुले में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थितः—

- (1) श्रीमती सरूबाई धर्मा कंद्रे, धुले
(अन्तरक)
- (2) (ए) श्रीमती सोनाबाई शंकर इस्वार
(बी) श्रीमती शांताबाई किसनराव कंभार
(सी) श्री० हरी महादू खंडाले
(डी) श्री० सूर्यभान महादू खंडाले
सभी रहने वाले, शिवाजीनगर गट नं० 3 धुले
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड शेतजमीन, सं० नं० 524/3, मौजे कसबा, धुले
म्युनिसिपल कक्षा में
क्षेत्रफल 4 हेक्टेर्स 75 आर

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-7-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० 11/851/75/76/1657—

यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 3601 से 3615 (नया) श्याम भवन है जो फैंज बजार, दरयागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बृज किशोर गुप्ता, सुपुत्र श्री ओम प्रकाश संरक्षक नाबालिग पुत्र श्री राजीव कुमार तथा श्री संजीव कुमार, निवासी 100, सुन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज जुनेजा, सुपुत्र श्री एच० एल० जुनेजा निवासी 23-डी, विजय नगर, दिल्ली-9 (अन्तरिती)

(3) 1. श्री आर० सी० दुकान नं० 1

आनन्द

2. श्री राम लुभाया दुकान नं० 2

3. श्री सातिन्द्र कुमार	दुकान नं० 3
4. श्री रतन सिंह	दुकान नं० 4
5. श्री एम० एल० शर्मा	मकान नं० 15-14
6. श्री एन० एल० शर्मा	मकान नं० 15-16
7. श्री अचरल राम	मकान नं० 17
8. श्री एस० एन० चौपड़ा	मकान नं० 18
9. श्री उजागरमल जगन्नाथ	मकान नं० 19
10. श्री नहर राम	एक किलको
11. श्री विशन सिंह	प्लेट नं० 13 पर 2 मंजिल
12. श्री दयाल सिंह	प्लेट नं० 7
13. श्री सत प्रकाश	प्लेट नं० 6
14. श्री जी० एस० बेदी	प्लेट नं० 5
15. मै० राम चन्द श्याम लाल	प्लेट नं० 8

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट की भूमि जिसपर दुमंजिला बिल्डिंग में दुकानें तथा बरसाती बनी हुई है जिसका क्षेत्रफल करीब 1700 वर्ग गज है, जो कि 4718 से 4757 (पुराना) तथा 3601 से 3615 (नया), दरया गंज, दिल्ली-6 में श्याम भवन के नाम से प्रसिद्ध है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/नवम्बर '74/हवेली-II—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सि० एस० क० 231/2 है तथा जो नाना पेठ (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स नाटेकर वंश कन्स्ट्रक्शन कंपनी 1206 बी/15 शिवाजी नगर, डेक्कन जिमखाना पूना-4 (अन्तरक)

(2) श्री नचीकेन को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी चैयरमन-बैकट कुमार दामोदर तोष्णीवाल 231/2 नाना पेठ, पूना-2 (अन्तरिती)

- (3) 1. श्री गणपत लाल हेमाजी परमार
2. श्री चतुर्भोज बिशंभरदयाल अग्रवाल
3. श्री मोहनदास बसीयोमल बाघवानी
4. सौ० पानीबाई चंदनमल सोलंकी
5. श्री बंसीलाल जिवराज वंब
6. श्री रमिकलाल माणिकचंद थाडीवाल
7. श्री रमेशलाल लखनलाल हेमराजानी
8. श्री आत्माराम पृथीसिंह शर्मा
9. श्री माणिकचंद नारायणदास दुग्ड
10. श्री बंकटलाल दामोदर तोष्णीवाल
11. सौ० फुलकंवरबाई भगवानदास परतानी
12. सौ० सुरजकंवरबाई आनंद राम कोठारी
13. श्री मन्नालाल गोविंदराम धून
सौ० लिलाबाई म० धून
14. श्री गुणवंतराव गंगाधर जिनकर
15. श्री चुनिलाल लालचंद फाजेंड
16. श्री विश्वनाथ चन्द्रशेखर शिलवंत
17. श्री हर्षकुमार पोपटलाल बंब
18. श्री अरुणकुमार पोपटलाल बंब
19. श्री किरणकुमार पोपटलाल वंब
20. श्री नंदलाल सुरलीधर मणियार
21. श्री हरिकसन गंगाबिसन मणियार
22. श्री विनोदकुमार पोपटलाल वंब

सबका पता :—नचिकेन को-ऑप० हाँसिंग सोसायटी लि० 231/2, नाना पेठ, पुणे-2

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री होल्ड—मोनग्राफ बेसीस के प्लॉट्स 231/2 नाना पेठ, पूना-2 जमीन का क्षेत्रफल—3678 वर्ग फीट प्लॉट—शॉप कापेट एरिया—7098 वर्ग फीट [जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2049 नवम्बर '74 में सबरजिस्ट्रार हवेली-II (पूना) के दफ्तर में लिखा है]

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—चार, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० 207/आई०ए०सी०/ए० आर-4/75-76—अतः मुझे श्री एम० जे० माथन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चार बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० —143/9 जो सर्वेक्षण नं० 143 है जो गांव—आम्बीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उप० र० बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. जिम रुसदिन प्रा० लि० 16/ए अलटा माऊंट रोड,
खम्बला हिल, बम्बई-26 (अन्तरक)

2. सेन्ट लूईज सोसायटी सेजर रोड, ग्राम्बोली अन्धेरी
पश्चिम बम्बई-58 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्धेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या जमीन का खण्ड या जमीन जो गांव आम्बीवली में जो पूर्वतः उपजीला वान्द्रा में साउथ सालसेट तालुका बम्बई उपनगर में स्थित है, जिसका हक अधिकार के अभिलेख दि० 28 नवम्बर, 1969 में सर्वेक्षण और भू० अभिलेख के जिला निरीक्षक द्वारा किये गये क्षेत्र मापन बम्बई शहर के अनुसार उसके नं० 2692(2) के अन्तर्गत लिखित है—माप में 4177 वर्गगज अथवा 3493 वर्गमीटर या उसके आसपास है जिसका प्लॉट नं० 143/9 जो व सर्वेक्षण नं० 143 जो आम्बीवली गांव में है और उक्त जगह साथ में लगाये हुए संलग्न प्लान के अनुसार इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 143/8 और सर्वेक्षण नं० 143, आम्बीवली है, द्वारा उत्तर की ओर से 30 'चौरा आंतरिक वनाया हुआ रस्ते द्वारा पश्चिम की ओर से मध स्टेनन प्लॉट जो सर्वेक्षण नं० 143—आम्बीवली के द्वारा और दक्षिण की ओर से यरगोवा गांव की सीमा द्वारा।

एम० जे० माथन.

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—चार, बम्बई

तारीख 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना,

कर्वे रोड, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/नवम्बर'74/हवेली-II/(पूना)/ 214/
75-76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्र० 101 वीं सि० टी० एस० क्र० 2073-ए
है तथा जो येखडा (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 22-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दि महाराजा ऑफ धार द्वारा—नानु होरमसजै
एण्ड कंपनी के सॉलीसीटर्स फोर्ट, बम्बई (अन्तरक)

2. दि सोसायटी ऑफ कारमेलिट्स, ट्रस्टी—रेव० सिस्टर
अंजेलरीच 9 बर रोड, पूना-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड बिल्डिंग—सर्वे क्र० 101, वी, सी० टी० एस० क्र०
2073-ए प्लॉट क्र०—18, अहमदनगर रोड, येरवडा, पूना
जमीन का कुल क्षेत्रफल—87120 वर्ग फीट
बिल्डिंग (आऊट हाऊस सह) क्षेत्रफल—12000 वर्ग फीट
[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1216, नवम्बर 74 में
सब रजिस्ट्रार हवेली-II (पूना) के दफ्तर में लिखा है]

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 11-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद-I, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-423 (204) 16-6/
74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० सर्वे नं० 297 पैकी है तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, के लिए सुकर बनाना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स गुलाबराय एण्ड कम्पनी, पंचनाथ, राजकोट के हेतु तथा उसकी ओर से भागीदार:—

- (1) श्री वनश्याम बाबु हरिलाल
- (2) श्री मणिलाल हरिलाल
- (3) श्री गुलाबराय हरिलाल (अन्तरक)

(2) श्री गुरुजन को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 19, केवडावाडी शेरी, राजकोट

- (1) श्री हरगोविन्ददास प्रभुदास (प्रधान)
- (2) श्री भावसंग खेंगारजी (उपप्रधान)
- (3) श्री शान्ति लाल माधवजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बिन खेती वाली भूमि जो आनन्द नगर गुजरात गवर्नमेंट हाऊसिंग बोर्ड क्वार्टर्स के निकट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 297 (पैकी) है और जिसका कुल क्षेत्रफल दो एकड़ है ।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर-III/
नवम्बर-11/515/(19)—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- से अधिक है
और जिस की सं० प्लॉट नं० एन-170 है, जो ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 21-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामा सक्सेना, पत्नी डा० आर० पी० सक्सेना,
फ्लेट नं० 7, 2, मैन्सफील्ड रोड, हांग कांग (अन्तरक)
2. श्री जगननरथ प्रसाद भटनागर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मुनशी
शिव लाल निवासी मोहल्ला छाह शिरइन, बिजनौर
(यू० पी०) और श्री शमशेर बहादुर भटनागर, सुपुत्र
स्वर्गीय श्री राज बहाजर भटनागर, निवासी एन-170,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48 (अन्तरिती)
3. श्रीमती राज चावला साहनी, प्रो० मै० एशियन
एन्टीकएस आर्ट्स एण्ड हेन्डीक्राफ्ट्स (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जायदाद जोकि फ्रीहोल्ड भूमि पर है जिसका क्षेत्रफल 300
वर्ग गज है और 2 1/2 मंजिला मकान के साथ बना हुआ है तथा
जिसमें सभी प्रकार फिटिंग्स, सुरजीत इत्यादि तथा पानी और सिने-
टरी आदि का कनेक्शन मिला हुआ है तथा जो एन-170 निवासी
कालोनी ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 40 फुट सड़क

पश्चिम : प्लॉट नं० 168-ए

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : 30 फुट सड़क

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई 3/642/74-75—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० 7 ए० नं० 105, 106, 107, 109 से 112 है, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—176GI/75

1. मेसर्स सोमानी एण्ड कं० प्राई० लिमिटेड लक्ष्मी भवन 158/164 कालवादेवी रोड बम्बई—2 (अन्तरक)
2. मेसर्स श्रीगोपाल कार्पोरेशन 158/164 कालवादेवी रोड बम्बई—2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन के प्लॉट के वे सभी टुकड़े या भाग जिसका प्लॉट नं० 7, सोमानी ग्राम, राममंदिर रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 बम्बई उपनगर जिला और रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिला है माप में 1591 वर्गमीटर (1902.83 वर्गगज) है । उत्तर की ओर से प्रस्तावित आंतरिक 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 6 द्वारा दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 12-13 और सर्वेक्षण नं० 107 हिस्सा नं० 1 द्वारा और पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 8 जिसका नं० सी० टी० एस० नम्बर है, द्वारा घिरा हुआ है ।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—3, बम्बई ।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई/III/646/74-75—अतः मुझे, जे० एम०
मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० प्लॉट नं० 6, सर्वे नं० 105, 106, 107, 109
से 112 है, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 18-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर ध्यान:-

1. मेसर्स सोमानी एण्ड कं० प्राईवेट लि० लक्ष्मी निवास,
158/164 कालबादेवी रोड बम्बई-2 (अन्तरक)

2. मेसर्स विनय एन्टरप्राइज, लक्ष्मी निवास, 158/164
कालबादेवी रोड बम्बई-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, सोमानीग्राम राममंदिर क्रास रोड, गोरेगांव
(पश्चिम) सर्वेक्षण नं० 105, 106, 107, 109 से 112, माप
में 1609.50 वर्गमीटर (1925.00 वर्गगज) है।

जमीन के प्लॉट के वे सभी टुकड़े या भाग जिसका प्लॉट
नं० 6, सोमानी ग्राम राममंदिर रोड गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-
62 बम्बई उपनगर जिला और रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर
बोर्ड और बम्बई उपनगर जिला है। माप में 1609.50 वर्ग
मीटर (1925.00 वर्गगज) उत्तर की ओर से प्रस्तावित
आंतरिक 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा पूर्व की ओर प्लॉट नं० 5
द्वारा दक्षिण की ओर से सर्वेक्षण नं० 107 हिस्सा नं० 1 द्वारा
और पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 7 जिसका नं० सि० टी०
एस नं०

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—3, बम्बई।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कार्यालय, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० आई/111/641/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 8 सर्वे नं० 105, 106, 107, 109, से 112 है, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स सोमानी एण्ड कं० प्रा० लि० लक्ष्मी निवास 158/164 कावलादेवी रोड बम्बई 2 (अन्तरक)

2. मेसर्स श्री अरविंद कारपोरेशन लक्ष्मी निवास 158/164 कालवादेवी रोड बम्बई 2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 8 सोमानी ग्राम, राम मंदिर रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई 62, बम्बई उपनगर जिला और रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिला में स्थित है माप में 1591.00 वर्ग मीटर (1902.83 वर्गगज) है उत्तर की ओर से प्रस्तावित 30 फीट चौड़े आंतीक मार्ग द्वारा, पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 7 द्वारा, दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 12 और 11 द्वारा और पश्चिम की ओर से प्लॉट नं० 5 जिसका नं० सी. टी. एम० नम्बर है, द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बईतारीख : 7 जुलाई 1975।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० अई/III/632/74-75—अतः मुझे, जे०, एम० मेहरा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी रामगली सर्वे नं० 67 हि० नं०-3 (अंश) है, जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. (1) श्री शशीकान्त केशवलाल वलेरा, कर्ता और ए० यु० एफ० के मैनेजर
(2) कमलाबाई के वलेरा (3) अनिलकुमार के वलेरा
(4) पियुष एस० वलेरा (5) सेजल एस० वलेरा

(6) अरुणा ए० वलेरा (7) जिम्ना ए० वलेरा (अन्तरक)

2. श्री विना वि० शहा (2) जयन्तीलाल एन० त्रिवेदी (अन्तरिती)

3. (1) श्री केशवजी हरीभाई कोटालाया
(2) पुरशोत्तम कानजे राठोड (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो असर्वेक्षणित गांव कस्बे मालाड, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर पहले कांदीवली महानगर पालिका की सीमांतर्गत और अभी वृहत्तर बम्बई महानगर निगम की सीमा में स्थित है, माप में 1182.22 वर्गगज समकक्ष 988.48 वर्गमीटर या आसपास है और जिसका सर्वेक्षण नं० 67, हिस्सा नं० 3 अंश, राम गली गांव कस्बे मालाड और जिसका प्लॉट नं० बी है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर कर ओर से सुरेन्द्रनगर हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड की बिल्डिंग के नाम से ज्ञात जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से म्हात्रे निवास के श्री म्हात्रे की जायदाद द्वारा, पूर्व की ओर से विक्रेता की बाकी बची जायदाद अर्थात् प्लॉट नं० ए द्वारा और पश्चिम की ओर से श्री विठ्ठलदास भाटिया की जायदाद द्वारा।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 55/75-76—यतः मुझे के०
एस० बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० 1-8-94 चिकड़ पल्ली है जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-11-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री कलीमुद्दीन बेगम पत्नी नवाब
महेदो हसन खान 22-1-923,
सुलतानपुरा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) 1. श्री के० सुब्बा लक्ष्मी पत्नी के० बी०
सुब्बाराव, 1-8-94, चिकड़ पल्ली
हैदराबाद।
2. श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी सत्य नारायण
21-2-750, रिकाव गंज,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मंजिल और पहला मंजिल का सामने का भाग नं० 1-8-94
चिकड़पल्ली, हैदराबाद, क्षेत्रफल 109.19 वर्ग मीटर्स।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 59/75-76—यतः मझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-121—142 ऐडेन बाग है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-11-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) शेहजादी अहमदुन्नीसा बेगम,
अलियास शेहजादी पाशा पुत्री स्व०
नवाब मीर अस्मान अली खान
(नीलम-VII)

मुस्तार नामाडारा श्री एम० मंजूर अली
पुत्र मस्तान अली 1-11-249, बेगम
पेट, हैदराबाद

(2) हादी अलीखान अलियास हादी
नवाब पुत्र स्व० सय्याद अब्बास अली
खान, तालाब बाग मीर आलम,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिद्धिख बानू पत्नी सय्यद
यूसुफ नवाब ऐडेन बाग, रामकोट,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 3-5-121 और 142 का भाग, ऐडेन भाग, रामकोट,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 75

सं० आर० ए० सी० 77/75-76—प्रतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 9 युनिटी हाऊस, है जो एबिड रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, एबिड रोड, (अन्तरक)
हैदराबाद।
2. श्रीमती प्रथिवा देवी अग्रवाल, (अन्तरिती)
21-7-107 घांसी बाजार, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, तल मंजले पर, युनिटी हाऊस इमारत में, एबिड रोड, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-7-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 11 जुलाई, 1975

सं० आर० ए० सी० 80/75-76—यतः मुझे के० एस०
बेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
बहु विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
अवधि बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1-2-265 सिकन्दराबाद है, जो सिकन्दराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-11-1974
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. डाक्टर आय फरनेस पुत्र एस० पी० (अन्तरक)
फरनेस, 100, एस० डी० रोड,
सिकन्दराबाद ।
2. श्री सि० जे० अमरनाथ राव पुत्र सी० (अन्तरिती)
जे० गोपाल राव, 31/बी०, ईस्ट,
मारेड पल्ली, सिकन्दराबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कवेली का मकान जो "कारनर काटेज" नाम से पहचाना
जाता है नं० 1-2-265, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में
स्थित है ।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-7-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 11 जुलाई, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 72/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16-8-931/2 मलकपेठ है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के वास्तव में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-176GI/75

1. (1) उमानुल जमील पत्नी नसीरु
दीन खान (2) मोयनु दीन पुत्र
साप्रूदीन खान (अन्तरक)
2. श्री खेतशी भाई पुत्र विश्राम पटेल, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 16-8-931/2 का भाग क्षेत्रफल 1028.57 वर्ग
मीटर्स मलकपेठ, हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 11-7-75

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 9 जुलाई, 1975

सं० आर० ए० सी० 54/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-94 चिककडपल्ली है जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री कलामुक्षीमा वेणम पत्नी
नवाव मेहदी हमन खान, (अन्तरक)
22-1-923, सुल्तानपुरा, हैदराबाद
2. के० सुब्बा लक्ष्मी पत्नी के० बी०
मुम्बाराव, 1-8-94, चिककडपल्ली,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिछला भाग का निचला मंजिल और पहला मंजिल नं०
1-8-94/ए, चिककड पल्ली, हैदराबाद में स्थित है क्षेत्रफल
53.31 वर्ग मीटर्स है।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-75
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 47/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12-2-825/3 महदी पटनम् है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए
अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितिओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उत पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, डिशाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्रीमती रिझवानाफारुख पत्नी डाक्ट० (अन्तरक)
सलीम मोहम्मद फारुख, जी० पी० ए०
बारा, डाक्ट० फाट्टीम एम० फारुख,
9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद
2. श्रीमती मेहरनीसा बेगम, पत्नी सय्यद
गुलाम मोहयुजीन, 11-3-745, नई
मल्लापेल्ली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगरपालिका नं० 12-2-825/3 का दक्षिण भाग जिसका
क्षेत्रफल 1329.5 वर्ग मीटर्स जो मेहदीपट्टणग, हैदराबाद में
स्थित है। जिसका चौहद्दी—

उत्तर—मकान नं० 12-2-825/3

दक्षिण—श्रीमती झहरा फातीमा हैदर

की मकान,

पूरब—वही

पश्चिम—प्राथकर कालती का सी० सी० रोड।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1975

सं० आर० ए० सी० 58/76-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 13/261 गुडूर है, जो गुडूर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थात्:—

1. श्रीमती के० शशिकला पत्नी जी० कृष्णा (अन्तरक)
रेड्डी, नेहरू नगर,
पूर्व गुडूर, गुडूर।
2. श्री आई० विवेक रेड्डी, अवदस्क, (अन्तरिती)
पालक अनन्तपदम नाभ रेड्डी,
9-टी० ग्रामानी स्ट० संयोग, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नं० 13/261, क्षेत्रफल 528.51 वर्ग मीटर्स जो पुरानी
छत का इमारत, फैक्टरी, शिक शीट्स,
गोडावून।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 9-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 7 जुलाई, 1975

निर्देश सं० ए० पी० 975—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6805 अक्टूबर 1974 में है तथा जो रेलवे मंडी रोड, जालन्धर में स्थित है (और उसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कृष्णलाल चड्ढा, कुन्दन लाल चड्ढा, सपुत्र ज्ञान चन्द चड्ढा द्वारा चड्ढा प्रिंटिंग प्रेस न्यू रेलवे रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री करनजीत सिंह पुत्र महंगा सिंह, गांव बिलगा पट्टी नालोवाल जिला जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रूची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान जैसा कि अधिकृत विलेख सं० 6805 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 7-7-75

मोहर :

प्ररूप धरई० टी० एन० एस०—

भररकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धरर 269-ध (1) के अधीन सूचना

भरर सरकर

करररलय, सहररक भररकर भररुक्त (निरीक्षण)

अर्रन रेंज, जरलन्धर

जरलन्धर, दिनरंक 7 जुलरई 1975

निरदेशस० ए० पी० 976—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भररकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धरर 269-ध के अधीन सक्षम प्ररधिकररी को, यह विषररस करने का कररण है कि स्वररर सम्पत्ति, जिसका उचित बरजर मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि अधिकृत विलेख न० 6781 अक्तूबर 1974 में है तथा जो न्यू रेलवे रोड, जरलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्तर अधिकररी के करररलय जरलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तररीख अक्तूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बरजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषररस करने का कररण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बरजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय ररया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वरस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भरर की बरबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दरयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भरर या किसी धन या अन्य वरस्तियों को, जिन्हें भररतीय भरर-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनरर्थ अन्तरिती धरर प्रकट नहीं किया गया वर या किया जाना वरहिए थर, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धरर 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धरर 269-ध की उपधरर (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अरर्थरतः—

1. श्री कृष्णलरल चड्ढर कुन्दनलरल चड्ढर, (अन्तरक) सपुत्र ज्ञान चन्द, जरलन्धर।
2. श्रीमती अधम कौर पत्नी महंगा सिंह बिलगा पट्टी नोलोबल, जरलन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखतर है।
(वह व्यक्ति, जिनके बररे में अधोहस्ताक्षरी ज्ञरनतर है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जररी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्रन के लिए करररवरहियां शुरु करतर हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्रन के सम्बन्ध में कोई भी वरक्षेप :—

- (क) इस सूचना के ररजपत्र में प्रकरशन की तररीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तरमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बरब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धररर;
- (ख) इस सूचना के ररजपत्र में प्रकरशन की तररीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वररर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति धररर, अधोहस्ताक्षरी के पस लिखित में किये जर सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिमरषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वररर गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि अधिकृत विलेख स० 6781 अक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्तर अधिकररी जरलन्धर, में लिखतर है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकररी,
सहररक भररकर भररुक्त (निरीक्षण),
अर्रन रेंज, जरलन्धर।

दिनरंक 7-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 977—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1822 अक्तूबर
1974 में है तथा जो वीर नलोगी में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नवशेहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमन्ना राम सपुत्र भुला राम
सपुत्र तेरू राम वासी 615-ई० अवाद
पुरा जलन्धर, रखा राम सपुत्र गुलाबा
सपुत्र गुरदयाल वासी बलभ्राकला
तहसील नकोदर। (अन्तरक)
2. श्री बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह, अवतार
सिंह, सपुत्र चनन सिंह, सपुत्र उजागर
सिंह, वासी खीरवालो, तहसील
नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 18, 22 अक्तूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० 978—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1829, अक्टूबर
1974 में है तथा जो शंकर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या रिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, वी. 'उक्त
अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कुमन सिंह सपुत्र प्रताप सिंह, (अन्तरक)
शंकर
2. श्री कुल दीप सिंह सपुत्र हरबंस सिंह,
सपुत्र देवा सिंह, शंकर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1829, अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 979—यत्: मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1736 अक्टूबर
1974 में है तथा जो फेबन चूहारसी में स्थित है (और इससे
उपाय अतुल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—176GI/75

1. श्री लेख राज और जी० ए० टू शाम (अन्तरक)
सुन्दर और हरबन्स लाल सपुत्र हाकम
चन्द वासी C/3/1 राना प्रताप बाग,
दिल्ली ।

2. श्री मनकियत सिंह, गुरदीप सिंह सपुत्र
महंगा सिंह और सरयन कौर पत्नी
महंगा सिंह वासी चैक विन्टल (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1736 अक्टूबर 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० 980—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1743 अक्टूबर 1974 में है तथा जो ए० वन बूहारमी में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लेख राज और जीफेट शाम,
सुन्दर और हरबंस लाल सपुत्र हुकमचंद
वासी सी/3/1 राना प्रताप बाग,
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुच्चा सिंह, हरपाल सिंह, गुरुगम
सिंह, सपुत्र भाग सिंह,
वासी कुराली, तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1743, अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० 981—रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1737 अक्टूबर 1974 है तथा जो अमान शहर सी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामदीती, कृष्णा कुमारी पुत्री (अन्तरक)
हुकम चन्द द्वारा लेख राज सपुत्र
हुकम चन्द सी०-3/1 राना प्रताप
बाग दिल्ली।

2. सुच्चा सिंघे हरपाल सिंह, गुरनाम सिंह,
सपुत्र भागमल गांव करवाला तहसील
जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1737, अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 982—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1690, अक्टूबर
1974 में है तथा जो लिदरो में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री वियत कौर नासीवी छिनदो, अनबो पत्नी
गुरबचना गांव लिदरो तहसील नकोदर (अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह, पाल सिंह पुत्र निर्जन सिंह गांव
लिदरो तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में
रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1690 अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० 983—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1691
अक्टूबर 1974 में है तथा जो लिदरो में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विर्यंत कौर नसीबो, छिन्दो, अरवी पुत्री
गुरबचना गांव लिदरो लहसील नकोदर (अन्तरक)

(2) श्री मलकीत कौर पत्नी चरनदास पुत्र हरवामा
वासी खान पुर ढडा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1691 अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 984—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1702 अक्टूबर 1974 में है तथा को वालहाकीम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अजीत सिंह सपुत्र हरनाम सिंह गांव बोदाराये
काला तहसील नकोदर (अन्तरक)

(2) श्री राम लाल, जोगिन्द्र सपुत्र गुरुवचन गांव
लिदरा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1702 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० 985—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1726 अक्टूबर 1974 में है तथा सिंगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गुरदीप सिंह, जगजीत सिंह, कश्मीर सिंह सभुत सरदारा सिंह गुरमीत कौर पत्नी गुरदीप सिंह, सुरजीत कौर पत्नी जगजीत सिंह, चनन कौर पत्नी काश्मीर सिंह गांव सिंगपुर तहसील नकोदर (अन्तरक)

(2) श्री सतनाम सिंह दलविन्द सिंह सभुत गुरवक्श सिंह सभुत नराणजन सिंह बासी लाढयां खुरद तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1726 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 986—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत नं० विलेख 9359
अक्टूबर 1974 में है तथा को लजरहा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीनिर्मल सिंह सुत्र ऊधम सिंह सुत्र फतेह सिंह, कर्म
कौर पत्नी ऊधम सिंह सुत्र फतेह सिंह गांव चकदाना

(अन्तरक)

(2) श्री जमन लाल सुत्र अदोराम सुत्र जाया गांव
गांव पुआरी तहसील फलौर द्वारा देवराज सुत्र ऊधोराम
पुआरा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रजि
रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9359 अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-7-1975
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 987—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2828/
9158 अक्टूबर 1974 में है तथा जो पुष्पारी में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12—176GI/75

(1) श्रीमती ठाकरी पतनी ऊदो गांव पुष्पारी तहसील
फलौर (अन्तरक)

(2) श्री रणपाल सिंह सुत्र सिब सिंह गांव भार सिंह
पुरा तहसील फलौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2888/9158
अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 988—यतः मझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2883/9183 अक्टूबर 1974 में है तथा जो माठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए. किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जतन सिंह स्पुत्र देहू गांव माउ तहसील फलीर (अन्तरक)

(2) श्री बहादुर सिंह, गुरदेव सिंह, कर्नेल सिंह, जर्नेल सिंह, जोगिन्द्र सिंह स्पुत्र बाबासिंह सपुत्र कुशाला गांव खिल्ल तहसील बाबार (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2883/9183 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलीर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 7 जुलाई 1975

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 989—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9095 अक्टूबर 1974 में है तथा जो फलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलगर सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र विमल सिंह वासी रामगढ़ तहसील फलौर (अन्तरक)

(2) मर्से फरेन्डस अटो इन्डस्ट्रीस रामगढ़ फलौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9095 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 990—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9246/2946 अक्टूबर 1974 में है तथा जो फलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलगर सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र विशन सिंह वासी रामगढ़ तहसील फलौर (अन्तरक)

(2) मैसर्स फरेन्ड्स प्रोटो इन्डस्ट्रीज रामगढ़ तहसील फलौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9246/2946 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज जालन्धर।

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 991—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2918/9218 अक्टूबर 1974 में है तथा तलवन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फ्लोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि:—

(1) श्री बलवीर सिंह जोगिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र सिंह सपुत्र नराणजन सिंह गांव तहसील तलवन (अन्तरक)

(2) श्री दयाल सिंह, हरभजन सिंह सपुत्र शनकर सिंह, मुख्त्यार सिंह, दयाल सिंह, अनूप सिंह सपुत्र हरभजन सिंह गांव रुडकी (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2918/9218 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फ्लोर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 992—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 2920/9220 अक्टूबर 1974 में है तथा जो तलवन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जागीर, मलकीत, सपुत्र हरदित्त सपुत्र रूलजिन्दे गांव शेरपुर तहसील फलौर (अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र किष्ण सिंह सपुत्र वसन्त सिंह, जीत सिंह सपुत्र कृष्ण सिंह, वसन्त गांव ऊपल भूया (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2920/9220 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 993—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6557 अक्टूबर 1974 में है तथा जो नजदीक बुलन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुनवन्त सिंह हर सिंह स्युत मुनशा सिंह बुलन्दपुर तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री अमर चन्द स्युत फकीर चन्द गांव बुलन्दपुर तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6557 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 994—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6656 अक्टूबर 1974 है तथा बुलन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मर्यादित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अ. की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तर, दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलबन्त सिंह, हरी सिंह स्पुत मुन्शा सिंह, वासी बुलन्दपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती धनकौर पत्नी अमरचन्द स्पुत फकीर चंद वासी बुलन्दपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना नया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6656 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 995—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6629 अक्टूबर 1974 में है तथा जो वुलन्दपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुलबन्त सिंह, हसी सिंह स्पुत्र मुन्शा सिंह वुलन्दपुर जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री सोडी राम स्पुत्र अमर चंद वुलन्दपुर तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6629 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7 जुलाई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 996—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6623
अक्टूबर 1974 में है तथा जो रायेपुर रासुलपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेश चंद्र स्पुत्र बनारसी दास स्पुत्र गनेश
दास वासी सैक्टर-R, मोडल टाउन जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री करोडी लाल सेहनी स्पुत्र लेट मोती राम
राजपत नगर जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6623 अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 997—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6528 अक्टूबर 1974 में है तथा जो रायेपुर रासुलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेण चन्द्र स्पुत्र बंसी दास जालन्धर 500-
एल० मोडल टाऊन जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री नाथू राम साहनी स्पुत्र लेट ले० मोती
राम 217 लाजपत राये नगर जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6528 अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7 जुलाई 1975
मोह :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 76/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 28 तलमजला है, जो एबिड रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, एबिड रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार अवस्थक पालक द्वारा श्री रामावतार,
एबिड रोड, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 28 नल मजले पर जो "युनिटी हाऊस" एबिड रोड, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 75/75-76—यतः मुझे,
के० एस० बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 11-5-294 और 295 रेड हिल है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 11-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मीर मुसफर अली खान (2) मीर आजम अली खान
मुख्तार नामादार मीर मुसफर अली खान सीता महल,
बम्बई-26 (अन्तरक)
2. श्रीमती नजमा सुल्ताना पत्नी अब्दुल खैर, सिद्दीकी
11-5-294, रेड हिल, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन तथा इमारत नं० 11-5-294 और 295, रेड हिल,
हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-7-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 78/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम',
कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 10, युनिटी हाऊस है, जो एबिड
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान विल्डर्स, एबिड रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री अमरचन्द अग्रवाल 15-2-388 मुख्तारगंज,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिटी हाऊस नामक ईमारत में तल मजले पर दुकान नं० 10,
एबिड रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 56/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16/552 संकर अग्रहारम् है, जो नेल्लूर में
स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सी० रतनम् मुदलियार पुत्र सी० मुदलियार जयराम
कूलड्रिक्स, ट्रंक रोड, नेल्लूर (अन्तरक)
2. श्रीमती वाय जय लक्ष्मी पत्नी सीनीवासुलू, वेलीगेंडला,
एसिस्टेंट इंजीनियर, एयर फोर्स अक्याडमी प्रोजेक्ट,
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नं० 16/552, संकरा अग्रहारम्, नेल्लूर।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 48/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12-2-826/1 मेहदी पट्टनम है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. श्रीमती रीजवाना फारूख पत्नी डा० सलीम मोहम्मद
फारूख जी० पी ए० द्वारा डा० फाहीम फारूख, 9-4-2, टोकी
चौकी, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती शाकीरा जेहान पत्नी सय्यद महबूब मोहम्मद,
पेढापल्ली, करीमनगर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नगरपालिका नं० 12-2-825/3 का उत्तरीय भाग क्षेत्रफल
1271 वर्ग मीटर, जो मेहदी पट्टनम, हैदराबाद में स्थित है
और चौहद्दी

उत्तर— श्रीमती झेहरा फातिमा हैदर का मकान

पूरब— श्रीमती झेहरा फातिमा हैदर का मकान

दक्षिण— श्रीमती मेहन्निसा बेगम का मकान

पश्चिम— आयकर कालोनी के सी० सी० रोड

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) Sri Vadrevu Suryanarayana Murthy
Sri Vadrevu Subramanyam, RJY.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Kotipalli Tej Bahadur Saproo (Minor) represented
by father Rama Rao, RJY.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

काकीनाडा, दिनांक 14 जुलाई 1975

Acq. File No. 207/LNo. EG. 421/74-75.— यतः, मुझे
B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 46-19-61, Danavaipeta, है जो Rajahmundry
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 31-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित ध्येयों, अर्थात्:—

14—176GI/75

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

The property schedule as per sale deed dt. 22-10-1974
vide document No. 4321/74 of SRO, Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, Kakinada.

तारीख : 14-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 जुलाई, 1975

Acq. File No. 206/J-No. I (387)/74-75.— यतः, मुझे
B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

11-49-54 है जो Sivaiah Street, है

Vijayawada में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Sri Sivakoti Lakshminarasimham,
S/o. Pullaiah, Governopeta, Vijayawada,

(अन्तरक)

(2) Sri Pulletikurthi Prasad

S/o. Veerabrahmanandam, Islampetam, Vijayawada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dt. 26th September 1974 vide document No. 3714 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada dt. 29-10-74.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 14-7-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Shri Chakka Ramarao, S/o Sarabhalingam, Vizianagaram.

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Shri Yanlagadda Rangarao, S/o Seshayya, Vizianagaram.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

काकीनाडा, दिनांक 16 जुलाई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

J. No. I(162)/VSP/74-75/Acq.File No. 208.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Industrial Estate, Vantitadi Agraharam है जो Vizianagaram में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vizianagaram

में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 30-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per sale deed dated 20-11-1974 vide document No. 4664 registered before the S.R.O., Vizianagaram.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 16-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जुलाई 1975

J. No. 461/75-76/Acq. File No. 205.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8-9-58 है, जो Vankayalavari Street, Rajahmundry

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry

में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. Delhi Narasingarao, By General Power of Attorney holder Sarangu Laxminarasimharao, Tanuku,
2. Panuganti Jagannadharao.
3. P. V. Ramanarao.

(अन्तरक)

- (2) Sait Sampat Kumar Bang, Rajahmundry.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Property schedule as per sale deeds dated 6-11-74 and 17-3-74 vide documents Nos. 4473 and 4475 registered before S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 7-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Shri Akula Chenchu Punneswararao,
S/o V. R. K. Rao, Vijayawada.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) Smt. Pulaparty Ranganakamma,
W/o P. Visweswararao, Gunupudi.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

J. No. 1(415)/WG/74-75/Acq. File No. 206.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7-2-33

है जो Yenamanduru Pantakalva

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Bhimavaram

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-74 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Property schedule as per document No. 2710 of 1974
registered before the S.R.O., Bhimavaram.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 10-7-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० फरीदकोट/117/75-76—यतः, मुझे, वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रनधीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र तरलोक सिंह वासी गांव शेरगढ़ तहसील डबवाली (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह पुत्र मनोहर सिंह पुत्र हरनाम सिंह गली दमदामा, मुक्तसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2218 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 15-7-75

मोहर :

प्ररूप आर्ई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० पठानकोट/118/75-76—यतः मुझे बी० आर०
सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खेती बाड़ी जमीन जो गांव सुंदर चक में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भिजलाल पुत्र श्री उत्तम चन्द गांव सुंदर चक तहसील
पठानकोट। (अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री सरजंग बहादुर पुत्र श्री
भिजलाल गांव सुंदर चक। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेताबाड़ी जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1535
नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में
लिखा है।

बी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 15-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/119/75-76—यतः मुझे बी० आर०

सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तेलू राम पुत्र श्री रामधनमल फगवाड़ा । (अन्तरक)
2. श्री बलवंत सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी पलाही । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएदार ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1501 नवम्बर 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 15-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक, 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/120/75-76—यतः मुझे वी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

15—176GI/75

1. श्री तेलू राम पुत्र श्री रामधनमल वासी फगवाड़ा ।
(अन्तरक)

2. श्री बलवंत सिंह पुत्र भगत सिंह पुत्र मिह्रा सिंह वासी
पलाही । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएदार ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1435 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 15-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० एस० आर०/इन्दौर/6-11-74:—अतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो राजेन्द्र नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बंसत पिता श्री दत्तात्रय रामडे निवास 90/2 स्नेहलता गंज इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्रीमती सीभाग्य बेन पति श्री वसन्ती लाल निवास-दालवाडा माउन्ट आबु राजस्थान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट आर्ट मकान नं० 6-ए० राजेन्द्र नगर इन्दौर क्षेत्रफल 2925 वर्ग ।

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 10 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेश सं० एम० आर०/इन्दौर/4-11-74—अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 173 है, जो श्री नगर कालौनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. डा० निलकंठ बाल कृष्ण टेम्बेकर, निवास लिंक रोड नम्बर-2, भोपाल । (अन्तरक)

2. श्री निवास पाई, निवास मार्तण्ड चौक, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 173 पर बना हुआ भूखान एक मंजिला लम्बाई 60 फीट, चौड़ाई 40 फीट, श्रीनगर कालौनी, इन्दौर ।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० एम० आर०/इन्दौर/9-11-74—अतः, मुझे,
व्ही० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जो प्लॉट और मकान, महात्मा गांधी मार्ग, में जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गेंदा लाल पिता मोती लाल पवार निवास पठरीनाथ पथ, इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्रीमती कोमल कुमारी पति रमेश कुमार जैन पति सुभाष चन्द्र जैन पठरीनाथ पथ, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करेता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान मुनिस्वल नं० 128/2 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 10 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1975

1. श्रीमती उर्मिला देवी पति गनपत लाल निवास माधव
नगर, उज्जैन ।

(घन्तरक)

2. श्री त्रिलोक सिंह पिता हरनाम सिंह, जामा मस्जिद,
उज्जैन ।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

प्लॉट और मकान मुनिश्चल नं० 6-117.9 माधव नगर,
उज्जैन ।

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० एम० आर०/इन्दौर/28-11-74—अतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिक्का करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 17 है, जो राजेश नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मंजु श्री पति अमृत राय द्वारा श्री नानक राम पिता कालूराम निवास-29 पालसीकर, कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द पिता गनपत लाल निवास 1 नन्दलाल पुरा, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी है के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 17 और एक मंजिला मकान राजेश नगर, इन्दौर।

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती तिकादेवी पति प्रदीप सिंग, निवास 66 साकेत नगर, इन्दौर। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

2. श्री पुरुषोत्तम एम० नागर, खालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/22-11-74—अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कालोनी है, जो श्रीनगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

186 श्रीनगर कालोनी, 40×60 सक्वायर फीट, इन्दौर।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 8-7-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/21-11-74—अतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, जो जोरा कम्पाउन्ड में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार पिता भवर लाल, निवास मानिक भवन, तुकोगंज इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्री अजीत कुमार पिता शान्ती लाल (2) श्रीमती कमलाबाई पति शान्ती लाल 460 एम० जी० रोड, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 45 बी० 3640 सक्वायर फीट जोरा कम्पाउन्ड इन्दौर ।

व्ही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 8-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/6-11-74--अतः, मुझे,
व्ही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो बड़ा सराफा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

16--176GI/75

1. श्रीमती चन्द्रकान्ता बाई पति रतन लाल, निवास नं० 4
राधा नगर कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र पिता हिन्दजी जोशी 27 छीपा बाखल,
इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 24 बड़ा सराफा आगे का हिस्सा तीन मंजिल
एरिया-1000 वर्ग फीट, इन्दौर।

व्ही० के० सिन्हा,

सभम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 8-7-1975

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 का 43 (गिराफ)

अर्जेंट रोज, सोमवार

मोहोर, दिनांक 8 जुलाई 1975

निदेश सं० एन० आर०/आई०/23-11-74—आय०, मु०,
वही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मन्त्रालय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी मूल्य मूल्य के अन्तर्गत में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में उल्लिखित कर में वर्णित है)। अधिनियम की अधि-
कारी के कार्यालय, इन्दौर में अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 23-11-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित मूल्य मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण विहित में
वास्तविक रूप में अन्तरित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पार्वती बाई पति रामस्वरूप, निवास महेश्वरनगर,
इन्दौर । (अन्तरक)

2. श्रीमती लीला बाई पति बाबू लाल (2) श्रीमती कमला
बाई पति कचर लाल, कल्या खोत गांव । (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में दृष्टापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट न० 1/9 पर बना हुआ दो मंजिला महेश्वरनगर, इन्दौर ।

टी० के० सिन्हा,

मन्त्रालय प्राधिकारी

महाप्रकाश आयकर आयुक्त (गिराफ),

अर्जेंट रोज, मोहोर ।

तारीख: 8 जुलाई, 1975

मोहोर:

प्ररूप आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निदेश सं० एस० आर०/इन्दौर/21-11-74:--अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो गांधी पार्क में स्थित है (और इसने उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए मुकर बनाना; और

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. डा० योगेश्वर कुमार बिना महादली प्रसाद तिवारी निवास
महासली पो० इन्दौर। (अन्तरक)

2. सत्य नारायण पिता हर नारायण निवास इतखोली
कायन नौ नौ, इन्दौर। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्रवाई शुरू करवा दी है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के सारप्रत में दस्तावेज की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमजारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के सारप्रत में प्रमाण्य की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--यहमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 29-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

गांधी पार्क वहाँ पर प्लॉट नम्बर 149 पर बना हुआ पश्चिम मुखी को रजिस्ट्री कार्यालय पो० 47 चौक ई पो० 25।

वही० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 8-7-1975
सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/7-11-74—अतः मुझे,
व्ही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो मनोरमागंज में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 7-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सेठ इन्द्रराज पिता बालमुकुन्द निवास मनोरमागंज
इन्दौर ।
(अन्तरक)

2. श्री देवकी नन्दन पिता मदनलाल निवास बामोरी जिला
रायसेन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 क्षेत्रफल 9600 वर्गफीट मनोरमागंज इन्दौर ।

व्ही० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 8-7-1975

मोहर :

प्ररूप धर्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/19-11-74—अतः मुझे, वही० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैत्रर्स ईश्वर स्टील्स रजि० भागीदारी फर्म 339 शिवानी नगर इन्दौर द्वारा पार्टनर (1) शिवाजी वावनराव (2) राधेश्याम वट्टीनारायन (3) सत्यनारायन एण्ड राधाकिशन पुत्र वट्टीनारायन, प्रकाश पिता वसन्तराव ओमप्रकाश पिता वावनराव महेशकुमार दिलीप कुमार पुत्र बाल किशन राज कुमार पिता बाबू लाल ।

(अन्तरक)

2. श्री शान्ती लाल पिता धेवर चन्द निवास 18/4 मल्हार गंज, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ईश्वर स्टील्स कारखाना (रोलिंग मिल) जमीन 12300 वर्ग फीट एवं उसमें लगी मशीनरी व प्लाट, रोलिंग मशीन मैन ड्राईव यूनिट, चिमनी इलैक्ट्रिक मोटर फर्नेस, आईल टैंक आदि चालू हालत में ।

वही० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 8-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/28-11-74—अतः मुझे,
एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दो मंजिला है, जो सदर बाजार में स्थित है (और
इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित से है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री वसंत पिता तेजमल हुनगावी 6/35 ग्राम
निवास दम्बई-26 । (अन्तरक)

2. श्री गुरु सिंह (I) प्रेसीडेंट सरदार राजेन्द्र सिंह पिता
सरदार बेजर सिंह निवासी 9/10 राजपूत कुन्स भिन्ड
राजहंस होटल मेपीधर टाउन जबलपुर (II) कुलवन्त
सिंह निवास गोविन्द भयन पास में रीटन होटल सिविल
लार्डन जबलपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग (मथुरा बिल्डिंग) बपी हुई पास में कालो
मंदिर गुरुद्वारा कन्टोमेन्ट सदर बाजार जबलपुर ।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 24-3-1975

सोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० 3240/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 20, 136 और 137 टी० एस०
आर० बिघ स्ट्रीट, कुम्बकोटन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), व रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के परम प्रतिगणन से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एस० कृष्णस्वामी आर्यंगार । (अन्तरक)
2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन; और वासु
(मैटर) (वाडियन मीनाशीमुन्दरम) ।
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कुम्बकोटन, टी० एस० आर० बिघ स्ट्रीट नं० 20,
136 और 137 में आधा भाग में 1/3 भाग ।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख : 18 जुलाई 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 3240/74-75—यतः मुझे, जी० वी०

झाबक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 20, 136, 137 टी० एस० आर० है तथा जो
बघ स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० ओ० मद्रास (डाकुमेन्ट 3681/74) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० दवारधनान । (अन्तरक)

2. श्री एम० कलियवेरुमाल; एम० कार्तिकेसन; और
वासु (मैनर) (घाडियन मीनाशीमुन्दरम) ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

कुम्बकोनम; टी० एस० आर० बिघ स्ट्रीट डोर सं० 20,
136 और 137 में आधा भाग में 1/3 भाग ।

जी० वी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 3240/74-75—यतः मुझे, जी० बी०

शाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20, 136 और 137 है तथा जो टी० एस० आर० बिघ स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मद्रास (डाकुमेन्ट नं० 3682/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17—176GI/75

1. श्री के० अशोक । (अन्तरक)

2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेयन; श्रीर. वासु (मैनेर) (घाडियन मीनाजीसुन्दरम) । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अ. सूची

कुम्बकोनम, टी० एस० आर० बिघ स्ट्रीट, डोर सं० 20, 136, 137 में आधा भाग में 1/3 भाग ।

जी० बी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एस० श्रीनिवासन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन और वासु
(मैनर) (गाडियन मीनाक्षीसुन्दरम) ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 3240/74-75--प्रतः मुझे, जी० वी०

भाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 20, 136, 137 टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोनम में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मद्रास (डाकुमेन्ट 3683/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुम्बकोनम टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट, डोर सं० 20, 136 और 137 में आधा भाग में चौथा भाग है ।

जी० वी० भाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० 3240/74-75—यतः मुझे, जी० बी०

साबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 20, 136, 137 टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट, है तथा जो
कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
आर० ओ० मद्रास (डाकुमेन्ट 3684/74) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एस० बद्रि नारायणन । (अन्तरक)

2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन और वासु
(माईनर) (गाडियन मीनाक्षीसुन्दरम)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट डोर सं० 20, 136
और 137 में आधा भाग में चौथा भाग है ।

जी० बी० साबक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री एस० लक्ष्मीनारायणन । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० कलियप्पेरुमाल; एम० कार्तिकेसन और नामु
(मार्इनर) (गाडियन मीनाक्षीमुन्दरम) ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश सं० 3240/74-75—यतः मुझे, जी० वी० शाबक
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक
और जिसकी सं० 20, 136 और 137 टी० एस० आर० बिग
स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मद्रास (शकुमेन्ट 3685/74)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए
सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट, डोर सं० 20, 136
और 137 में आधा भाग में चौथा भाग है ।

जी० वी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 18 जुलाई 1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० सत्यनारायणन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० 3240/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० आबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 20, 136 और 137, टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 3686) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त 'अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री एम० कलियमेरुमाल ; एम० कार्तिकेसन और बासु (माईनर) (गार्डियन मीनाक्षीसुन्दरम)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट में डोर सं० 20, 136, और 137 में आधा भाग में चौथा भाग है।

जी० वी० आबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 18 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 1445/74-75:—यतः, मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 78, जेनरल पेटर्स रोड है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 4139/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रा, श्री डी० तिरुमल रेडियार,

(अन्तरक)

(2) 1. सजिव ट्रस्ट;

2. विनोद ट्रस्ट;

3. विनोद, सजिव और विनिता ट्रस्ट; (अन्तरिती)

4. विनिता ट्रस्ट; और

5. श्रीमती सिसि तिमोति।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, जेनरल पेटर्स रोड, डोर सं० 78 में 1½ ग्राउण्ड की खाली भूमि जिसकी आर० एस० सं० 375/128 है।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18 जुलाई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

() श्री डी० तिरुमलै रेड्डि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० 1467/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० साबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 77 जेनरल पेटर्स रोड है तथा जो मद्रास में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 4140/
74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 29-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (2) 1. सजिव ट्रस्ट;
2. विनोद ट्रस्ट;
3. विनोद, सजिव और विनिता ट्रस्ट;
4. विनिता ट्रस्ट; और
5. श्रीमति सिसि तिमोति । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

मद्रास, जेनरल पेटर्स रोड, डोर सं० 77 में 4 ग्राउन्ड और
577 स्क्वायर फीट की खाली भूमि जिसकी आर० एस० सं०
375/27 है।

जी० वी० साबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 2332/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० आबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 69 और 157/बी-3 है तथा जो मार्च नायनक पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनमलै (डाकुमेन्ट सं० 1166/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० कुमारसामि गौण्डर (अन्तरक)

(2) श्री के० एन० अब्दुल मजिद ;
के० एम० अब्दुल अजीज ;
के० एम० अब्दुल हकिम ;
के० एम० बशीर ;
शाजखान और एम० सिराजुद्दीन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पोल्साचि तालुक, मार्चनायकन पालयम में 5-25 एकड़ की भूमि, मकान ; मेगिनरी आदि जिसकी सर्वे सं० 169 और 157/बी-3 है ।

जी० वी० आबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10 जुलाई, 1975
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2335/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० साबक,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 102 और 102/1 चिक्कदसम है तथा जो पालयम (मेट्टुपालयम टाउन) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 4458/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:
18—176 GI/75

(1) श्री एम० राजगोपाल और युनाईटेड थियेटर्स (अन्तरक)

(2) 1. आर० के० शम्भुचम चेट्टियार ;

2. एन० सुब्रमनियम ;

3. एन० पलनिस्वामि ; और

4. एन० कार्तिकेयन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चिक्कदसमपालयम (मेट्टुपालयम टाउन) में 'सेन्टिल थियेटर'
जिसका डोर सं० 102 और 102/1 है ।

जी० वी० साबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2342/74-75:—यतः, मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 22 बी, 23बी, 53 और 54ए है तथा जो पुन्जै दुरैयम्पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोबिन्दट्टिपालयम (शकमन्ट सं० 3346) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० नरसिम्म राव ; नागराजन और हनुमन्त राव (अन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुन्जै दुरैयम्पालयम गांव में 3-48 2/3 एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22 बी; 23बी; 53 और 54ए है।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10 जुलाई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2342/74-75—यतः, मुझे जी० बी० झाबक,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22बी, 23 बी, 53 और 54ए है, तथा जो
पुन्जे दुरैयम्पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गोपिचन्द्रपालयम (आकुमेन्ट सं० 3347) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० नरसिम्म राव; नागराजन और हनुमन्त
राव (अन्तरक)

(2) श्रीमती जानकी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुन्जे दुरैयम्पालयम गांव में 3-48 ३/४ एकड़ की भूमि जिसकी
सर्वे सं० 22बी; 23बी; 53 और 54ए है।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 10-7-75
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ———

(1) श्री एस० नरसिम्म राव; नागराजन और हनुमन्त राव (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जानकी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 10 जुलाई, 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 2342/74-75—यतः मुझे, जी. वी. झावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 22 बी, 23बी, 53 और 54ए है तथा जो पुन्जै दुरैयम्पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोबिन्देन्द्रपालयम (डाकुमेन्ट सं० 3348) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

पुन्जै दुरैयम्पालयम गांव में 3-48 १/४ एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22 बी; 23बी, 53 और 54 ए है।

जी० वी० झावक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

तारीख 10-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती पी० जानकी (अन्तरक)

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

(2) बी० कालियन्त गौण्डर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

मद्रास, तारीख 10-7-75

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 2342/74-75—यतः मुझे जी० बी० शाबक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 224, है तथा जो अलकुलि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोबिन्देट्टिपालयम (डाकुमन्ट सं० 3250) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनुसूची

अलकुलि गांव में 3-14 ½ एकड़ की भूमि, जिसकी सर्वे सं० 224 है।

जी० बी० शाबक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II मद्रास

तारीख 10-7-1975

निदेश सं० 2342/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सर्वे सं० 224 है तथा जो अलुकुलि गांव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोबिन्देष्ट्रिपालयम (डाकुमेन्ट
सं० 3251) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पी० जानकी (अन्तरक)

(2) श्री इस्वरमूर्ती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अलुकुलि गांव में 3-14 ½ एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे
सं० 224 है।

जी० वी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सुन्दरम आयगार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० रायर पडयाचि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 3221/74-75—यतः मुझ, जी० बी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सर्वे सं० 22/2, 70 और 71 है तथा जो पार्वतिपुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुरिन्जिपाडि (डकु-मन्ट सं० 3116/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्वतिपुरम गांव में 22-38 एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22/2, 70 और 71 है।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निर्देश सं० 3221/74-75—यतः मुझे जी० बी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सर्वे सं० 22/2, 70 और 71 है तथा जो पार्वतिपुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुरिन्निपाडि (ठाकुमेन्ट सं० 3117/74 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, जब उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- | | |
|-----------------------------|------------|
| (1) श्री सुन्दरम आयंगर | (अन्तरक) |
| (2) श्रीमती तायनायधि अम्माल | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पार्वतिपुरम गांव में 22-38 एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22/2, 70 और 71 है ।

जी० बी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 10-7-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मरगतम, चिन्नयन आर अंगन (अन्तरक)

(2) राजू गौन्डर, भुतनायकम्पट्टी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं० XVI /13/1ए/74-75—यतः मुझे, जी०
वी० झाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 333, मुलुनायकम्पट्टी है, जो में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओमलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16
नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए:

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19—176GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मुलुनायकम्पट्टी एस० सं० 333 में 3 एका खेती का भूमि।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमती मरमतम. चिन्नमन और अंगमन (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती तंगम्माल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

भर्जन रैंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निर्देश सं० XVI/13/1बी/74-75—यतः मुझे, जी०
वी श्रावक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिस की सं० एस 333 और 329/6, मतुनायकम्पट्टी है,
जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओमलूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 16 नवम्बर 1974 को

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

मत्तुनायकम्पट्टी एस० सं० 333 और 329/6 में 2.75
एका खेती का भूमि

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' वा धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या
किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-अ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 10-7-1975 :
मोहर :

जी० वी० श्रावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रैंज-I, मद्रास

प्रकृष जाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं० XII/9/1/74-75—यतः, मुझे जी० बी०
आयकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, मद्रास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० है, जो अम्मनपुरम में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कुलम्बूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
दोष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन वर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मोहनन्द सानुदीन और आदी (अन्तरक)

(2) जेबवीरन, कीलपुतुकुडी अम्मनपुरम पोस्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अम्मनपुरम पोस्ट, कीलपुतुकुडी गांव एस० सं० 357/2,
356, 355/1, 357/1, 354/5, 354/3, 358/5 और 358
में 2.44 एकड़ खेती की भूमि।

जी० बी० आयकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० XII/9/2/74-75— यतः मुझे, जी० वी० सावक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कीलपुतुकुडी, अम्मनपुरम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुलम्बूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद सामसुद्दीन और आदी (अन्तरक)

(2) पाकतीयताय अम्माल, कीलपुतुकुडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अम्मनपुरम पोस्ट, कीलपुतुकुडी गांव एस० सं० 344, 347/2, 345/23 और 345/18 में 2.54 एकड़ खेती की भूमि।

जी० वी० सावक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री मोहमद सामसुदीन और आदी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अरुमनाथग नाडार, कीलपुतुकुडी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,—

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० XII/9/3/74-75—अतः, मुझे जी० वी० शाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० कीलपुतुकुडी, अम्मनपुरम पोस्ट है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुरुम्बूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अम्मनपुरम पोस्ट, कीलपुतुकुडी गांव एस० सं० 344, 360/5, 354/1 और 345/6 में 2.65 एकड़ खेती का भूमि।

जी० वी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेश सं० XVI/5/5/74-75—यल., मुझे जी० बी०

आवक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० आर० एस० सं० 333/2, है जो कुरुम्पट्टी गांव है जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामक्कल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

(1) श्री रामसामि, कुरुम्पट्टी (अन्तरक)

(2) श्री सेलवकुमार, तगायूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किने जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नामक्कल, कुरुम्पट्टी गांव आर० एस० सं० 333/2 में 8.51 एकड़ खेती का भूमि में आधा भाग।

जी० बी० आवक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री रामसामि, कुरुम्पट्टी

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोजैयन, तंगाबूर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आशेष --

निदेश सं० XVI/5/4/74-75—बलः, मुझे जी० बी०

ज्ञाबक

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० आर० एस० 333/2, है, जो कुरुम्पट्टी नामककल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामककल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नामककल, कुरुम्पट्टी गांव आर० एस० सं० 333/2 में 8.51 एकड़ खेती का भूमि में आधा भाग।

जी० बी० ज्ञाबक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

(1) श्रीमती सुलोचना मेनन 10, क्लब रोड, मद्रास-35
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक कुमार, मद्रास-16 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

मद्रास, दिनांक 15-7-1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० IX/7/95/74-75—यतः, मुझे जी० बी०
शाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 6/23, हारीटन एवेन्यू, है, जो मद्रास में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वेस्ट मद्रास में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अनुसूची

मद्रास हारीटन एवेन्यू डोर सं० 6/23 में 7200 स्क्वेयर
फुट का भूमि और मकान (आर० एस० सं० 353 (भाग)।

जी० बी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री एम० ए० शेकमीरान राजतर और आदि
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेश सं० XIX1/9/74-75—यतः, मुझे जी० वी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० एस० 482, 477/1 और 477/2, है, जो कोन्डानगरम/खरिसलकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—176 GI/75

(2) श्री एम० एस० अब्दुल कयुम खान, तिरुनेलवेली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोन्डानगरम/खरिसलकुलम एस सं० 482, 477/1, और 477/2 में 11.13 एकड़ खेती का भूमि।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं० XIX/1/10/74-75—यतः, मुझे जी० वी०

शाबक

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो कोन्डानगरम/करिसलकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती टी० पी० रोकैया बीबी और आदि (अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० गुलाम मोहम्मद राज्जर तिरुनेलवेली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कोन्डानगरम/करिसलकुलम एस सं० 481, 476/1, 487/1, 488/1, और 476/2 में 12.56 एकड़ खेती का भूमि ।

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० XIX /1/11/74-75---यतः, मुझे, जी० बी०
शाबक आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिस की सं० जो कोन्डानगरम/करिसलकुलम में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० पी० रोकैया बीबी और नबीश बीबी,
तिरुनेलवेली (अन्तरक)

(2) एन० एस० मोहम्मद ईब्रहिम राउतर, तिरुनेलवेली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोन्डानगरम/करिसलकुलम एस० सं० 489/1 '478,
476/2 और 483 में 17 एकड़ खेती की भूमि।

जी० बी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-A, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/831/75/76—

यतः, मुझे, चं० बि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-15 (पश्चिम भाग) है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दर्शन कौर बाबा पत्नी स्वर्गीय श्री ध्यान सिंह बाबा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, अपने लिए तथा (9) लोगों के लिए जनरल एटारनी (1) श्री मोहिन्द्र सिंह बाबा (2) श्री सुखबीर सिंह बाबा (3) श्री जसवन्त सिंह बाबा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री ध्यान सिंह

बाबा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (4) श्रीमती तेज प्रकाश कौर रेखी, पत्नी श्री अमरिक्त सिंह रेखी, निवासी ए-18, जंगपुरा एकस्टेंशन, नई दिल्ली (5) श्रीमती तजीन्द्र कौर वधवा, पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह वधवा, जोकि वधवा स्पॉस, गाजियाबाद (यू० पी०) के हैं (6) श्रीमती जसपिन्द्र कौर, पत्नी श्री दविन्द्र सिंह कक्कर, गली नं० 4, पहाड़गंज, नई दिल्ली (7) एस० गुरदीप सिंह बाबा, सुपुत्र श्री ध्यान सिंह बाबा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (8) श्रीमती हरमिन्द्र कौर, पत्नी श्री सुरजीत सिंह, 230 थिस्टल डराईव, सिलवर स्परिंग, एम० डी०, यू० एस० ए० (9) डा० उज्जागर सिंह बाबा सुपुत्र एल० एस० ध्यान सिंह बाबा, निवासी सानी हार्डिस, बलूमसबर्ग, पी० ए० 17815 यू० एस० ए० (अन्तरक)

2. श्री श्रीराम गुलाटी, सुपुत्र श्री लादा राम गुलाटी, मकान नं० 13, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली लेकिन अब बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पश्चिम भाग का क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है तथा जोकि एक मंजिला जायदाद पर है जिसका नं० बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं में स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 16

पश्चिम : प्लाट नं० 14-ए

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क

चं० बि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 मई, 1975

मोहर:

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-20, the 2nd July 1975

No. EST-I-2(207).—Shri S. S. Aggarwal, Director (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from Service with effect from 31-5-1975 (A.N.) on attaining the age of Superannuation.

R. P. KAPOOR,
Textile Commissioner.

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 21st June 1975

No. A19011(126)/75-Estt.A.—On his promotion to Grade III of the I.S.S. in the Directorate General of Employment and Training, (Ministry of Labour) as Statistical Officer, Shri D. Siva Prasad, Grade IV I.S.S. officer and Assistant Mineral Economist of this department has relinquished the charge of the post of Assistant Mineral Economist with effect from the afternoon of 21st June, 1975.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Adm. Officer
for Controller.

**DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
New Delhi-1, the 20th June 1975**

No. A-1/1(1023).—Shri D. P. Gaur, Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi has been reverted to the non-

gazetted post of Junior Field Officer with effect from the forenoon of 5th June, 1975.

The 27th June 1975

No. A-17011/90/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Sukumar Som, Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the D.S. & D. Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle w.e.f. the forenoon of the 22-5-75 until further orders.

Shri Som relinquished the charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the D.S.&D. Calcutta on the forenoon of 13-5-75 and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle on 22-5-75 (F.N.).

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

**ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM**

Calcutta-13, the 9th June 1975

No. 4-88/73/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. (Smt.) D. Danda to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at Central India Station, of this Survey at Nagpur, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 30th May, 1975, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 25th June 1975

No. A-31014/4/74-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints the following officers in the Grade of Audience Research Officer, All India Radio in a substantive capacity with effect from the date indicated against each :—

S. No.	Name	Present position	Post against which made substantive	Date of substantive appointment
(1)	Shri J. P. Gupta	A.R.O. AIR Lucknow	All India Radio, Calcutta	20-5-72
(2)	Shri S. B. Hiwaralo	A.R.O. AIR Bombay	All India Radio, Jaipur	20-5-72
(3)	Shri B. R. Chalapathi Rao	A.R.O. AIR, TV Centre, New Delhi	All India Radio, Hyderabad	23-5-74
(4)	Shri Baldeb Mishra	A.R.O. AIR, Cuttack	All India Radio, Trivandrum	23-5-74
(5)	Shri S. C. Agarwal	A.R.O. AIR, Ahmedabad	Television Centre, AIR, New Delhi	23-5-74
(6)	Shri B. S. S. Rao	A.R.O. AIR, Hyderabad	All India Radio, Bombay	23-5-74

2. Their confirmation is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to service under a Public Corporation, if formed, and that on such transfer, they will be liable to the conditions of service to be laid down for the employees of that Corporation.

The 26th June 1975

No. 4(90)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. P. Shastri as Programme Executive, All India Radio, Udaipur in a temporary capacity with effect from the 4th June, 1975 and until further orders.

No. 5(54)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Satyendra Kumar Bose as Programme Executive, All India Radio, Bikaner in a temporary capacity with effect from the 6th June, 1975 and until further orders.

The 3rd July 1975

No. 5(75)/61-SI.—On attaining the age of superannuation Shri A. H. Burq, Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar retired from service with effect from the afternoon of the 30th April, 1975.

2. This Directorate's Notification No. 5(75)/61-SI, dated the 28th April, 1975 is hereby cancelled.

The 4th July, 1975

No. 4(3) 73-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following ad hoc Programme Executives, All India Radio, on a regular basis with effect from the date shown against each :

Sl. No.	Name	Station/Office where working	Date of regular appointment.
1.	Shri R. K. Sinha	TV Centre, New Delhi.	1-4-1975
2.	Smt. Urbashi Joshi	Cuttack	8-4-1975
3.	Kum. Manjula Bhatnagar	External Services Division, New Delhi.	29-3-1975
4.	Shri G. S. Sharma	Varanasi	31-3-1975
5.	Shri B. K. Sarkar	Hyderabad	29-3-1975
6.	Shri M. K. Singh	Imphal	1-4-1975
7.	Shri H. C. Sharma	Raipur	2-4-1975
8.	Smt. Indubai Ramesh	New Delhi	28-4-1975

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 26th June 1975

No. 12/9/(i)/74-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Abdul Aziz Ansari, Senior Research Assistant, in the Office of the Chief Scientist, Dry Land Agriculture Project, College of Agriculture, Indore, as Farm Radio Officer in All India Radio, Gwalior with effect from the 24th May, 1975 (F.N.) in a temporary capacity until further orders.

HARJIT SINGH,
Dy. Director Administration,
for Director General.

New Delhi, the 25th June 1975

No. 2/9/74-SIII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Moti Ram in the Cadre of Assistant Engineer in an officiating Capacity at the All India Radio station at Gwalior with effect from 9th June, 1975 (Forenoon).

The 27th June 1975

No. 2/4/74-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following Senior Engineering Assistants to officiate in the Grade of Assistant Engineers with effect from the date mentioned against each at the stations/Offices of All India Radio as shown against their names, until further orders :—

S. No., Name Place of posting and Date of Appointment.
1. S/Shri S. N. Agashe, SEA AIR, Sangli—HPT, AIR, Malad—20-3-75 (FN).

2. G. Subramanian, SEA, HPT AIR, Avadi, Madras—All India Radio, Raipur—9-6-75 (FN).

In partial modification of this Directorate's Notification No. 2/6/73-SIII dated 19-9-74 appointing *Ad hoc* Assistant Engineers to officiate in the Grade of Assistant Engineers on regular basis with effect from 27th February, 1974, the name of Shri S. K. Sharma appearing at Sl. No. 38 is hereby deleted from the said notification.

P. K. SINHA,
Dy. Director of Administration,
for Director General.

(PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 21st July 1975

A-19015/3/72-D(S).—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 30-11-74 (A.N.), Shri Hariharan relinquished charge of Chief Draftsman, Planning and Development Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.

T. R. SABHARWAL,
Dy. Development Officer (Admn.)

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-1, the 24th June 1975

No. A-12023/2/74-CWI.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri C. S. Balasubramanian, as Assistant Engineer (Civil), in the Civil Construction Wing, All India Radio, with effect from 20-3-75 (F.N.) and to post him as Assistant Engineer (Civil) in the Sub-Divisional Office at Bombay, under the Divisional Office (Civil), Bombay until further orders.

K. G. KRISHNAMURTHY,
Engineer Officer to C.E. (Civil)
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 25th June 1975

No. 2/250/56-Est.I.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri N. S. Shami, officiating Senior Accountant to officiate as Accounts Officer in this Directorate on a purely *ad hoc* basis with effect from the 31st May, 1975 until further orders.

The 26th June 1975

No. A.19012/1/75-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity appoints Shri S. R. Pushkar to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit of this Directorate at Simla with effect from 14th April, 1975 (Forenoon) until further orders.

R. L. JAIN,
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 18th June 1975

No. 38-1/75-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. Ashok Kumar relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (GDO Grade II) in the Rural Health Training Centre, Najafgarh (DELHI) on an *ad hoc* basis on the afternoon of the 21st May, 1975, and assumed charge of the post of Assistant Airport Health Officer (GDO Grade II) in the Airport Health Organisation, Delhi Airport, Palam, on the forenoon of the 22nd May, 1975, on an *ad hoc* basis.

(CHS. II SECTION)

The 26th June 1975

No. 2-38/75-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. J. C. Asthana relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 14th May, 1975.

The 30th June 1975

No. 48-1275-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. R. Ravi as Junior Medical Officer in the JIPMER, Pondicherry with effect from the forenoon of the 17th March, 1975 on an *ad hoc* basis until further orders.

R. N. TEWARI,
Dy. Director Administration (CHS).

New Delhi, the 1st July 1975

No. 40-36/75-D.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Shri U. V. Kamat from the post of Junior Scientific Officer (Pharmacology) in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad on the afternoon of the 6th June, 1975.

S. S. GOTHOSKAR,
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 25th June 1975

No. 17-5/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Sharma in a substantive capacity to the permanent post of Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the 30th June, 1972.

The 2nd July 1975

No. 10-8/72-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. C. Guha in a substantive capacity to the permanent post of Senior Analyst at the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the 6th November, 1971.

S. P. JINDAL,
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
Nagpur, the 24th June 1975

No. F.3(44)/9/72-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Finance Department (Central Revenues) Customs Notification No. 12 dated the 9th June, 1945 and Customs Notification No. 1 Camp dated 5th January, 1946 and Government of India, Ministry of Finance (Revenue Division) Customs Notification No. 6 dated 5th February, 1949 and the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 64 dated 17th June, 1961, I hereby authorise Shri Hari Prasad, Assistant Marketing Officer to issue Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of tobacco which has been graded in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 (as amended) and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

N. K. MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser.
to the Govt. of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
Bombay-400 085, the 27th June 1975

No. 5/1/75/Estt.V/414.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Dattatray Shankar Ingle, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period 28-4-75 to 16-6-75.

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment Officer.

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 10th June 1975

No. PA/81(28)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Nand Lal Wadhvani, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(32)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders :

1. Shri Biswunath Dasmajumdar.
2. Shri Ratilal Joitaram Patel.

No. PA/81(57)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Krishna Nanda Naik, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(32)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Chenchierathu Vasudeva Panicker Gopalakrishnan Nair, a permanent Scientific Assistant (A) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(95)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dinesh Digambar Panse, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(32)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoint Shri Karlapudi Venkata Bhavanilvara Prasad, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre (presently working in VEC Project) as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 11th June 1975

No. PA/81(30)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned permanent Scientific Assistants (B) and officiating Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders :

1. Shri Eledeth Gopinathan.
2. Shri Ellikkal Kunjunny Viswanathan.

The 12th June 1975

No. PA/81(54)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vinayak Gangadhar Bapat, temporary Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(54)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Shankar Shrikrishna Shahane, temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 12th June 1975

No. DPS/A/32011/2/75/Est.—In continuation of this Directorate notification No. DPS/A/35011/1/73/Est dated February 1, 1975, Director, Purchase and Stores appoints Shri V. R. Natarajan, a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, on deputation to this Directorate, as a temporary Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period from March 1, 1975 to May 31, 1975.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

Bombay-400001, the 30th May 1975

No. DPS/A/3201/2/73/Estt.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Nelluvai Harihar Aiyar Krishnan, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Directorate for the following periods :—

- (i) from 25-11-1974 to 27-2-1975 vice Shri V. K. Potdar, Asstt. Accounts Officer, deputed for training in Advance Management Course in ISTM, New Delhi.
- (ii) from 14-4-1975 to 13-6-1975 vice Shri V. K. Potdar, Asstt. Accounts Officer, granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Babubhai Mohanlal Ganatra (a permanent Assistant Accountant and officiating Accountant in Western Railway now on deputation to this Directorate in the same capacity) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Directorate for the following periods *vice* Shri G. L. Haldipur, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer II.

(i) 19-10-1974 to 18-1-1975.

(ii) 24-3-1975 to 7-6-1975.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Vasant Yeshwant Gokhale, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the period from 10-3-1975 to 12-5-1975 *vice* Maj. K. J. Philipose, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Storekeeper of his Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the period from 16-12-1974 (FN) to 7-2-1975 (AN) *vice* Shri A. R. Tondwalkar, Asstt. Stores Officer granted leave.

The 31st May 1975

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri Govindaraja Srinivasan, a temporary Technical Inspector of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the period from 29-3-1975 (FN) to 23-5-1975 (AN) *vice* Shri P. John Jacob, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri S. R. Vaidya, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the same Directorate for the period from 28-4-1975 to 14-6-1975 *vice* Shri M. K. John, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri B. Laxman Rao, a permanent Assistant Storekeeper and officiating Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the same Dtc. for the period from 28-4-1975 to 14-6-1975 *vice* Shri G. N. Nair, Asstt. Stores Officer, granted leave.

B. G. KULKARNI
for Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 23rd June 1975

No. NFC/Adm/2213/(2)/825.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, in an officiating capacity, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from July 1, 1975 to February 29, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

S. P. MHATRE
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay-401504, the 19th June 1975

No. TAPS/ADM/947.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad-hoc appointment of Shri Y. R. Velankar as Assistant Accounts Officer for the period from 21-6-1975 to 30-8-1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN
Chief Administrative Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 20th June 1975

No. NAPP/2(3)/74-Adm.—On his transfer from Civil Engineering Group, Kalpakkam to Narora Atomic Power Project, Shri P. P. Sharma, a temporary Scientific Officer/Engineer-Grade SB relinquished charge of his post in Civil Engineering Group, Kalpakkam on the afternoon of August 31, 1974 and assumed charge of the same grade in NAPP on the forenoon of September 14, 1974.

2. Shri P. P. Sharma shall continue to hold of his post in grade SB in NAPP until further orders.

R. J. BHATIA
General Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th June 1975

No. A. 32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Communication Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Communication Officers in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against their names :—

Sl. No.	Name	Date from which appointed	Station to which posted
1.	Shri M. K. Kurien	31-1-1975 (FN)	A.C.S., Bombay
2.	Shri N. S. Pillai	3-1-1975 (FN)	A.C.S., Bhubaneswar

2. This Office Notification No. A 32014/2/74-EC dated the 29th May, 1975, may please be treated as cancelled.

The 27th June 1975

No. A.32013/8/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Govindaswamy, Assistant Director (Communication) in the Civil Aviation Department, New Delhi (Headquarters) to officiate as Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi, with effect from the 31st March, 1975 (Afternoon) purely on ad hoc basis until further orders.

The 4th July 1975

No. A.32014/375-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. V. Natarajan, Communication Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to officiate as Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay w.e.f. the 10-5-1975 (FN) on purely on ad-hoc basis *vice* Shri P. I. David, Assistant Communication Officer granted leave.

H. L. KOHLI,
Director of Administration,
Dy. Director of Administration,

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 28th June 1975

No. 16/115/67-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to confirm Shri Madan Mohan Singh in the permanent post of Assistant Mensuration Officer, at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from 19th January, 1972.

The 5th July 1975

No. 16/204/72-Ests-I.—The services of Shi S. R. Majumdar, Accounts Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun are replaced at the disposal of the Controller of Defence Account (Air Force) with effect from the afternoon of 31-5-75 on expiry of the term of his deputation.

PREM KAPUR,
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Calcutta, the 20th June 1975

No. 33.—On promotion to the grade of Superintendent of Central Excise Class II Sri Satya Ranjan Mukherjee, assumed charge in Chandernagore Central Excise Division on 26-5-75 F.N.

No. 34.—On transfer from Mathabhangha Range under Jalpaiguri Central Excise Division Sri S. N. Bhattacharjee, Superintendent of Central Excise Class-II assumed charge in West Bengal Collectorate Hdqrs. office on 16-5-75 F.N.

On 35.—On transfer from Collectorate Hdqrs. office, West Bengal Sri Sibram Gon, Superintendent of Central Excise Class II took over charge of special squad in Chandernagore Central Excise Division on 24-5-75 F.N. relieving Sri M. N. Mukherjee, Superintendent of Central Excise Class—II of the additional charge.

N. N. ROY CHOUDHURY,
Collector.

Patna, the 26th June 1975

Regd. C. No. II(7) 5-ET/75/—In pursuance of this Office Estt. Order No 156/75 dated 22-4-75 issued under endt. C. No. II (343)-Et/73/Loose/19346-61 dated 23-4-75, appointing S/Shri C. S. Chakravarty and Bharat Singh, Inspectors (S. G.) of Central Excise to officiate provisionally as Superintendent of Central Excise Class-II in the time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, they have assumed charge as Superintendent Central Excise Class-II at place and with effect from dates and hour indicated against each.

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri C. S. Chakravarty	Supdt. (Prev), Central Excise, Gaya.	19-5-1975 (F. N.)
2.	Shri Bharat Singh	Supdt., Central Excise, Mahnar Range.	14-5-1975 (F. N.)

H. N. SAHU
Collector of Central Excise

Madurai, the 2nd July 1975

No. 1/75—The following Inspectors of Central Excise (SG) Madurai Collectorate are appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Class II in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-21—176GI/75

1200. They have assumed charge as Superintendents on the dates noted against each:—

S. No.	Name of Officer	Place of posting	Date of assumption
1.	Shri G. Ponnuswamy..	Supdt. of C.E. Cl. II Trichy M.O.R.A.	23-3-75
2.	Shri R. Krishnamurthy	Do. Ngt.	27-3-75
3.	Shri S. Ahmamed Hussian ..	Do. Hdqrs Office Madurai	26-3-75
4.	Shri S. K. Balasivasubramaniayam ..	Do. Thiruthurai-pundi	23-4-75
5.	Shri K. Thiruvadinathan ..	Do. Hdqrs. Office, Madurai	16-5-75
6.	Shri A. Syed Mohamed Ali	Do. Mortuticorin	28-5-75
7.	Shri S. A. Mohamed	Do. Sathur M. O. R. II	29-5-75
8.	Shri Murugandy ..	Do. Nagercoil M.O.R.	31-5-75
9.	Shri Kalingaraj ..	Do. Hdqrs Office, Madurai	31-5-75
10.	Shri G. Subramanian..	Do. P. G. Sivakasi	6-6-75
11.	Shri S. Kaliaperumal ..	Do. M.O.R. III	12-6-75

M. S. SUBRAMANYAM
Collector of Central Excise,
Madurai

Bombay-400038, the May 1975

CUSTOMS

No. 4.—On attaining the age of superannuation, Shri C. D'Cruz, Preventive Inspector of the Bombay Custom House retired from service with effect from the afternoon of 28th February, 1975.

No. 5.—On attaining the age of superannuation, Shri M. N. Butani, Preventive Inspector of the Bombay Custom House retired from service with effect from the afternoon of 31-1-75.

B. B. GUJRAL,
Collector of Customs,
Bombay.

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 4th July 1975

S. No. 15.—On his reinstatement ordered vide Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Order F. No. C-17012/1/75-Ad.II dated the 28th May 1975, Shri D. D. Sharma, who was compulsorily retired from Government service vide the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Order F. No. C-16012/6/72-Ad.II dated the 20th May 1974, took over charge as Intelligence Officer, Narcotics Intelligence Bureau, Narcotics Commissioner's Office, Gwalior with effect from 29th May 1975 (forenoon) vice a vacancy.

S. No. 16.—Shri Amrik Singh a permanent Assistant Chief Accounts Officer, working as Sales Officer, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Export Cell, New Delhi against the post of Administrative Officer, took

over charge as Superintendent (Executive) against the vacant post sanctioned for Narcotics Commissioner's Office, Gwalior with effect from 31st May 1975 (afternoon). The Headquarter of Shri Amrik Singh shall continue to be at New Delhi under S.R. 59.

S. No. 17.—Shri R. P. Tyagi, an officiating Assistant Chief Accounts Officer posted as Deputy Financial Adviser and Assistant Chief Accounts Officer, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Neemuch, took over charge as Administrative Officer with effect from 15th June 1975, in the same undertaking against the post vacated by Shri Amrik Singh.

S. No. 18.—On his appointment as Assistant Chief Accounts Officer, Shri B. S. Dard, Superintendent (Ministerial) took over charge as Deputy Financial Advisor and Assistant Chief Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th June 1975 (forenoon) in the Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Neemuch.

S. No. 19.—On his appointment as Administrative Officer, Shri Rajni Kant Srivastava, Deputy Superintendent (Ministerial) took over charge as Administrative Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the forenoon of 31st May 1975, in the office of the Deputy Narcotics Commissioner, Ghazipur, relieving Shri S. K. Ram, of the additional charge.

A. SHANKER,
Narcotics Commissioner of India.

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 24th June 1975

No. 27-EE/B(2)/69-F.CI.—Shri K. N. Bhar, Executive Engineer (Electrical) on deputation to the Government of Iraq on foreign service and previously attached to Air Conditioning Division No. IV, C.P.W.D. New Delhi, expired on 16th April, 1975.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-628004, the 16th June 1975

No. A.22013/1-75/Admn/D.2945.—The Chief Engineer & Administrator, Port of New Tuticorin is pleased to appoint S/Shri M. Nagu, Draftsman Grade I and D. J. Masillamani, Junior Engineer (Civil) in the Port of New Tuticorin, on promotion, as Assistant Engineers (Civil) in the Port on the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th June 1975 and in the forenoon of the 30th May, 1975 respectively and until further orders.

D. I. PAUL,
Chief Engineer & Administrator.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 30th June 1975

No. A-19312/513/74-Adm.7.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri G. Raghu Nadh, Supervisor to officiate as an Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis. He will be entitled to draw his pay in the scale of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) viz. Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28th October, 1974 until further orders.

Shri G. Raghu Nadh took over charge of the Office of Assistant Engineer Central Flood Forecasting Circle, C.W.P.C., Gauhati in the Central Water and Power

Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON, Under Secy.

New Delhi, the 25th June 1975

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated 10-2-75 and 25-3-75, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Research Assistants (Engineering), to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period with effect from 1-4-75 to 30-6-75:—

1. Shri Ch. Bhujanga Rao.
2. Shri K. A. Ismail.
3. Shri D. M. Khambete.
4. Shri A. G. Phansalkar.
5. Shri K. N. Appukuttan.
6. Shri S. N. Mone.
7. Shri M. S. Shitole.
8. Shri S. Guha.

K. P. B. MENON
Under Secy.
for Chairman, C. W. Commission.

INTEGRAL COACH FACTORY
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
Madras-38, the 26th June 1975

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri A. Balkrishnan, Officiating Chief Mechanical Engineer (SA) has been posted to look after the duties of the post of General Manager/I.C.F. in addition to his own during the period from 4-5-75 to 18-6-75 *vice* Sri J. Matthan, granted L.A.P. for the above period.

Sri N. H. Krishna, Officiating Assistant Works Manager/Manufacturing/Furnishing (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Works Manager/Manufacturing/Shell (S.S.) on ad hoc basis with effect from 7.5.1975.

Sri R. Sivaraman, Shop Superintendent/Shop-80 has been promoted to officiate in Class II as Offg. Assistant Works Manager/Manufacturing/Furnishing (Class II) on ad hoc basis from 7-5-75.

Sri V. Dilli Baboo, Officiating Welfare Officer (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Senior Personnel Officer/Furnishing (S.S.) on ad hoc basis with effect from 12-5-1975.

Sri R. Rajagopalan Chief Draftsman (class-III) has been promoted to Officiate as Assistant Engineer/Construction (Class II) with effect from 12-5-1975.

Sri S. K. Datta, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/ Planning (J.A.) has been relieved from this Administration on 26-5-1975 A.N. to carry out his transfer to Northern Railway.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Naharkatia Brick Works Ltd.
Shillong, the July 1975

No. 1208/560/1086.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Naharkatia Brick Works Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Commercial Transport Limited
Calcutta, the 28th June 1975*

No. 8895/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Commercial Transport Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
National Development Corporation Limited,
Calcutta, the 28th June 1975*

No. 8876/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the National Development Corporation Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIRCAR,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Galaxy Products Private Limited,
Delhi, the 27th June 1975*

No. 2109/7914.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Galaxy Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. JAIN,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Oberoi Hotels (International) Private Limited,
Delhi, the 7th July 1975*

No. 6078/8087.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Oberoi Hotels International Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

MRS. C. KAPOOR,
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Chenthamara Chits Private Limited.*

Madras-34, the 28th June 1975.

No. DN/5661/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Chenthamara Chits Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,
Asstt. Registrar of Companies,
Tamil Nadu.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. General Finance Private Limited.*

Jullundur, the 1st July 1975

No. STAT/560/2228/4717.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. General Finance (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. WReato Laboratories Ltd. (In Liqn.)
Jullundur, the 1st July 1975*

No. G/Stat/1320/4712.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. WReato Laboratories Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh, Link Road,
Model Town, Jullundur.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE & INSURANCE)
INCOME -TAX DEPARTMENT

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and the other particulars of the assessee who have been assessed under the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957) on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 42A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assesses aforesaid are hereby published as under :—

Names and other particulars of all the assessee who have been assessed to net wealth over Rs. 10 lakhs during the Financial year 1973-74.

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Wealth returned	Tax payable by the assessee
		Asst. year	Wealth assessed	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5
			Rs.	Rs.
1.	Mrs. Heera D. Vatcha, 4/2, Palace Road, Bangalore.	Indl.	13,11,274	24,338
		73-74	13,11,300	24,339
2.	Smt. M. A. Vengadammal, No. 20, Srinivasam, 9th cross, Malleshwaram, Bangalore-3	Indl.	11,90,573	17,202
		73-74	11,94,610	17,202

1	2	3	4	5
3.	Sri A. S. Lakshman, No. 14, Nethaji Road, Bangalore.	Indl. 73-74	11,68,500 11,68,500	20,065 20,065
4.	Sri Hajee Abdulla Sait, No. 3, Hospital Road, B'lore	Indl. 69-70 Indl. 70-71 Indl. 71-72 Indl. 72-73	— 11,24,000 — 10,96,000 — 11,45,000 — 11,30,000	11,281 — 9,700 — 42,098 — 42,600 —
5.	Sri V. S. Natarajan, C/o Standard Bricks & Tiles Co., Yelahanka, B'lore.	Indl. 67-68 Indl. 68-69 Indl. 69-70 Indl. 70-71 Indl. 71-72	13,80,523 14,11,669 15,58,761 15,88,757 17,11,372 17,20,018 14,82,746 16,08,920 14,26,889 15,36,870	14,642 14,642 18,231 18,241 24,334 24,334 21,749 21,749 36,218 36,218
6.	Sri T. S. Shivabasavaswamy, Banker, Mamballi, Yalandur Taluk, Mysore Dist.	HUF 73-74	13,41,737 14,24,200	27,726 27,726
7.	Smt. Tripurasundarammani Trust, The Palace, Mysore.	Indl. 72-73	12,60,300 12,60,300	22,143 22,143
8.	Sri K. B. Ramachandraraja Urs, Leela Vihar, Jayalakshampuram, Mysore.	HUF 69-70	14,08,272 13,92,205	21,064 21,064
9.	Sri Sardar K. Basavaraja Urs, Leela Vihar, Jayalakshampuram, Mysore.	HUF 69-70	10,28,208 10,28,208	14,432 14,432
10.	Sri J. G. L. Moorris, By Agent D'Souza & D' Silva, Cubbon Road B'lore	Indl. 73-74	25,75,890 25,75,890	58,036 58,036
11.	Sri D. Shivappa Bettageri Estate, Suntikoppa Coorg	HUF 69-70 HUF 70-71 HUF 71-72 HUF 72-73 HUF 73-74	12,82,951 15,85,953 12,43,367 12,75,400 14,85,091 17,83,500 15,59,100 17,00,200 17,57,700 77,24,900	21,149 21,149 33,760 33,760 39,340 39,340 46,016 46,016 47,992 47,992
12.	Late Sri D. V. Dasappa Belagunda Estate, Somwarpet, Coorg Dist.	HUF 70-71 HUF 71-72	5,89,055 11,04,700 8,91,776 12,75,453	9,118 9,118 19,765 19,765
13.	Sri George Finlayson, "Dunkeld", Whitefield, Bangalore.	Indl. 73-74	13,36,953 12,91,964	23,759 23,759
14.	Dr. K. C. Medappa, Lakkund Estate, Kutta, Coorg.	Indl. 73-74	8,40,692 10,67,500	16,725 16,725

1	2	3	4	5
15.	Sri C. P. Appanna, Chettalli Estate, Chettalli Coorg.	HUF 73·74	10,05,788 10,29,100	15,873 15,873
16.	Dr. James Rodrigues, Hanchibetta Estate, Pollibetta, Coorg.	Indl. 73·74	13,29,700 14,56,700	28,701 28,701
17.	Sri A. C. Shive Gowda, Coffee Planter, Chandragiri Estate, Chickmagalur District	HUF 73·74	13,63,252 13,60,300	25,809 25,809
18.	Sri S. N. Srinivas, Coffee Planter, Fort, Chickmagalur.	HUF 70·71	7,67,078 10,70,000	6,675 6,675
19.	Sri M. C. Vijayendra, Coffee Planter, Kannagere & Nandibetta Estates, B. Hosahalli Post, Mudigere Taluk, Chickmagalur Dist.	HUF 71·72 HUF 73·74	5,65,527 10,03,800 9,23,750 10,00,500	13,114 13,114 13,015 15,015
20.	Sri M. J. Rodrigues, Elitza Estate, Pollibetta, Coorg.	Indl. 73·74	13,60,200 14,56,300	28,689 28,689
21.	Sri T. R. Devappa Hegde, Coffee Planter, Shankarakodige Estate, Balehonnur Post, Chickmagalur District.	HUF 70·71	6,91,200 10,92,800	8,604 8,604
22.	Sri H. A. Moganna Gowda, Coffee Planter, Kanachur Estate, Devavunda Post, Moodigere Taluk, Chickmagalur District.	HUF 70·71	8,19,958 10,15,400	6,885 6,885
23.	Smt. U. K. Puttamma, C/o Sri M. D. Balakrishna, Coffee Planter, Koppa, Chickmagalur District.	Indl. 73·74	6,90,664 10,40,200	16,206 16,206
24.	Sri H. Revenappa & Bros., Narasimharajapura, Chickmagalur District.	HUF 70·71	14,27,729 13,87,700	16,178 16,052
25.	Sri Dharamchand, Prop: Sardarmal Multanmal, Chickmagalur.	HUF 70·71	5,15,789 15,11,000	19,275 19,275
26.	B. B. Shivappa, Coffee Planter, Kumbarahally, Sakaleshpur Taluk, Hassan District.	HUF 70·71 HUN 71·72 HUF 72·73	8,23,956 12,92,235 9,19,107 11,55,392 7,44,495 10,68,200	13,806 13,806 17,662 17,662 17,046 17,046
27.	Sri B. S. Mallikarjuna, Coffee Planter, Ballupet, Sakaleshpur Taluk, Hassan District.	Indl. 73·74	10,08,946 10,27,400	15,823 15,823
28.	Sri Agadi Laxminarayana Setty, Bangalore Road, Bellary.	HUF 69·70	12,06,692 12,12,100	11,802 11,967

In the above cases either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Wealth-tax has expired without an appeal having been presented or the first appeal if presented has been disposed of.

A. BALASUBRAMANIAN,
Commissioner of Wealth-tax,
Karnataka-I, Bangalore.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and the other particulars hereinafter specified relating to assessee:—

- (i) being Individuals or Hindu Undivided families who have been assessed on an income of more than Rs. 1 lakh ;
- (ii) being firms, Companies or other Association of Persons, who have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakhs; during the financial year 1974-75.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers conferred enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessee aforesaid are hereby published as under:—

SCHEDULE I

Individuals & H. U. Fs who have been assessed on an Income of over Rs. 1 lakh during the Financial year 1974-75

Sl. No.	Name and address of the assessee.	Status	Income returned	Taxpayable by the assessee
		Asst. year	Income assessed	Tax paid by the Assessee
1	2	3	4	5
			Rs.	Rs.
1.	Sri Ashok V. Chougule Marmagao.	Indl.	1,33,800	92,785
		74-75	1,35,770	92,785
2.	Sri. L. D. Chougule, Marmagao	HUF	3,39,410	3,02,040
		74-75	3,39,410	3,02,040
3.	Sri V. D. Chougule, Marmagao	HUF	1,57,320	1,32,426
		74-75	1,57,320	1,32,426
4.	Sri V. D. Chougule, Marmagao	Indl.	1,39,471	1,81,109
		74-75	2,29,983	1,81,109
5.	Sri Y. D. Chougule, Marmagao	HUF	2,71,390	2,33,228
		74-75	2,68,958	2,33,228
6.	Sri Y. D. Chougule, Marmagao	Indl.	1,29,110	88,465
		74-75	1,04,670	88,465
7.	Sri M. K. Dattaraj, Pr : Mrs. Krishna Flour Mills, O. T. Pet, B'lore	HUF	1,15,050	83,175
		74-75	1,15,610	82,685
8.	Sri R. S. Hanumantharaj, Maruthi Mansions, Davanagere.	Indl.	1,32,550	98,145
		74-75	1,42,590	98,145
9.	Sri G. M. Halappa, C/o G. Mahadevappa & Sons, Davanagere.	HUF	21,320	93,471
		74-75	1,26,210	93,471
10.	Smt. R. S. Janabai, Maruthi Mansions, Davanagere.	Indl.	1,08,630	69,571
		74-75	1,10,880	69,571
11.	Sri L. R. Jarkiholi, C/o M/s L. R. Jarkiholi, Gokak.	HUF	1,21,329	91,276
		74-75	1,29,107	79,022
12.	Smt. & Sri V. S. Joshi, Vasco	BOI	84,410	92,375
		74-75	1,39,567	92,275
13.	Sri N. T. Kapadia, Camp : Belgaum	Indl.	73,565	75,016
		74-75	1,16,540	65,320
14.	Sri P. B. Kore, Ankali, Chikodi Tq.	Indl.	1,04,070	46,552
		74-75	1,04,600	45,162
15.	Sri Moola Ramesh, St. Johns Road, Bangalore.	HUF	1,24,390	56,651
		73-74	1,00,890	56,651
16.	Sri B. D. Mirji, C/o Manickabag Engineers, Belgaum	Indl.	1,00,084	64,453
		74-75	1,08,970	59,886
17.	Sri Nagindas H. Thakkar, Vasco	Indl.	1,08,550	66,658
		74-75	1,08,020	66,658
		(Re-opened assessments)		
18.	Sri M. Padmanabha Setty, Prop: Gayathri Flour Mills, O. T. Pct, Bangalore.	Indl.	1,17,360	54,310
		65-66	1,02,690	38,858
		Indl.	1,58,710	1,00,968
		68-69	1,58,710	93,677
		Indl.	2,21,410	1,47,364
		69-70	2,21,410	1,35,663
		Indl.	1,46,230	88,656
		70-71	1,44,130	7,465

1	2	3	4	5
19.	Dr. C. A. Phalnikar, C/o Mysore Kirloskar Ltd., Harihar.	Indl. 74-75	1,73,223 1,74,220	1,28,083 1,28,083
20.	Sri R. S. Ravindranath, Maruthi Mansions, Davanagere.	HUF 74-75	93,610 1,01,070	68,896 68,896
21.	Sri R. R. Srinivasamurthy, Maruthi Mansions, Davanagere.	HUF (Larger) 74-75	1,40,560 1,61,380	1,27,101 1,27,101
22.	Smt. Susheeladevi R. Mancy, Pr : M/s Srinivasa Flour Mills, O. T. Pet, Bangalore.	Indl. 73-74	73,460 1,01,320	61,207 61,207
23.	Sri S. V. Subramanian, C/o Metal Lamp Caps (I) (P) Ltd., Murphy Road, Ulsoor, Bangalore.	Indl. 72-73	1,55,536 1,56,090	1,19,423 86,696
24.	Sri S. A. Shetty, Nipani.	Indl. 74-75	1,03,570 1,07,600	66,380 42,693
25.	Sri Sunderlal Thakkar, Vasco.	Indl. 74-75	1,16,500 1,16,500	74,980 74,980
26.	Sri S. M. Tambake, Talikota.	HUF 72-73	1,69,262 1,47,960	1,03,923 92,892
27.	Sri S. S. Tambake Talikota.	HUF 72-73	1,63,325 1,42,030	98,468 87,446
28.	Sri Vijay V. Chougule, Marmgao.	Indl. 74-75	1,48,890 1,50,860	1,06,751 1,06,751
29.	Sri R. S. Viswanath, Maruthy Mansions, Davanagere.	Indl. 74-75	1,52,020 1,62,740	1,16,604 1,16,604

SCHEDULE II

Firms, Association of Persons and Companies who have been assessed on an income of over Rs. 10 lakhs during the financial year 1974-75

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status Asst. year	Income returned Income assessed	Tax payable by the assessee Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5
1.	M/s. Indian Telephone Inds. Doorvaninagar, Bangalore. 16.	(Re-Asst.) Com. 69-70	2,72,96,407 2,88,19,750	1,58,48,639 1,58,48,639
2.	M/s. Karnataka Small Inds., Corpn. Ltd. Industrial Estate, Rajajinagar, Bangalore.	Com. 74-75	2,93,007 29,30,070	16,92,105 16,92,105

In the above cases (Schedule I & II) either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000 was imposed during the financial year 1974-75 under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred under section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the aforesaid are hereby published as under :—

Particulars of cases in which Penalties were imposed during the Financial Year 1974-75.

Sl. No.	Name and address of assessee	Status Asst. year	Amount of penalty levied	Nature of penalty (Section under which the penalty was levied)
1	2	3	4	5
1.	Sri K. Balaram, C/o Gayathri Metal Works, Prakash Nagar, Bangalore.	Indl. 71-72	5,000	271 (1) (c)
2.	Sri K. S. Muthukali Chettiar, C/o Madras Metal Stores, Chickpet, Bangalore.	Indl. 70-71	40,140	271 (1) (c)
3.	Sri C. G. Padmarajaiah, Pr: M/s Mahaveer Trading Company, Chitradurga	Indl. 72-73	5,400	271 (1) (c)

In the above cases either the time for presenting a first appeal has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars of the assessees who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by section 42A of the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessees aforesaid are hereby published as under:—

Names and other particulars of all the assessees who have been assessed to net wealth over Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74.

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status Asst. yr.	Wealth-tax returned Wealth-tax Assessed	Tax payable by the assessee Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5
1.	Sri M. K. Dattaraj, Partner: M/s. Krishna Flour Mills, O. T. Pet, Bangalore.	HUF 1973-74	Rs. 11,81,800 11,78,100	Rs. 20,343 20,343
2.	Sri R. S. Hanumantharaju, Maruthi Mansion, Davanagere.	Indl. 1973-74	11,95,050 12,05,100	21,153 21,153
3.	Smt. R. S. Janabai, Maruthi Mansion, Davanagere	Indl. 1973-74	15,07,340 15,78,000	36,240 36,240
4.	Smt. Malathi Ramakrishna Rao Fort, Bangalore.	Indl. 1971-72 Indl. 1972-73 Indl. 1973-74	12,79,500 12,08,400 11,76,100 11,91,800 12,87,000 12,87,000	20,254 20,254 20,755 20,755 23,633 23,633

1	2	3	4	5
5.	Sri R. S. Ravindranath, Maruthi Mansion, Davanagere.	Indl. 1973-74	15,28,560 15,56,200 (Revised)	34,504 34,504
6.	Sri Syed Ismail, Armstrong Road, Bangalore.	Indl. 1964-65 Indl. 1965-66 Indl. 1966-67 Indl. 1967-68 Indl. 1968-69 Indl. 1969-70 Indl. 1970-71 Indl. 1971-72 Indl. 1972-73 Indl. 1973-74	10,07,000 11,07,000 10,07,000 11,08,200 11,50,400 12,50,400 11,50,400 12,50,400 12,12,400 13,12,400 12,12,400 13,14,800 14,38,400 15,34,400 14,63,000 15,62,900 14,38,000 15,38,750 12,78,000 12,78,250	7,010 7,010 11,053 11,053 15,700 15,700 15,689 15,689 18,117 18,117 18,340 18,340 26,048 26,084 82,806 82,806 80,915 80,915 61,544 61,544
7.	Sri R. S. Vishwanath, Maruthi Mansion, Davanagere.	Indl. 1973-74	12,32,590 12,32,700	21,978 21,978
8.	Sri Mangesh R. Wagle, Panaji.	Indl. 1970-71 Indl. 1971-72 Indl. 1972-73	17,22,240 17,54,000 15,66,540 16,06,000 14,73,130 15,25,400	25,849 25,849 33,239 33,239 32,029 32,029
9.	Dr. V. V. Keni, Panaji.	HUF 1970-71 HUF 1971-72 HUF 1972-73 HUF 1973-74	11,19,770 13,09,700 13,51,840 13,28,900 11,73,400 11,53,800 10,16,000 10,10,000	14,243 9,365 22,867 17,044 19,614 19,614 15,030 15,030
10.	Sri Anand R. Bandekar, Vasco.	Indl. 1973-74	12,03,644 11,83,110	20,490 20,490
11.	Sri Laxman R. Bandekar, Vasco.	Indl. 1969-70	11,74,714 11,65,900	9,652 9,652
12.	Sri V. D. Chowgule, Vasco.	HUF 1969-70	6,04,50,350 5,96,79,800	14,43,900 14,43,900

1	2	3	4	5
		HUF	6,08,90,099	16,07,765
		1970-71	6,00,33,600	16,07,765
		HUF	5,32,23,943	22,24,343
		1971-72	5,14,12,500	22,24,343
		HUF	2,94,34,700	16,50,836
		1972-73	2,79,26,700	16,50,836
		HUF	2,39,66,358	12,17,300
		1973-74	2,29,40,081	12,17,300
13.	Sri V. D. Chowgule, Vasco.	Indl.	18,07,500	49,515
		1972-73	17,43,900	49,515
		Indl.	25,08,400	1,02,556
		1973-74	24,06,900	1,02,556
14.	Sri Y. D. Chowgule, Vasco.	HUF	1,89,66,439	4,52,122
		1969-70	1,95,69,300	4,52,122
		HUF	1,99,34,310	5,14,340
		1970-71	2,00,44,900	5,14,340
		HUF	1,65,00,428	6,76,579
		1971-72	1,64,92,600	6,76,579
		HUF	41,32,147	1,40,577
		1972-73	46,39,423	1,40,577
		HUF	45,47,168	1,49,179
		1973-74	48,54,500	1,49,179
15.	Sri Y. D. Chowgule, Vasco.	Indl.	11,02,600	18,320
		1973-74	11,10,680	17,921
16.	Sri L. D. Chowgule, Vasco.	HUF	2,00,80,343	4,60,744
		1969-70	1,96,67,700	4,60,744
		HUF	2,00,26,657	5,07,286
		1970-71	2,00,96,570	5,07,286
		HUF	1,64,43,476	6,53,661
		1971-72	1,57,19,000	6,53,661
		HUF	49,19,441	1,65,486
		1972-73	47,73,100	1,65,486
		HUF	50,58,013	1,66,550
		1973-74	49,18,350	1,66,550
17.	Sri L. D. Chowgule, Vasco.	Indl.	11,26,704	18,254
		1973-74	11,08,500	18,254
18.	Smt. Sarita V. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,41,500	27,422
		1972-73	14,14,100	27,422
		Indl.	21,43,667	75,575
		1973-74	20,69,192	75,575
19.	Smt. Padmini V. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,09,705	26,496
		1972-73	13,83,209	26,496
		Indl.	21,69,750	77,389
		1973-74	20,92,361	77,389
20.	Sri Umaji V. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,02,425	26,284
		1972-73	13,76,141	26,284
		Indl.	22,80,112	85,260
		1973-74	21,90,740	85,260

1	2	3	4	5
21.	Sri Ashok V. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,04,480	26,344
		1972-73	13,78,100	26,344
		Indl.	22,80,024	85,269
		1973-74	21,90,817	85,269
22.	Smt. Rohini V. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,90,700	26,496
		1972-73	13,83,200	26,496
		Indl.	21,19,577	73,752
		1973-74	20,46,900	73,752
23.	Smt. Shalini Bai V. Chowgule, Vasco.	Indl.	13,87,079	32,246
		1972-73	15,28,100	31,766
		Indl.	19,16,100	70,940
		1973-74	20,11,760	70,940
24.	Sri Vijay V. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,02,847	26,296
		1972-73	13,76,600	26,296
		Indl.	21,99,991	78,907
		1973-74	21,11,345	78,907
25.	Sri Jadeep Y. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,08,000	26,446
		1972-73	13,81,500	26,446
		Indl.	14,16,395	26,088
		1973-74	13,69,600	26,088
26.	Sri Daulat Y. Chowgule, Vasco.	Indl.	13,90,092	25,925
		1972-73	13,64,166	25,925
		Indl.	14,52,400	27,138
		1973-74	14,04,500	27,138
27.	Sri Jaywanth Y. Chowgule, Vasco.	Indl.	13,90,638	25,941
		1972-73	13,64,700	25,941
		Indl.	14,84,134	28,588
		1973-74	14,53,000	28,588
28.	Sri Jagadesh Y. Chowgule, Vasco.	Indl.	14,07,975	26,445
		1972-73	13,81,500	26,445
		Indl.	17,58,317	45,385
		1973-74	16,92,300	45,385
29.	Smt. Sheela Y. Chowgule, Vasco.	Indl.	10,43,232	13,367
		1973-74	9,18,300	13,367
30.	Sri Deepak L. Chowgule, Vasco.	Indl.	10,34,866	15,370
		1973-74	10,12,370	15,370
31.	Sri Santhosh L. Chowgule, Vasco.	Indl.	10,16,964	15,057
		1973-74	10,01,907	15,057
32.	Sri Satish L. Chowgule, Vasco.	Indl.	10,32,539	15,203
		1973-74	10,10,100	15,203
33.	Miss. Vidya Y. Chowgule, Vasco.	Indl.	10,45,707	15,757
		1973-74	10,25,300	15,757
34.	Sri Vasant S. Joshi Vasco.	Indl.	22,90,972	1,06,765
		1973-74	24,66,371	1,06,765
35.	Smt. Prema V. Joshi, Vasco.	Indl.	22,90,972	1,06,765
		1973-74	24,66,371	1,06,765
36.	Sri Madhav G. Pai Raiturcar, Margao.	HUF	18,74,000	59,793
		1973-74	18,72,377	59,793

1	2	3	4	5
37.	Smt. Subada A. Poi Raiturcar, Margao.	Indl.	19,18,732	58,793
		1973-74	18,59,907	58,793
38.	Sri Govinda G. Poi Raiturcar, Margao.	HUF	10,23,582	20,281
		1973-74	11,76,019	15,250
39.	Sri Gopal G. Poi Raiturcar, Margao.	HUF	14,84,854	29,545
		1972-73	14,84,854	29,545
40.	Sri V. M. Salgaocar, Vasco.	HUF	1,72,02,941	4,45,768
		1969-70	1,75,09,440	4,45,768
		HUF	1,75,54,031	5,61,719
		1970-71	1,91,73,981	4,98,121
		HUF	1,79,39,662	8,91,857
		1971-72	1,88,77,243	8,91,857
		HUF	72,35,359	4,94,402
		1972-73	73,04,998	4,94,402
		HUF	68,06,635	4,87,557
		1973-74	72,19,443	4,87,557
41.	Sri Prakash R. Salgaocar, Vasco.	Indl.	14,40,320	28,209
		1972-73	14,40,291	28,209
		Indl.	13,66,400	25,989
		1973-74	13,66,321	25,989
42.	Sri R. M. Salgaocar, Vasco.	HUF	87,54,395	2,38,108
		1969-70	97,52,007	2,24,628
		HUF	98,94,968	2,84,107
		1970-71	1,04,19,655	2,68,349
		HUF	1,01,97,541	5,26,003
		1971-72	1,06,62,297	4,60,148
		HUF	28,66,479	1,49,640
		1972-73	29,95,460	1,49,640
		HUF	29,49,366	1,67,267
		1973-74	32,15,833	1,67,287
43.	Sri R. M. Salgaocar, Vasco.	Indl.	4,38,897	8,429
		1970-71	10,57,171	1,695
		Indl.	4,03,586	14,514
		1971-72	10,17,186	3,036
		Indl.	10,99,199	45,644
		1972-73	16,95,556	16,069
		Indl.	9,78,100	41,859
		1973-74	16,48,241	17,948
44.	Smt. Heerabai V. Salgaocar, Vasco.	Indl.	16,14,430	39,133
		1972-73	16,14,181	39,133
		Indl.	15,96,689	37,719
		1973-74	15,96,444	37,719
45.	Sri Dilip R. Salgaocar, Vasco.	Indl.	15,05,932	32,852
		1972-73	15,35,642	32,852
		Indl.	14,43,277	27,859
		1973-74	14,28,690	27,859
46.	Sri A. R. Salgaocar, Vasco.	Indl.	14,84,106	28,792
		1973-74	14,59,728	28,792

1	2	3	4	5
47.	Smt. Radha Bai R. Salgaocar, Vasco.	Indl.	11,21,646	24,484
		1972-73	13,16,129	24,484
		Indl.	12,23,495	21,262
		1973-74	12,08,665	21,262
48.	Sri Dattaraj V. Salgaocar, Vasco.	Indl.	15,72,928	46,705
		1972-73	17,08,830	46,705
		Indl.	15,64,127	43,405
		1973-74	16,67,540	43,405
49.	Sri Shivanand V. Salgaocar, Vasco.	Indl.	16,26,292	45,394
		1972-73	16,92,420	45,394
		Indl.	16,17,020	41,460
		1973-74	16,55,789	41,460
50.	Sri Panduranga D. Timblo Margao.	Indl.	19,55,810	90,374
		1972-73	22,54,676	90,374
		Indl.	22,90,351	1,04,341
		1973-74	24,29,259	1,04,341
51.	Smt. Sudani P. Timblo, Margao.	Indl.	19,55,810	90,374
		1972-73	22,54,676	90,374
		Indl.	22,90,351	1,04,341
		1973-74	24,29,259	1,04,341
52.	Sri V. M. Salgaocar, Vasco.	Indl.	16,05,413	38,415
		1972-73	16,05,165	38,415
		Indl.	13,60,154	25,852
		1973-74	13,61,748	25,852

In the above cases either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Wealth-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

B. A. SHARIFF,
Commissioner of Wealth-Tax,
Karnataka-II, Bangalore.

FORM ITNS—

(1) Shri Govind son of Samji, Vasudeo S/o Shamji
through A. Govind s/o Shamji Gujrati of Raigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Gini Devi w/o Seth Brikhan Agrawal, R/o
Gandhiganj, Raigarh,
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 190/1 to 5 Ward No. 18 (old) Raigarh situated at Raigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raigarh on 18-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

House No. 190/1 to 5, Ward No. 18 (old) Raigarh Town.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Byramji Mining Combine (P) Ltd., 204, Hornby Road, Fort, Bombay—400-001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narbadaprasad Agarwal, Nagpur Road, Chhindwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

Bhopal, the 4th July 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Masonry building and out houses situated at Chhindwara situated at Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chhindwara on 2-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Masonry building and out houses situated at Chhindwara.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-7-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Rampratap S/o Ramchandra Agarwal, (2) Smt. Chamelibal W/o Shri Babulal Agrawal R/o Satna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chhatamal S/o Shri Pahlumal Sindhi R/o Satna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 4th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing double storeyed house No. 895/850/1, Ward No. 10, Satna situated at Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 11-11-74,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 895/850/1, Ward No. 10, Satna.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing two storeyed building, Mathura Building, Near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 28-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—176GI/75

(1) Shri Vasant S/o Tejumal Kripalani, 6/35, Shyam Niwas, Wardon Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) (1) Shree Gurusingh Sabha (Gurudwara) Sadar Bazar, Jabalpur,

(i) President:—Sardar Rajindersingh S/o Sardar Vajitsingh R/o 9/10 Lajpat Kunj, Behind Rajhans Hotel, Napier Town, Jabalpur,

(ii) Shri Kulwantsingh R/o Govind Bhavan, Near Jackson Hotel, Civil Lines, Jabalpur

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building (Mathura Building) situated near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 15 Sitabagh Colony (Sub-divided part of 12, Meera Path), Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-11-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Bhimdeorao Bhagwat S/o Shri Martandrao Bhagwant,
- (2) Smt. Kumudinibai Bhagwat W/o Shri Bhimdeorao Bhagwat,
- (3) Shri Kirankumar S/o Shri Bhimdeorao Bhagwat,
- (4) Kumar Guru Bal D/o Sh. Bhimdeorao Bhagwat R/o 12 Mirapath Indore,

(Transferor)

- (2) Shri Kantilal Shah S/o Shri Vithaldas Shah, 141, Jawahar compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, Sitabagh Colony (sub-divided part of 12, Meera Path), Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mishrilal S/o Kishanlalji Patel R/o Village Sagoniya, Teh. Bareilly, Distt. Raibari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1st floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 21-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Talib Hussain S/o Shri Fidai Asgar P/O M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Hardware and Paints shop, Zanda Chouk, Bhopal R/o Beldar pura, Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Shambhudayal Sanghi, Advocate, 511, M. G. Road, Indore-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

open plot No. 1 situated at 6 Yeshwant Niwas Road, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-11-74

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Firm Murlidhar Kishangopal, 208 M. G. Road, Indore-2,
(2) Shri Dhannalaji Sardarmalji Thakuriya, 6, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 1 situated at 6 Yeshwant Niwas Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

- (1) (1) Shri Bhojraj Bhatia,
(2) Shri Laxmandas Bhatia,
(3) Shri Chunnilal Bhatia all sons of Shri Chabildas
Bhatia R/o 2 Roshansingh Bhandari Marg, S.
Tukoganj, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Pawankumar Chopda R/o 129 Station Road,
Mhow Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period
of 30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24(1), Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I here-

by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act,
to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal,

Date : 2-7-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No land and ground floor portion of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda Nakkas, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Talib Hussain S/o Shri Fidai Asgar P/o M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Hardware and Paintshop, Zanda Chouk, Bhopal R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Chhabilal S/o Kishanlal Patel R/o Village, Sagoniya Teh. Bareilly, Distt. Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and ground floor portion of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2nd floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda Nakkas, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on 21-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Fidai Asgar S/o Haji Mulla Gulam Hussain P/o M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Harward and Paintshop Zanda Chouk, Bhopal, R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Shadilal S/o Kishanlal Patel R/o Village Saoniya, Teh. Bareilly, Distt. Raichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3rd floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda Nakkas, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhopal on 21-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Fidai Asgar S/o Haji Mulla Gulam Hussain P/o M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Harward and Paintshop Zanda Chouk, Bhopal R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Ramayani W/o Shri Shersingh Chouhan, R/o Village Sugoniya, Teh. Bareilly, Distt. Raisen.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nirmala Gupta W/o Shri Vinod Chandra Gupta R/o Sultanpura Road, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. half portion of plot area 72.5 ft. X 164.5 ft. near Jawabit line, Lilly Talkies, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 18-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24—176GI/75

(2) Sant Nirankari Mandal, Delhi-9 through Shri Ram-saran S/o Shri Niyal Singh Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Portion of plot area 72.5 ft. X 164.5 ft. near Jawabit Line, Lilly Talkies, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/101/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Budh Singh s/o Shri Karam Singh, Chowk Passian, Amritsar,
(Transferor)
- (2) Shri Vishwa Mitter Seth s/o Shri Lachhman Dass, Hall Bazar Amritsar,
(Transferee)
- (3) S/Shri Vishwa Mitter Sukhdev Singh, Shadilal, Parshotam Dass, Smt. Surinder Puri and other tenants occupying the property.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 526, 527 & 474, 475 & 58, 59, 60, 61/1-1 Hall Bazar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2607 of November 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 30-6-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/102/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Tungpai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar (Tehsil) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajaib Singh s/o Shri Ujagar Singh V. Tungpai, Teh, Amritsar.
(Transferor)

(2) M/s. Jaju Dyeing & Printing Works, Shiv Nagar, Batala Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6910 of November, 1974 of the Registering Authority, Amritsar. (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Havela Singh s/o Shri Ujagar Singh V. Tung
Pai Teh. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Jaju Dyeing & Printing Works, Shiv Nagar,
Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/103/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Tung Pai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at (Tahsil) Amritsar in Nov., 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6911 of November, 1974 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Jaju Dyeing & Printing Works, Shiv Nagar,
Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) As at S. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/104/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Tung Pai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at (Tehsil) Amritsar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagtar Singh s/o Shri Ujagar Singh V. Tung
Pai (Amritsar).

(Transferor)

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6912 of November, 1974 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range Amritsar

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Narain Singh, Smt. Bachittar Kaur w/o Shri Sadhu Singh V. Ajnala Teh. Ajnala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/105/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajnala in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dial Singh s/o Shri Hari Singh s/o Shri Kala Singh V. Ibrahempur Teh. Ajnala District Amritsar.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Decd No. 2575 of November, 1974 of the Registering Authority, Ajnala.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mitter Sing s/o Shri Hari Singh s/o Shri Kala Singh Ibrahimpora Teh. Ajnala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

(2) Shri Manjit Singh, Shri Manohar Singh s/o Shri Sadhu Singh s/o Shri Narain Singh r/o Ajnala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. ASR/106/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajnala in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2508 of November, 1974 of the Registering Authority, Ajnala.

V. R. SAGAR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-6-75

Seal :

FORM ITNS—

(2) S/Shri Sat Pal, Rajinder Parshad ss/o Shri Brij Lal,
Matarani Street, Jaitu.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. BTD/107/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. Land, situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jeeta Singh s/o Shri Rattan Singh V. Jaitu,
Patti Sada.

(Transferor)

Land as mentioned in the Registered Deed No. 672 of November, 1974 of the Registering Authority, Jaitu.

THE SCHEDULE

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-6-75

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/108/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jeeta Singh s/o Shri Rattan Singh, Village Jaitu, Patti Sada,
(Transferor)
- (2) Shri Kishori Lal s/o L. Kharaiti Mal, Jaitu Mandi.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 671 of November, 1974 of the Registering Authority, Jaitu.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/109/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V, Kohlia (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ajnala in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sewa Singh s/o Shri Harnam Singh, Shri Agya Ram s/o Shri Wadhawa Ram V. Bohlia, Teh. Ajnala.

(Transferors)

(2) Shri Daljit Singh, Rana Partap Singh ss/o Shri Sawinder Singh s/o Shri Banta Singh V. Bohlia Teh. Ajnala (Presently in village Kot Mahmud Khan Teh. Tarn Taran.)

(Transferees)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2629 of November, 1974 of the Registering Authority, Ajnala.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Balwant Singh s/o Shri Narain Singh, V. Maur Kala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/110/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property, situated at Morakalan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagan Nath s/o Shri Tirlok Chand, Shri Parkash Chand s/o Shri Tirlok Chand, Pyare Lal, Shiv Chand Dev, Raj Behari Lal ss/o Shri Milkhi Ram, Mohan Lal, s/o Shri Parkash Chand c/o Mada Mal Tirlok Chand, Mor Mandi.

(Transferees)

* (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1817 of November, 1974 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/111/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Nehru Street Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ishar Dass s/o Shri Des Raj s/o Shri Nathu Ram r/o Bhatinda now partner of Tirlok Silicate, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Smt. Janak Dulari d/o Shri Atma Ram r/o Nehru Street, Bhatinda.

(Transferee)

*(3) Shri O. P. Goyal tenant and as at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House at Nehru Street, Bhatinda as mentioned in the Registered Deed No. 4390 of November, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-6-75

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/112/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Goniara Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Som Dutt Gupta Traders, Hospital Bazar, Bhatinda, Shri Mohan Lal s/o Shri Bilori Mal, Smt. Saneh Lata w/o Shri Mohan Lal, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Mohan Lal s/o Shri Kidar Nath, Old Satta Bazar, Bhatinda,

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4562 of November, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-6-75

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/113/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at Goniana Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Som Dutt, Gupta Traders, Hospital Bazar, Bhatinda. Shri Mohan Lal s/o Shri Bilori Mal, Smt. Saneh Lata w/o Shri Mohan Lal, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Kedar Nath s/o Shri Chote Ram Old Satta Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4563 of November, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-6-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramji Dass s/o Shri Sadhu Ram, Cloth Merchant, Mansa Mandi, Mansa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwa Nath s/o Shri Ganga Ram, Mansa, Shri Jagdish Rai, Kapur Chand etc. ss/o Shri Ram Nath c/o Mahavir Factory Mansa.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amritsar, the 30th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref No. BTD/114/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Chakarian Road, Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mansa in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3571 of November, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. FDK/115/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Mission Ground Kotkapura Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shivnandan Lal Arora, Pritam Singh & S. Dayal Singh Sandhu r/o Muktsar.
(Transferors)
- (2) Shri Sarwan Singh s/o Shri Jagnandan Singh, Daljit Kaur w/o Shri Sarwan Singh Man, Smt. Kulwant Kaur d/o Shri Jagnandan Singh, Smt. Surjit Kaur w/o Shri Jagnandan Singh, V. Abulkhurana,
(Transferees)
- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2253, 2254, 2255 & 2256 of November, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-6-75
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pakhar Singh s/o Shri Partap Singh s/o S. Sarmukh Singh r/o Nathuwala Jadid.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Sucha Singh, Shri Malkiat Singh & Shri Jagir Singh ss/o Shri Sucha Singh r/o V. Kahan Singh Wala P.O. Sada Singh Wala.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Amritsar, the 30th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. MGA/116/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Chotian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 5414, 5415 & 5416 of November, 1974 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—176GI/75

Date : 30-6-75.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)242.—Whereas, I. S. R. Vaish being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Details given below in the Schedule, situated at Jhalana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on Dec. 7, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal S/o Shri Ishwar Das Agrawal, 49, Dabson Road, Howrah (W. Bengal) through his general power of attorney Shri Hari Singh S/o Th. Bijal Singh, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Sultan Singh S/o Shri Kan Singh C/o Bunglow No. 12, Civil Line, Jaipur (Rajasthan).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 bighas bearing Khasara No. (Old) 68 Part with appurtenances situated in Village Jhalana Chowd Durgapura, Farm, Teh. Sangner, Distt. Jaipur.

S. R. VAISH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 6-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/243.—Whereas, I, S. R. Vaish being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Details given below in the Schedule, situated at Jhalana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on Dec. 9, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal S/o Shri Ishwar Das Agrawal, 49, Dabson Road, Howrah (W. Bengal) through his general power of attorney Shri Hari Singh S/o Th. Bijai Singh, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Digvijai Singh S/o Shri Sardar Singh Uniara Bagh, Jaipur (Rajasthan).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bigha 10 Biswa bearing Khasra No. 71 (Old) with appurtenances in Village Jhalana Chowd, Durgapura farm, Teh. Sanganeer, Distt. Jaipur.

S. R. VAISH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 6-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Keshri Nandan Jain S/o Shri Buddha Lal Jain,
34 Vikas Path Alwar at present Ram Bagh Quarters,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/244.—Whereas, I, S. R. Vaish being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Details given below in the Schedule, situated at Jhalana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on Nov. 28, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal S/o Shri Ishwar Das Agrawal, 49, Dabson Road, Howrah (W. Bengal) through his general power of attorney Shri Hari Singh S/o Th. Bijai Singh, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas & 5 Biswa bearing Khasra No. (Old) 91 (New) 300, 301, 302 & 303 with appurtenances situated in Village Jhalana Chown Durgapura farm, Teh. Sanganer, Distt. Jaipur.

S. R. VAISH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income Tax

Acquisition Range, Jaipur

Date : 6-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Neel Kamal Exhibitors.

(Transferor)

(2) M/s. Neel Kamal Exhibitors Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020,

Bombay-400 020, the 10th July 1975

Ref. No. ARI/996-4/Nov. 74.—Whereas, I. S. S. Phadke, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS 2/657 Malabar & Cumballa Hill Division situated at 218 Tardeo Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 1-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground admeasuring 2769 sq. mts. (3312.37 sq. yds.) or thereabouts together with the buildings and structures standing thereon and to be hereafter erected thereon and known as Ganga Jamuna Theatres situate at 218 Tardeo Road (Jagee Dedayee Road) in the Registration Sub-District and District Bombay assessed under Municipal Nos. 42, 50, 50A and D Ward No. 3677, C.S. No. 2/659 Malbar & Cumballa Hill Division and registered under—Collector's New Survey No. A/809, 1328, 1353, 1524, 2995, A/2140 and bounded as follows: that is to say on or towards the North by the property of Sir Dinshaw Petit II Baronet on or towards the South partly by the Municipal Road and partly by the land of Climax Industrial Syndicates being Plot No. 2 on or towards the East partly by the property of the Bombay Municipality and partly by the property of the Trustees of Sir Dinshaw Petit II Baronet and on or towards the West the property of Sir Dinshaw Petit II Baronet.

S. S. PHADKE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10th July 1975.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Sūri Tarunkumar C. Nanavati, Smt. Kalavati Tarunkumar Nanavati, R.K. Bldg. No. 39th Khetwadi, Bombay-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

(2) M/s. Dhabalia Builders, C/o Jagdish Steel Corpn.,
M. G. Road, Opp. Elors Hotel, Borivli (East),
Bombay.

(Transferee)

(3) Mrs. Saroj Suresh Shah, Mr. Mahendra Ratilal
Doshi, Mr. Keshavrao Abbasaheb Lad., Mr. Manu-
bhai Jivanji Nayak.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 0230, the 7th July 1975

Ref. No. AR/III/635/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. Survey No. 177 C.T.S. No. 2499, Plot No.
131 situated at Eksar, Borivli (East)
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 5-11-1974
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

ALL THAT piece or parcel of the land situate at Eksar,
Daulatnagar, Borivli East, on Road No. 9 previously in
Taluka and Sub-District Borivli now in Greater Bombay,
District and sub District Bombay Suburban, admeasuring 500
sq. yards, equivalent to 418.05 sq. meters together with a
one storey building bearing Survey No. 177 and bearing City
Survey No. 2499 and also bearing plot No. 131 and bounded
as follows to say :—

On the east by the property bearing—Plot No. 208.
On the west by—Road No. 9.
On the north by the property bearing—Plot No. 129.
On the south by the property bearing—Plot No. 133.

J. M. MEHRA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. D. R. Soldier.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Diamond Constructions,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

Bombay, the 15th July 1975

Ref. No. ARI/1002-10/Nov. 74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 217, Entry No. 432, situated at 24 Mt. Mary Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registry, Bombay on 11-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground together with the meassuage tenements and dwelling houses or bungalow known as 'The Retreat' and out-houses standing thereon situate lying and being on the hill at 24, Mount Mary Road, Bandra, containing by admeasurement 2553 sq. yards, i.e. 2134.63 sq. metres or thereabouts.

S. S. PHADKE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15th July, 1975,

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Hemchand Ramchand,

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan Jaitha.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. V. Madhukar & Co.

[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-362/C-348/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 16-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/18th share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of 12 Cottahs & 8 Chittaks more or less.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 17-7-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwandas Ramchand.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan
Jaitha.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. V. Madhukar & Co.

[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-278/C-265/Bombay/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely—
27—176GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one-eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve cottahs and eight chittacks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 17-7-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharamdas Ramchand.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan
Jaitha.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. V. Madhukar & Co.

[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 17th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

Ref. No. TR-276/C-267/Bombay/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided one-eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve cottahs and eight chittaks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-7-75.

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Devidas Ramchand.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha & Tilak Pranjivan Jaitha.

[Transferee]

(3) M/s. V. Madhukar & Co.

[Person in occupation of the property].

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-300/C-289/Bombay/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided one eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve Cottahs and eight Chittaks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-7-75.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 17th July, 1975

Ref. No. TR-280/C-263/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1, situated at Mcleod St. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

- (1) Smt. Sushila Devi Agarwalla.
w/o Dasharath Lal Agarwalla.

(Transferor)

- (2) 1. Wasi Ahmed,
2. Farooque Ahmed.
3. Shabbir Ahmed All sons of Md. Salim.
4. Shabid Hossain, Minor Represented by father and legal guardian Haji Abdul Sattar.
5. Taj Akhtar Noori, Minor represented by father & legal guardian A. Jabbar Noori.
6. Kamal Anjum, Minor represented by father & legal guardian A. Azim Anjum, all residing at 38, Jagdish Chandra Bose Road, Calcutta-17.

(Transferee)

- (3) 1. Sukhdeo Thakur, 2. Bashir, 3. Santat Ali, 4. J. V. Commiade, 5. Deonath Dhobi, 6. Bisheswar, 7. Syed Kishwar Ali, 8. Mashaque Ali, 9. H. Hall, 10. Abdul Wahab.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of revenue paying land measuring 4 Kathas 9 Chittacks and 43 sq. ft. more or less together with 2 storied brick built building being premises No. 12/1, Mcleod Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 17-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Ramrati Devi w/o Sri Bijoy Kumar Singh, Smt. Subhadra Devi w/o Shri Arun Kumar Singh both residing At P.O.—Maheshpur, Distt. Monghyr.

(3) Smt. Rekha Devi w/o Ram Shis Singh, Village/P.O. Maldah, Distt. Monghyr.

(4) Smt. Meera Devi w/o Sri Jai Shankar Pd. Singh Village :—Rampur, P.O.—Abhaipur (Piribazar) Distt. Monghyr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storied brick built building with land measuring 9 cottahs 5 Dhwas and 12 Dhurkies more or less, bearing Plot No. 34, Tanzi No. 1333 municipal holding No. 665 W/No—13 situated at Baribazar, Military Bazar within P.S. & Dt—Monghyr as fully described in document No. 6685 dated 8-11-74.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 17-7-75.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA.

Patna, the 17th July 1975

Ref. No. III-101/Acq/75-76/493.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal H. No.—655, W/No—13, situated at Baribazare, Military Bazar (Monghyr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta, on 8-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Dharitri Mullick w/o Sri Kedar Nath Mullick. At—Srikrishna Road, Ghositola Baribazar, P.O./Dt. Monghyr, Present address :—Village Srikhanda, P.S. Katwa, Dt. Burdwan (W.B.)

(Transferor)

FORM I.T.N.S.—

(1) Miss Champabai (Hemandas),
Dr. (Mrs.) Shakuntala Mukherjee (Soft)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) M/s. Mahabir Saw Mills (2) Sri Kamalendra
Nath Mukherjee.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 18th July 1975

Ref. No. TR-274/C-269/CAL-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 69, situated at Princep St. (now 39 Biplabi Anukul Ch. St.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 12-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

All that piece or parcel of land bearing No. 69 Princep Street (now 39, Biplabi Anukul Chandra Street) Calcutta measuring more or less two cottahs and eleven chittacks.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 18-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amratlal Ramchand.

Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan Jaitha.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Madhukar & Co.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-275/C-268/Bombay/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bombay, on 11-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided one-eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve cottahs and eight chittacks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Venkatachalam, 362, Upper Palace,
"Orchard", Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. R. Suseela Devi, 44-R, Solayappan Street,
Madras-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th July 1975

Ref. No. F. IX/3/117/1974-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing door
No. 12/13, situated at Padala Vinayagar Koil Street, Madras-
21,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
JSR.II, Madras, on November, 1974,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 2055 sq. ft. at Nos. 12 & 13,
P.V. Koil Street, Royapuram, Madras (R.S. No. 639/P &
640/P).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth
tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. V. JIABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C,
of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

Date : 16-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. Venkatachalam, No. 362, Upper Palace,
"Orchard", Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. Suseela Devi, 44-R, Solayappan St., Madras-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th July 1975

Ref. No. F. IX/3/118/1974-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 & 13, situated at J. V. Koil Street, Royapuram, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II, Madras on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 1 ground and 188 sq. ft. at Nos. 12 & 13, P. V. Koil Street, Royapuram, Madras (R.S. No. 639/P & 640/Part).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1975.

Seal :

FORM ITNS _____

(1) Shri N. Ramakrishnan, Muktha Gardens, 3A, Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 16th July 1975

Ref. No. F.IX/3/115/74-75.—Whereas, I, C. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 situated at Spur Tank Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, II, Madras on November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Devi Reddy Iswaramma,
(ii) Rebala Seshamma,
(iii) Shri Rebala Balu Reddy &
(iv) Parvatha Reddy, No. 8, Cathedral Garden St., Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 3722 sq. ft. bearing door no. 41, Spur Tank Road, Chetput, Madras-31 (R.S. No. 407/1 Part).

C. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 16-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Meenakshi Ammal & others, 44-C, T. B. Road,
Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. M. Umma Habibabivi, No. 22, Town Hall
Road, Madurai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 5th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of his notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. F.X/10/17/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000 and bearing door
No. 22 situated at Town Hall Road, Madurai,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Pudumandapam, Madurai on November 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

THE SCHEDULE

Land and building measuring 1260 sq. ft. at No. 22, Town
Hall Road, Madurai (T. S. No. 349).G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 5-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA : 411 004.

Poona, the 16th July 1975

Ref. No. C.A.5/Dhulia/Nov'74/215/of 75-76.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 524/3, Mouje Kasba, situated at Dhulia Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhulia on 30-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarubai Dharma Kandre of Dhulia.

(Transferor)

- (2) (a) Smt. Sonabai Shankar Iswar,
- (b) Smt. Shantabai Kisanrao Kumbhar
- (c) Shri Hari Mahadu Khandale
- (d) Suryabhan Mahadu Khandale

all at Shivajinagar, Gat No. 3, Dhulia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold

Agricultural land Survey No. 524/3, Manuje Kasba, within Municipal limits of Dhulia.

Area : Hectres and 75 R.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date : 16-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Baldev Raj Juneja s/o Sh. H. L. Juneja 1/o 23, D. Vjay Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July 1975

Ref. No. IAC/Acq II./851/75-76/1657.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3601 to 3615 (New) Shyam Bhawan situated at Faiz Bazar, Darya Ganj, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Brij Kishore Gupta s/o Shri Om Parkash as guardian of the minor sons Sh. Rajiv Kumar and Sh. Sanjiv Kumar (minor) r/o 100, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

List of Tenants :

1. Shri R. C. Anand Sh. No. 1
2. Shri Ram Lubhaya Sh. No. 2
3. Sh. Satinder Kumar Sh. No. 3
4. Sh. Ratan Singh Sh. No. 4
5. Sh. M. L. Sharma Qr. No. 15-14
6. Sh. N. L. Sharma Qrs. No. 15-16
7. Sh. Achraj Ram Qr. No. 17
8. Sh. S. N. Chopra Qr. No. 18
9. Sh. Ujagarmal, Jagannath Qr. No. 19
10. Sh. Nahar Ram One Kolki
11. Sh. Bishan Singh Flat No. 13 on 2nd floor
12. Sh. G. S. Bedi Flat No. 5
13. Sh. Dayal Singh Flat No. 7
14. Sh. Sat Parkash Flat No. 6
15. M/s Ram Chand Sham Lal Flat No. 8.

(3) (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building consisting of shops and barsaties constructed on a free-hold plot of land measuring about 1700 sq. yds situated at No. 4718 to 4757 (old) and 3601 to 3615 (New), Darya Ganj, Delhi-6 and known as Shyam Bhawan.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 15-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA : 411 004.

Poona, the 11th July 1975

Ref. No. C.A.5/November'74/Haveli-II (Poona) /213/75-76.
—Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 231/2 situated at Nanapeth (Poona),
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Haveli-II (Poona) on 1-11-74,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

- (1) M/s Natekar Bamb Construction Co., 1206 B/15,
Shivajinagar, Deccan Ghymkhana, Poona-4,
(Transferor)

- (2) Nachikate Co. operative Housing Society, Chairman :
Bankatkar Damodar Toshiniwal, 231/2, Nana-
peth, Poona-2.

(Transferee)

- (3) (person in occupation of the property)

- (1) Sri Ganpatlal Hemaji Parmar,
- (2) Shri Chaturbhoj Bishambardayal Agarwal,
- (3) " Mohandas Basiyomal Vadhawani,
- (4) Smt. Panibai Chandanmal Solanki,
- (5) Shri Bansilal Jivraj Bamb,
- (6) " Rasiklal Manikchand Dhadiwal,
- (7) " Rameshlal Lakhanlal Hemrajani,
- (8) " Atmaram Prithisinha Sharma,
- (9) " Manikchand Narayandas Dugad,
- (10) " Bankatlal Damodar Toshiniwal,
- (11) Smt. Fulkanwar Bai Bhagwandas Partani,
- (12) " Suraj Kanwarbai Anandram Kothari,
- (13) Shri Mannalal Govindram Dhun,
Smt. Lilabai. M. Dhun
- (14) Shri Gunwantrao Gangadhar Jitkar,
- (15) "Chunilal Lalchand Chajed,
- (16) "Viswanath Chandrasekhar Shilwant,
- (17) " Harshakumar Popatlal Bamb,
- (18) " Arunkumar Popatlal Bamb,
- (19) " Kirankumar Popatlal Bamb,
- (20) " Nandalal Murlidhar Maniar,
- (21) " Harikisan Gangabisan Maniar,
- (22) " Vinodkumar Popatlal Bamb, all at staying at
231/2, Nanapeth, Poona-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold, ownership basis flats at 231/2 Nanapeth, Poona-2.

Total area of land—3678 sq. ft. Flat-shop Carpet Area—
7098 sq. ft.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2049
of November, 1974 of the Registering authority Haveli-II
(Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date : 11-7-1975.
Seal:

FORM ITNS—

(1) Jim Rusdin Pvt. Ltd. 16/A. Altamount Road, Cumballa Hill, Bombay-400026.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) St. Louis Society, Ceasar Road, Amboli, Andheri (W), Bombay 400058.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

BOMBAY-400 020.

Bombay, the 10th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece OR parcel of land of ground situate lying and being in the village of Ambivli formerly in the Sub-district of Bandra in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District stated in the Records of rights dated 28th November 1969 according to the Survey and area measurements under his number 2692(2) to admeasure 4177 sq. yds. or made by the District Inspector of Land Records, Bombay 3493 sq. Metres or thereabouts bearing Plot No. 143/9 of survey No. 143 of Ambivli and which said premises are according to the plan annexed hereto bounded as follows, that is to say : On or towards the east by plot No. 143/8 of S. No. 143 of Ambivli, on or towards the North by 30 ft. wide Internal Access Road on or towards the west by sub-station plot of S. No. 143 of Ambivli and on or towards the south by village boundary of Versova.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1975.

Seal :

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay.

FORM ITNS—

(1) The Maharaja of Dhar, C/o. Nanu Hormasjee Co., Solicitors, Fort, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA : 411 004.

Poona, the 11th July 1975

Ref. No. C.A.5/November'74/Haveli-II(Poona)/214/75-76.
—Whereas, I. H. S. Aulakh,
being the Competent Authority under
Section 269D of the Income-Tax, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 101 B, C.T.S. No. 2073-A, situated at Yerwada
(Poona).
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Haveli-II (Poona) on 22-11-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Freehold building—S. No. 101 B, C.T.S. No. 2073-A, Plot
No. 18, Ahmednagar Road, Yeravada, Poona.

Total Area of land 87120 sq ft.

Building (including outhouse) Area : 12000 sq. ft. (pro-
perty as mentioned in the Registered Deed No. 1216 of
November 1974 of the Registering authority Haveli-II (Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 11th July 1975

Ref. No. Acq.23-I-423 (204) /16-6/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 297 Paiki situated at Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 20-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

29—176GI/75

- (1) (i) Ghanshyam Babu Harilal,
(ii) Manilal Harilal,
(iii) Gulabrai Harilal,
partners for & on behalf of M/s. Gulabrai & Co.,
Panchnath, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Gurujan Co-op. Housing Society Ltd., 19,
Kevdavadi Sheri, Rajkot.
Through
(i) Shri Hargovindas Prabhudas (President),
(ii) Shri Bhavsang Khengarji (Vice-President),
(iii) Shri Shantilal Madhavji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of non-agricultural land near Anandnagar, Gujarat Government Housing Board's Quarters, Rajkot, and bearing Survey No. 297 Paiki, and admeasuring 2 Acres.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 11th July 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th July, 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRI.II/Nov.-II/515(19)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupta,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N-170, situated at Greater Kailash-I, New Delhi-48, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 21st Nov., 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rama Saxena w/o Dr. R. P. Saxena at presently residing at Flat No. 7, 2, Mansfield Road, Hong Kong..

(Transferor)

(2) Shri Jagnath Prasad Bhatnagar s/o Late Munshi Shiv Lal, r/o Mohalla Chand Shirin Bijnor (UP)

AND

Sh. Shamesher Bahadur Bhatnagar, S/o Late Sh. Raj Bhadur Bhatnagar, r/o N-170, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferee)

(3) Smt. Raj Chawla Sahni Prop M/s Asian Antiques Arts & Handicrafts. Sh. Prabhat Chandra.

(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of free-hold land measuring 300 Sq. yds. & 2½ storeyed house constructed thereon with all fittings & furnitures etc & water & Sanitary connections complete, located at N-170 in the residential colony known as Greater Kailash-I, New Delhi & bounded as under :—

North : Service Lane.

South : 30ft. Road.

East : 40ft. Road.

West : Plot No. 168-A.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date : 10-7-1975,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020,

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/642/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, S. No. 105, 106, 107, 109 to 112, situated at Goregaon (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Somani & Co. Pvt. Ltd, Laxmi Bhavan, 158/164 Kalbadevi Rd., Bombay-2.
(Transferor)
- (2) M/s. Shreegopal Corporation, 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of a plot of land bearing plot No. 7 of the Somani Gram, Ram Mandir Road, Goregaon (West) Bombay 62 Bombay Suburban District and Registration sub-district of Bombay city and BSD more admeasuring 1591.00 sq. meters (1902.83 sq. yds.) On north bounded by proposed internal 30 ft wide road on east by plot No. 6 on South by Plot No. 12-13 and Survey No. 107 Hissa No. 1 and on the West by Plot No. 8 bearing No. CTS, number.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Somani & Co. Pvt. Ltd, Laxminiwas, 158/164
Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vinay Enterprises, Laxmi Niwas, 158/164
Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/646/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA, the
Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition
Range, III, Bombay,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Plot No. 6, S. No. 105, 106, 107, 109 to 112, situated at
Goregaon (West),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 18-11-74
for an apparent consi-
deration which is less than the fair market value of the afore-
said property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires
later :

(b) by any of the person interested in the said
Immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 of Somanigram, Rammandir Cross Road, Gore-
gaon (West), Survey No. 105, 106, 107, 109 to 112, ad-
measuring 1609.50 sq. mts. (1925.00 sq. yds.).

ALL that piece and parcel of a plot of land bearing plot
No. 6 of the Somanigram, Rammandir Road, Goregaon (West)
Bombay-62 Bombay Suburban District and registration sub-
district of Bombay city and BSD more and forming part of
the land particularly described in the first schedule herein-
above written and admeasuring 1609.50 sq. meters (1925.00
sq. yds.). On north bounded by proposed internal 30 ft. wide
road on east by plot No. 5 on south by survive No. 107 Hissa
No. 1 and on the west by plot No. 1 and on the west by plot
No. 7, bearing No. CTS number.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Somani & Co. Pvt. Ltd., Laxminivas, 158/164
Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Shree Arvind Corporation Laxminiwas, 158/
164 Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-400 020.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/641/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra, the
Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition
Range-III, Bombay,being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingPlot No. 82, S. No. 105, 106, 107, 109 to 112, situated at
Goregaon (West).(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at

Bombay on 16-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons, namely :EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of a plot of land bearing plot
No. 8 of the Somani Gram, Ram Mandir Road, Goregaon
(West), Bombay-62 Bombay Suburban District and registra-
tion sub-District of Bombay City and BSD more admeasuring
1591.00 sq. mts. (1902. 83 sq. yds.). On north bounded by
proposed internal 30 ft wide road, on east by plot No. 7 on
south by plot No. 12 and 11 and on the west by plot No. 9
bearing no CTS number.J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/632/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot B, Ram Gully, S. No. 67, H. No. 3(Pt.) situated at Malad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shashikant Keshavlal Valera as Karta and Manager of H.U.F.
2. Kamlabai Keshavlal Valera,
3. Anilkumar Keshavlal Valera,

4. Piyush S. Valera,
5. Sejal S. Valera,
6. Alpa A. Valera,
7. Jigna A. Valera,

(Transferor)

- (1) 1. Smt. Veena V. Shah,
2. Jayantilal N. Trivedi.

(Transferee)

- *(3) 1. Keshavji Haribhai Chotalia.
2. Purshottam Kanji Rathod.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at unsurveyed village of Kasbe Malad, Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban formerly within the limits of Kandivali Municipality and now within the limits of the Greater Bombay Municipal Corporation containing by admeasurement 1182.22 square yards equivalent to 988.48 square meters or thereabouts and bearing Survey No. 67 Hissa No. 3 part at Ram Gully, village Kasbe Malad and being plot No. B and bounded as follows that is to say on or towards the North by the property known as Surendra Nagar Housing Co-operative Society Ltd.'s Buildings on or towards the South by property of Shri Mhatre known as Mhatre Niwas, On or towards the East by the remaining property of the Vendors i.e. plot No. A and on or toward the West by the property of Shri Vithaldas Bhatia.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. K. Subbalaxmi W/o K. V. Subba Rao, 1-8-94, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
HYDERABAD

(2) Smt. Laxmi Bai S/o Satyanarayana, 21-2-750, Rikahannj, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.55/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-94, situated at Chikkadpally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Kaleemunnissa Begum W/o Nawab Mehdi Hassan Khan, 22-1-923, Sultanpura, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front of the ground floor and first floor of the building bearing Municipal No. 1-8-94, situated at Chikkadpally, Hyderabad, covering total area of land 109.19 Sq. Metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.59/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 3-5-121 & 142, situated at Eden Bagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Hyderabad on 15-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sehzaad Ahmedunnisa Begum alias Shehzadi Pasha, D/o. late Nawab Mir Osman Ali Khan, (Nizam-VII), her G.P.A. Sri M. Mansoor Ali S/o Mastan Ali, 1-11-249, Begumpet, Hyderabad,

(2) Sri Hadi Ali Khan alias Hadi Nawab S/o. late Syed Abbas Ali Khan, Talab Bagh, Mir Alam, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Siddiqua Banu W/o. Syed Yousuf Nawab, Eden Bagh, Ramkote, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 3-5-121 and 142, Edenbagh, Ramkote, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 9-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hindusthan Builders, 'Unity House', Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prathibadevi Agarwal, H. No. 21-7-107, Ghansi-bazar, Hyderabad-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. 77/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 9, situated at 'Unity House' Abid Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—176GI/75

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, on the Ground floor of the Building known as 'Unity House', Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C.80/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1-2-265, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 25-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. I. Fernes S/o S. P. Fernes, 100, S. D. Road, Secunderabad.
(Transferor)

(2) Shri C. J. Amarnath Rao S/o. C. J. Gopala Rao, 31/B, East Marredpally, Secunderabad.
(Transferee)

(3) Sri Ramsingh Agarwal, 1-2-265, S. D. Road, Secunderabad. (Tenant).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1-2-265 (tiled house) known as 'Corner Cottage with compound, on a plot of land admeasuring 320 Sq. Yds situated at 100, S. D. Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Date : 11-7-1975,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C.72/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-8-931/2 situated at Malakpet Hyderabad (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 29-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Umatul Jameel W/o Naseeruddin Khan, No. 24/A, C.I.B. Qtrs. Khairatabad, Hyderabad 2.

- (2) Moinuddin S/o. Zafaruddin Khan, Rep. by his natural mother guardian appointed by Dist. Court, Smt. Ameerunnisa Begum, 5-8-490, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Khetshi Bhai S/o. Vishram Patel, Managing P/r Sri Vijaya Laxmi Trading Co., 16-8-931/2, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the part and portion of premises bearing Municipal No. 16-8-931/2 covering an area of 1028.57 Sq. Metres situated at Malakpet, Vijayawada Cross Road, Hyderabad, with all the fixtures, fittings and appurtenances etc.,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref No. R.A.C. 54/75-76—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-94, situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in, the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 2-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kaleemunnissa Begam W/o Nawab Mehdi Hassan Khan, House No. 22-1-923, Sultanpura, Hyderabad.
2. Smt. K. Subba Laxmi W/o K. V. Subbarao, 1-8-94, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)•

- (2) Smt. Nirupa Kumari D/o. Sri Ram, 21-7-195, Chakkaman, Devdi Mama, Jamella, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Back portion of the ground floor and first floor of the building bearing Municipal No. 1-8-94/A, situated at Chikkadpally, Hyderabad, covering total area of land about 53.31 Sq. metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.47-75-76—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-825/3 situated at Mehdiapatnam Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Rizwana Farooq W/o Dr. Saleem Mohammed Farooq, Through G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki Hyderabad.

(Transferor)

(2) Meheerunissa Begum W/o Syed Gulam Mohiuddin, 11-3-745, New Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of premises Municipal No. 12-2-825/3, situated at Mehdiapatnam, Hyderabad measuring about 1626 sq. yards equivalent to 1329.5 sq. Metres and bounded as follows:

North: House No. 12-2-825/3, (part); Vendor'
South: House of Mrs. Zehra Fatima Hyder.
East: House of Mrs. Zehra Fatima Hyder.
West: C.C. Road to Incometax Colony.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. K. Sashikala W/o. Gopala Krishna Reddy,
Nehrunagar, East Gudur, Gudur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Yenugu Viveka Reddy, Minor, Rep. by Guardian
Sri Anantha Padmanabha Reddy, 9, T. Gramani St.,
Santhome Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 58/75-76—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No. 13/261, situated at Gudur, Gudur,
(and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Gudur on 21-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 13/261, measuring about 528.51 Sq. Metres of old terraced buildings, factories, Zinc Sheets Godown etc.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sh. Karanjit Singh s/o Mehnga Singh, Vill. Bilga Patti, Nilawal, Distt. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the building.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP975.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule,

situated at Railway Mandi Rd., Jullundur.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Building as mentioned in Regd. deed No. 6805 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Krishan Lal Chadha, Kundan Lal Chadha s/o Gian Chand Chadha, c/o Chadha Printing Press, New Railway Road, Jullundur.

(Transferor)

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP976.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at New Railway Rd., Jullundur. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Krishan Lal Chadha, Kundan Lal Chadha Ss/o Gian Chand, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Udham Kaur w/o Mehnga Singh, Bilga Patia Nilowal, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the shop.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Regd. deed No. 6781 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975
Seal :

FORM ITNS.—

Gulaba s/o Gurdial R.O. Bajuha Kalan, Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldev Singh, Sukhdev Singh, Avtar Singh s/o Chanan Singh s/o Ujagar Singh, R.O. Bir Baloki, Teh. Nakodar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP977.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at Vill. Bir Buloki, Teh. Nawanshehr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1822 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mansha Ram s/o Bhula Ram s/o Dheru Ram, R/o 615 E, Abadpura, Jullundur, Rakha Ram s/o
31--176GI/75

Date : 7-7-1975

Seal ;

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur.

FORM ITNS

(1) Shri Phuman Singh s/o Partap Singh, Shankar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldeep Singh s/o Harbans Singh s/o Deva Singh, Shankar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP978.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at Shankar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1829 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP979.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule,

situated at Avan Chuharmi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lekh Raj self and G.A. to Sham Sunder & Harbans Lal Ss/o Hukam Chand, R/o C/3/1 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Malkit Singh, Gurdeep Singh s/o Mehnga Singh & Sarwan Kaur wd/o Mehnga Singh, R/o Chak Vendal.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1736 of Oct., 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP980.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Avan Chuhami (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lekh Raj self and G.A. to Sham Sunder & Harbans Lal Ss/o Hukam Chand, R/o C/3/1 Rana Partap Bagh, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Sucha Singh, Harpal Singh, Gurnam Singh etc. Ss/o Bhag Singh, R/o Vill. Kurali, Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1743 of Oct. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP981.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule, situated at Avan Chuharmi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ram Ditti, Smt. Krishna Kumari d/o Hukam Chand through Sh. Lekh Raj s/o Hukam Chand, C-3/1 Rana Partap Bhag, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sucha Singh, Harpal Singh, Gurnam Singh s/o Bhagmal, Vill. Karali, Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1737 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP982.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Ladhran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in October, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Beant Kaur, Nasibo, Chindo Ambo d/o Gur-bachana, Ladhran, Teh. Nakodar.

(Transferor)

- (2) Shri Pritam Singh, Paul Singh s/o Niranjan Singh, Ladhran, Teh. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

- (4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1690 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP983.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule, situated at Ladhran, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Beant Kaur, Nasib, Chindo Ambo d/o Gurbachna, Vill. Ladhran, Teh. Nakodar.
(Transferor)
- (2) Shri Malkit Kaur w/o Charn Dass s/o Harnama Kanpur, Dhadd, Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1691 of October, 1974 Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh s/o Harnam Singh, Bopa Rai Kalan,
Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Lal, Joginder Ss/o Gurbachna, Vill.
Ladhran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be in-
terested in the property)

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP984.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Bal Fukmi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1702 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP985.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Singhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

32—176GI/75

(1) Shri Gurdip Singh, Jagjit Singh, Kashmir Singh S/o Sardara Singh, Gurmej Kaur w/o Gurdip Singh, Surjit Kaur w/o Jagjit Singh, Chanan Kaur w/o Kashmir Singh, R/o Singhpur, Teh. Nakodar.
(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh, Dalvinder Singh s/o Gurbaksh Singh s/o Niranjana Singh r/o Lalian Khurd, Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1726 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975
Seal:

FORM ITNS—

- (1) Sh. Nirmal Singh s/o Udham Singh s/o Fateh Singh, Karam Kaur wd/o Udham Singh s/o Fateh Singh, Vill. Chakdana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP986.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Lasara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in October, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Sh. Chaman Lal s/o Udho Ram s/o Gahia Vill, Puari, Teh. Phillaur, c/o Sh. Dev Raj s/o Udho Ram Puari.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the land,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9359 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Thakri wd/o Youdo Vill. Puari, Teh. Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raspaal Singh s/o Sewa Singh, Vill. Bhar
Singh, Pura, Teh. Phillaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land,
(Person whom the undersigned knows to be in-
terested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. AP987.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Puari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2888/9158 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. AP988.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Mau (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chanan S/o Dhera of vill. Mau, Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Bahadar Singh, Gurdev Singh, Karnail Singh, Jarnail Singh, Joginder Singh Ss/o Bawa Singh s/o Khushala of Vill. Khela, Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2883/9183 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP989.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Phillaur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(1) Sh. Bulger Singh s/o Sham Singh s/o Bishan Singh
r/o Ramgarh, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) M/s. Friends Auto Industries Ram Garh, Teh.
Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9095 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.**

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP990.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bulger Singh s/o Sham Singh s/o Bisham Singh r/o Ramgarh, Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) M/s. Friends Auto Industries Ram Garh, Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9246/2946 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP/991.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Talwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Balbir Singh, Joginder Singh, Mohinder Singh S/o Narinjan Singh, Vill. Talwan.

(Transferor)

(2) S/Shri Dyal Singh, Harbhajan Singh s/o Sankar Singh, Mukhtiar Singh, Dial Singh, Anup Singh s/o Harbhajan Singh, Vill. Rudki.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2918/9218 of October, 1974 of Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Sh. Mohinder Singh s/o Kishan Singh s/o Basant Singh, Jeet Singh s/o Krishan Singh, Basant, Vill. Upal Bhupa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP 992.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule.

situated at Talwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at

Phillaur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jagiri, Malkit s/o Harditha s/o Ruliya of Vill. Sherpur, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2920/9220 of October, 1974 of Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975.

Seal

FORM ITNS—

(2) Shri Amar Chand S/o Faqir Chand, Bulandpur,
Teh. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP 993.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule,
situated at Bulandpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gunwant Singh, Hari Singh Ss/o Munsha Singh,
Bulandpur s/o Nihal Singh, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6557 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. 994.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Bulandpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gulwant Singh, Hari Singh Ss/o Munsha Singh R/o Bulandpur.

(Transferor)

- (2) Smt Dhan Kaur w/o Amar Chand s/o Faqir Chand through Sh. Amar Chand, Bulandpur Teh. Duba. (Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the 'Said' immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions must herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6656 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP. 995.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated Bulandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gulwant Singh, Hari Singh ss/o Munsha Singh, Bulandpur, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Sodi Ram s/o Sh. Amar Chand Bulandpur, Distt. Jullundur.
Through Sh. Amer Chand

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6629 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Naresh Chander s/o Banarasi Dass s/o Ganesh Dass, R/o 500-R, Model Town, Jullundur.
(Transferor)

(2) Karodi Lal Sahni S/o Late Moti Ram, Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6623 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. A P 996.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Raipur Rasulbue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. A.P. 997.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Raimpur Rasulpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Naresh Chander s/o Bansi Dass, Jullundur, 500-L Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram Sahni s/o Late L. Moti Ram, Lajpat Rai Nagar, Jullundur-217.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6528 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Hindusthan Builders, 'Unity House' Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Surendar Kumar Minor, under Guardianship of
Shri Ramavatar, C/o M/s Totaram Murarilal and
Sons, Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 76/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 5-9-253 situated at Abid Road, Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer
at Hyderabad on 8-11-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'Said Act', I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following per-
sons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the Undivided shares or portion in the piece and
parcel of land bearing Municipal No. 5-9-250 to 257, situated
at Abid Road, Hyderabad, admeasuring 2174 sq. Metres i.e.,
Shop No. 28, on the Ground floor.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Mir Muzzafar Ali Khan S/o late Justice Mir Basith Ali Khan.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD(2) Mir Azam Ali Khan S/o late Justice Mir Basith Ali Khan, through G. P. A. Holder Mir Muzaffar Ali Khan,
Seetha-Mahal, Bomenji Patel Road, Bombay-26.
(Transferor)(2) Smt. Najma Sultana W/o Abdul Khair Siddique,
H. No. 11-5-294 and 295 Red Hills, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 75/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-5-294 and 295 situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of the land together with buildings being part of the premises bearing Municipal Nos. 11-5-294 and 295 situated at Red Hills, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Hindustan
Hyderabad,

'House', Abid Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Amarchand Agarwal, 15-2-388, Mukhtar Gunj,
Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 78/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Shop No. 10 situated at Unity House, Abid Road,
(and more fullydescribed in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration Act,1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 25-11-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'Said Act,'
shall have the same meaning as given in that
chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, on the Ground floor of 'Unity House', Abid
Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri C. Ratnam Mudaliar S/o Chinappa Mudaliar,
C/o Jayarm Cool Drinks, Trunk Road, Nellore,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Yelisetty Jayalakshmi W/o Sreenivasulu, Vell-
gandla, C/o Sreenivasulu, Asst. Engineer, Air Force
Academy Project, Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 9th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act,' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. R.A.C. No. 56/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-
KATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 16/552, situated at Sankara Agraharam, Nellore,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Nellore on 6-11-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following
persons, namely :—

34—176GI/75

THE SCHEDULE

Door No. 16/552, Sankara Agraharam, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Rizwana Farooq W/o Dr. Saleem Mohammed Farooq, Through her G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki, Hyderabad,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakira Jehan W/o Syed Mahboob Mohiuddin,
Peddapally, Kareemnagar Dist.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of premises bearing Municipal No. 12-2-825/3, situated at Mehdiapatnam, Hyderabad measuring about 1271 sq. metres bounded by :

North : House of Mrs. Zehra Fatima Hyder,
South : House of Mrs. Meharunnisa Begum;
East : House of Mrs. Zehra Fatima Hyder,
West : C. C. Road to Income-tax colony.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-7-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th July 1975

Ref. No. Acq. File No. 297 J. No. (421)/EG/74-75.—
Whereas I B V. Subba Rao
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 46-19-61 situated at Danavaipeta, RJY
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Rajahmundry on 31-10-74
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the Said Act in respect of any
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act) or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Sri Vadrevu Suryanarayana Murthy & Subramanyam,
RJY. (Transferor)

(2) Shri Kotipally Tej Bahadur Saproo, M/G. Father
Rama Rao, RJY (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The property schedule as per sale deed dated 22nd October,
1974 vide document No. 4321 registered before the S.R.O.,
Rajahmundry.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-7-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sivakoti Lakshminarasimham, S/o Pullaiah,
Governorpetta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Pullelikurthi Prasad, S/o Veerabrahmanandam,
Isalmpeta, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 14th July, 1975

Ref No. Acq. File No. 206 J. No. (387)/74-75.—Whereas,
I, B. V Subba Rao
being the Competent Authority under section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 11-49-54 situated at Sivalayam Street, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Vijayawada on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the par-
ties has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the Said Act in respect of any
income arising from the transfe; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 26th Septem-
ber, 1974 vide document No. 3714 registered before the Sub
Registrar, Vijayawada dated 29-10-74.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-7-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 16th July 1975

Ref. No. J. No. 1(162)/VSP/74-75/Acq.File No. 208.—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Industrial Estate situated at Vantitadi Agraharam Vizianagaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Vizianagaram on 3-11-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Chri Chakka Ramarao
S/o Sarabhalingam,
Vizianagaram.

(Transferor)

(2) Shri Yarlagadda Rangarao
S/o Seshayya,
Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per sale deed dated 20-11-74 vide
document No. 4664 registered before the S.R.O., Vizianagar-
am.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-7-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 7th July 1975

Ref. No. J. No. EG.461/75-76/Acq.File No. 205.—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8-9-58 situated at Vankayalavari Street Rajahmundry
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Rajahmundry on 15-11-1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) 1. Delhi Narasinga Rao, By General Power or
Attorney Holder Sarangu Laxminarasimharao,
Tanuku 2. Panuganti Jagannadharao. 3. P. V.
Ramanarao.

(Transferor)

(2) Shri Sait Sampath Kumar Bang Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property schedule as per sale deeds dated; 6-11-74 and
17-3-74 vide documents Nos. 4473 and 4475 registered before
S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Akula Chenchu Punneswararao,
S/o V. K. Rao,
Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

(2) Pulaparty Ranganakamma,
W/o P. Venkateswararao,
Gunupudi.

(Transferee)

Kakinada, the 10th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. J. No. 1(415)WG/74-75/Acq. File No. 206.—Whereas,
I, B. V. Subba Rao,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 7-2-33 situated at Yenamandurru Patna Kalva
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
officer at
Bhimavaram on 15-11-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
Notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269-D of the said Act to the following
persons, namely :

THE SCHEDULE

Property schedule as per document No. 2710 of 1974 regis-
tered before the S.R.O., Bhimavaram.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-7-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mohan Singh S/o Manohar Singh, S/o Harnam Singh, Gali Damdama, Muktsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. FDK/117/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in Nov., 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Randhir Singh S/o Baldev Singh S/o Tarlok Singh R/o Vill, Shergerh, Teh. Dabwali,
(Transferor)

*(3) As at Sr. No. 2 above, and Tenants of the Property if any.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered deed No. 2218 of November, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. PKT/118/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land situated at V. Sunder Chak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in Nov., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Brij Lal S/o Shri Uttam Chand Village Sunder Chak, Teh. Pathankot,

(Transferor)

(2) Shrimati Nirmla Devi W/o Shri Sarjang Bahadur S/o Shri Brij Lal of Village Sunder Chak,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land as mentioned in the Registered deed No. 1535 of November, 1974 of the Registering Authority Pathankot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. Phg/119/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property, situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Telu Ram S/o Shri Ram Dhan Mal, Phagwara
(Transferor)
- (2) Sh. Balwant Singh S/o Sh. Bhagat Singh R/o Palahi.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants of the property.
if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered deed No. 1501 of November, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-7-1975.
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. PHG/120/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Property, situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Telu Ram S/o Shri Ram Dhan Mal, R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S/o Bhagat Singh S/o. Mihaan Singh R/o Palahi.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants of the property, if any.

[Person in occupation of the property]

*(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the registered deed No. 1435 of Nov., 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Vasant S/o Dattatraya Ranade, R/o 9/2 Sneh
lata-ganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Soubhagya Ben W/o Basantilalji Shrimal, R/o
Delwada, Mount Abu, Rajasthan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Bhopal, the 10th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha,
being the competent authority under section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot and house No. 6—A Rajendranagar, Indore situated
at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at
Indore on 6-11-74

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot and house No. 6-A Rajendranagar, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons namely :—

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Nilkanth Balkrishan Temdekar, R/o Link Road
No. 2, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Waman Shrinivas Pai, R/o Martand Chouk,
H. No. 17, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 173 Shrinagar Colony, Indore and house situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 4-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 173 and single storeyed house constructed on it at Shrinagar Colony, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gendalal S/o Motilal Porwal Jain Kahajan
R/o Pandharinath Path, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Komalkumari W/o Rameshkumar Jain, Mrs.
Jyoti W/o Subhashchandra Jain, both R/o 5 Pan-
dharinath path, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house Municipal No. 129/2 (South portion) at Mahatma Gandhi Marg, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 9-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and House Municipal No. 128/2 (South portion) at Mahatma Gandhi Marg, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Urmiladevi W/o Ganpatlalji Acharya, Madhava Nagar, Ujjain,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Triloksingh S/o Harnamsingh Sikh Jama Masjid, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house Municipal No. 6 (one part) at Madhvanagar, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 18-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house Municipal No. 6. 119.1 (one part) at Madhavanagar, Ujjain.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Prakashchand S/o Ganpatilalji Verma, R/o Nandlal-pura lane, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 17 Rajesh Nagar, Indore and house situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manjushree W/o Amritrai through Mukhtiyar Shri Nanakram S/o Kaluramji, R/o 29 Palshikar Colony, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 and single storeyed house constructed on it at Rajesh Nagar, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Tikadevi W/o Pradeep Singh R/o 77, Saket Nagar, Indore.

[Transferor]

(2) Shri Purushottam S. Nagar R/o Gwalior at present 186, Srinagar Colony, Indore.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 8th July, 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (here inafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 186, Srinagar Colony, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore, on 22-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot and house at 186, Srinagar Colony, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

36—176GI/75

Date : 8-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri (1) Ajit Kumar S/o Shantilal (2) Kamla Bai
W/o Shantilal both R/o 470, M.G. Road, Indore.
[Transferee]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July, 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respec-
tive persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of
the said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45-B at Jawara Compound, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and
/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

(1) Shri Rajendra Kumar S/o Bhanwarlalji Sethi, Manik
Bhawan, Tuko Ganj, Indore.

[Transferor]

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Chandrakanta Bai W/o Ratanlalji Nema R/o 4, Radhanagar colony, Indore.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramchandra S/o Hindji Joshi R/o 29, Chhipa Bakhal, Indore.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Shyamal Suresh Kumar Saraf, R/o 24, Bada Sarafa, Indore.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 8th July, 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, Bada Sarafa, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 6-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house at 24, Bada Sarafa, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Parvati Bai W/o Ramswaropji Kacholiya R/o
1/9 Mahesh Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Lila Bai W/o Babulal Kasliwal & Smt. Kamla
Bai W/o Kachrulalji Kasliwal both R/o Khate Gaon,
Tehsil Khategaon, Distt. Dewas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 8th July, 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house No. 1/9, street No. 8, Mahesh Nagar, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 23-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot and house No. 1/9, Street, No. 8, Mahesh Nagar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Yogendra Kumar S/o Mahabali Pd., Tiwari R/o 7, M.T.H. Compound, Maharani Road, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satyanarayan S/o Harnarayanji Sarda R/o 3, Tamboli-bakhal, main Road, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 148 and double storied house, Gandhi Park, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 21-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 148 and double storied house at Gandhi Park, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-75.

Seal :

FORM ITNS-----

(2) Shri Devkinandan Vyas S/o Madanlalji Vyas R/o
Village Vamorim Distt. Raisen (M.P.).
[Transferee]NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, Manorama Ganj, Indore, area 9680 sq. ft. situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore, on 8-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Seth Indraraj S/o Bal Mukundji Kolhi R/o 7/3 Manorama Ganj Indore.

[Transferor]

Plot No. 4, Manorama Ganj, Indore Area 9680 sq. ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-75.
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K.

Sinha,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Steel Industry machinery and land at Indore, situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 19-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ishwar Steels, 339 Shivaji Nagar Indore (Registered Firm), through partners Shivaji & Omprakash sons of Bawan Rao; Radheshyam, Satyanarayan & Radhakrishna sons of Badrinarayan; Prakash S/o Basant Rao; Mahesh Kumar & Dileep Kumar sons of Balkishan; Rajkumar S/o Babulal; C/o M/s Ishwar Steels, 339 Shivaji Nagar, Indore.

[Transferor]

- (2) Shri Shantilal S/o Ghewar Chandji R/o 18/4 Malharganj, Indore.

[Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Steel Industry (Rolling mill)—mill machinery, plant, rolling machine, main drive unit, electric motor, furnace oil tank and land of the mill etc.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Shree Gurusingh Sabha (Gurudwara) Sadar Bazar, Jabalpur (i) President :—Sardar Rajindersingh S/o Sardar Vajirsingh R/o 9/10 Lajpat Kunj, Behind Rajhans Hotel, Napier Town, Jabalpur (ii) Shri Kulwantsingh, R/o Govind Bhavan, Near Jackson Hotel, Civil Lines, Jabalpur.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing two storeyed building, Mathura Building, Near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur, on 28-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasant S/o Tejumal Kripalani, 6/35, Shyam Niwas, Warden Road, Bombay-26.

[Transferor]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building (Mathura Building) situated near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 24-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Krishnaswami Iyengar,
46, East Abiramapuram, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref No. F. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

136, 137 & 20, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras on November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

37—176GI/75

(2) 1. Shri M. Kaliaperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshi-sundram,
No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in the half share of land and building bearing Door Nos. 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

1/3rd undivided share in the half share of land and building bearing Door No. 20, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri K. Dwaraganath,
No. 46, East Abiramapuram, Madras.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3681/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri M. Kaliperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshi-sundram,
No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/3rd undivided share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269C of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. Ashok,
No. 46, East Abiramapuram, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6(2) 1. Shri M. Kaliperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshi-
sundram,
No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.
(Transferee)Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3682/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/3rd undivided share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-7-75,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, J. G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Door No. 3683/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Srinivasan,
No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Kaliperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,
No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 18-7-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3684/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Badhrinarayanan,
No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Kaliperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,
No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 18-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Lakshminarayanan,
No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3685/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri M. Kaliperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,
No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-7-75.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Sathyanarayanan,
No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6(2) 1. Shri M. Kaliaperumal,
2. Shri M. Karthikesan and
3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshi-
sundram, No. 68, Madathu Street, Kumba-
konam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Madras-6, the 18th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3686/74) on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

4th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 1445/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78, situated at General Patters Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4139/74) on 29-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Chandra;
Shri D. Thirumalai Reddiar,
118/2, Chit Road West, Shenoyanagar, Madras-30.
(Transferor)

(2) I. Shri M. Kaliaperumal,
Vineetha Trust; 4 Vineetha Trust and 5. Mrs. Sicy
Timothy
No. 62, Kerawalla Building, 14th Road, Khar
Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1½ grounds situated at No. 78, General Patters Road, Madras-2. (R.S. No. 375/128).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-7-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. Thirumalai Reddy,
118/2 Chit Road, West Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6(2) 1. Sajeev Trust; 2. Vinod Trust; 3. Vinod, Sajeev
& Vineetha Trust; 4. Vineetha Trust & 5. Sicy
Timothy,
No. 62, Kerawalla Building, 14th Road, Khar,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 1467/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77, situated at General Patters Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4140/74) on 29-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land measuring 4 grounds & 1577 Sft. situated at No. 77, General Patters Road, Madras-2 (R.S. No. 375/127).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

38—176GI/75

Date : 18-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Kumaraswami Gounder,
S/o Shri Krishnaswami Gounder,
Singanallur, Pollachi Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. 2332/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. F. Nos. 169 & 157/B-3, situated at Marchanaickenpalayam, Pollachi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 1166/74) on 7-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri K. M. Abdul Majid; Shri K. M. Abdul Ajeez; Shri K. M. Abdul Hakim; Shri K. M. Basheer; Shri Shajahan; and Shri M. Seerajudin; No. 15, Kalyanji Mill St., Pollachi.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.25 acres of land, buildings, godowns and machinery, etc. in Survey Nos. 169 and 157/B-3, Marchanaickenpalayam village, Pollachi Taluk.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (2) Shri R. K. Shanmugam Chettiar;
Shri N. Subramanian; Shri N. Palaniswami;
Shri N. Karthikeyan
Door Nos. 102 & 102/1, Chikkadasampalayam
(Mettupalayam Town).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F.2335/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

102 & 102/1, situated at Chikkadasampalayam (Mettupala-
yam Town)

(and more fully described in the Schedule annex-
ed hereto) has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. No. 4458/74) on 25-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Shri M. Rajagopal,
M/s. United Theatres,
Perianaickenpalayam, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Door No. 102 & 102/1, Senthil Theatre
at Chikkadasampalayam (Mettupalayam Town).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975,
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at SF No. 22-B, 23-B, 53 & 54-A, Punjai Duraipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3346) on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Narasimha Rao;
2. Shri Nagarajan; and
3. Shri Hanumantha Rao,
No. 3A/1 Sivasamy Iyer Street,
Edward Elliotts Road, Madras-6.

(Transferor)

- (2) Smt. Janaki, W/o Shri T. P. Palaniswami,
T. N. Palayam, Vanipudur, Gobi Taluk,
Coimbatore District

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.48 $\frac{1}{2}$ acres and bearing S. F. Nos. 22-B 23-B, 53 and 54-A, Punjai Duraipalayam Village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. 2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF No. 22-B, 23-B, 53 & 54-A, situated at Punjai Duraampalayam

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3347) on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Narasimha Rao,
2. Shri Nagarajan; and
3. Shri Hanumantha Rao.
No. 3A/1 Sivasamy Iyer Street,
Edward Elliotts Road, Madras-6.

(Transferor)

- (2) Smt. Janaki, W/o Shri T. P. Palaniswami,
T. N. Palayam, Vanipudur, Gobi Taluk,
Coimbatore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.48½ acres and bearing S. F. Nos. 22-B, 23-B, 53 and 54-A, Punjai Duraampalayam Village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri S. Narasimha Rao;
2. Shri Nagarajan; and
3. Shri Hanumantha Rao.
No. 3A/1 Sivasamy Iyer Street,
Edward Elliotts Road, Madras-6,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Janaki, W/o Shri T. P. Palaniswami,
T. N. Palayam, Vanipudur, Gobi Taluk,
Coimbatore District

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. 2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SF No. 22-B, 23-B, 53 & 54-A, situated at Punjai Duraiampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gubichettipalayam (Doc. No. 3348) on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.48 $\frac{1}{2}$ acres and bearing S. F. Nos. 22-B 23-B, 53 and 54-A, Punjai Duraiampalayam Village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. P. Janaki,
W/o Shri Palanisami Gounder,
T. N. Palayam, Gobi Taluk, Coimbatore Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

(2) Shri V. Kalianna Gounder,
S/o Shri Vemanda Gounder,
Alukuli Post, Gobi Taluk, Coimbatore Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.2342/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. F. No. 224, situated at Alukuli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3250) on 20-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.14½ acres in Alukuli village and bearing S.F. No. 224.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.F. No. 224, situated at Alukuli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3251) on 20-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. P. Janaki,
W/o Shri Palanisami Gounder,
T. N. Palayam, Gobi Taluk, Coimbatore District.
(Transferor)

(2) Shri Eswaramurthy,
S/o Shri V. Kalianna Gounder,
Alukuli Post, Gobi Taluk, Coimbatore Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. F. No. 224 in Alukuli village (3.14 acres).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sundaram Iyengar,
No. 70, Trunk Road,
Chrompet, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.3221/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 22/2, 70 and 71, situated at Parvathipuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kurinjipadi (Doc. No. 3116/74) on 26-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—176GI/75

(2) Shri G. Rayar Padayachi,
S/o Govindaswami Padayachi,
Serakupam village,
Vadalur P.O., Cuddalore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22.38 acres of punja land in Parvathipuram village bearing Survey Nos. 22/2, 70 and 71.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Sundaram Iyengar,
No. 70, Trunk Road,
Chrompet, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Thayanayagi Ammal,
W/o Shri G. Jayaraman,
Serakuppam village,
Vadalur P.O., Cuddalore Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.3221/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 22/2, 70 and 71, situated at Parvathipuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurinjipadi (Doc. No. 3117/74) on 26-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

22.38 acres of punja land in Parvathipuram village bearing Survey Nos. 22/2, 70 and 71.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/13/1A/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. S. No. 333 situated at Muthunaikenpatty village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maragatham,
Shri Chinnian &
Shri Angannan,
Muthunaikampatti village.

(Transferor)

(2) Shri Raju Gounder,
Muthu Naicken Patty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres in Survey No. 333 situated at Muthunaikenpatty village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/13/1B/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 333 & 329/6 situated at Muthunaickenpatty village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Omalur on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Smt Maragatham,
Shri Chinnian &
Shri Angannan,
Muthunaikempatti.

(Transferor)

(2) Smt. Thangammal,
W/o Raju Gounder,
Muthunaickenpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.75 acres in Survey Nos. 333 & 329/6 situated at Muthunaickenpatty village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(2) Shri Jebaveeran (minor),
S/o D. P. Samuel Nadar,
Ammanpuram village,
Kilapudukudi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

Madras-6, the 10th July 1975

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. F.XII/9/1/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing door

No. situated at Ammanpuram village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-
tering Officer at

Kurumbur on November 1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax,
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) (i) Shri Mohamed Samsuddin, (ii) Smt. Syed
Ilanima, (iii) Shri K. M. S. Mohideen, (iv) Smt.
K. M. S. Mohamed Ibrahim Nachi & (v) Smt.
Kader Kadiji Ummal, Kuthukal St. Kayalpattinam.

(Transferor)

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.44 acres in S. Nos. 357/2,
356, 355/1 357/1, 354/5, 354/3, 358/5 & 358 at Amman-
puram village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Pakkiathai Ammal,
W/o Shri A. Maharaja Nadar,
Kilapudukudi, Ammanpuram Post,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. XII/9/2/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Ammanpuram, Kilapudukudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurumbur on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural lands measuring 2.54 acres in S. Nos. 344, 347/2, 345/23 & 345/18 situated at Kilapudukudi, Ammanpuram Post.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

- (1) (i) Shri Mohamed Samsuddin, (ii) Smt Syed Hanima, (iii) Shri K. M. S. Mohideen, (iv) Smt. K. M. S. Mohamed Ibrahim Nachi & (v) Smt. Kader Kadiji Ummal, Kuthukal St., Kayalpattinam,
(Transferor)

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref No. F. XII/9/3/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Kilapudukudi, Ammanpuram Post (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kurumbur on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Mohamed Samsuddin, (ii) Smt. Syed Harima, (iii) Shri K. M. S. Mohideen, (iv) Smt. K. M. S. Mohamed Ibrahim Nachi & (v) Smt. Kader Kadiya Ummal, Kuthukul St., Kayalpattinam.

(Transferor)

(2) Shri Arumainayaga Nadar, Kilapudukudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.65 acres in S. Nos. 344, 360/5, 354/1 & 345/6 situated at Kilapudukudi, Ammanpuram post.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM IINS

(1) Shri Ramasami,
Kunjankadu, Kurumpatti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Selvakumar,
Thangayoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/5/5/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. R.S. 333/2 situated at Kurumpatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural lands measuring 8.51 acres in R.S. No. 333/2 at Kurumpatti village, Namakkal.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/5/4/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. R.S. 333/2 situated at Kurumpatti Village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
40.—176GI/75

(1) Shri Ramasami,
Kunjankadu, Kurumpatti village,
Sangagiri Taluk, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Molayan,
Thengayoor village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 8.51 acres situated at Kurumpatti village, Namakkal (R.S. No. 333/2).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Ashok Kumar,
25, 2nd Street, Balajinagar,
Madras-14.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 15th July 1975

Ref. No. F.IX/7/95/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 6/23 situated at Harrington Avenue, off. Harrington Road, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Madras in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. A. Sulochana Menon,
10, Club Road, Madras-31.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 7200 sq. ft. at door No. 6/23, Harrington Avenue, Madras [R.S. No. 353 (Part)].

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 15-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XIX/1/9/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 11.13 acres situated at Kondanagaram/Karisalkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Tirunelveli in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. M. A. Sheik Mearan Rowther,
Mohamed Sheir Meeran Rowther,
K. Salma Beevi & K. Rokayya Beevi,
Pettai.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Abdul Kayoom Khan,
Magdoo Gnanayar Pallivasal 4th North St., Pettoi-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11.13 acres in Survey Nos. 482, 477/1 & 477/2 and 1/4th undivided share in two wells situated in S. Nos. 481 & 482 at Kondanagaram/Karisalkulam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XIX/1/10/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 12.56 acres situated at Kondanagaram/Karisalkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. T. P. Rokayya Beevi &
Shri T. P. Nabeesha Beevi,
Md. Nainar Pallivasal Sannathi St., Pettai, Tirunelveli-4.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Gulam Mohamed Rowther,
Mugdoom Gnaniyar Pallivasal 4th North St.,
Pettai, Tirunelveli-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12.56 acres in Survey Nos. 481, 476/1, 487/1, 488/1 & 476/2 and 1/4th undivided share in two wells situated in S. Nos. 481 & 482 at Kondanagaram.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XIX/1/11/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh,
being the Competent Authority under Section
under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing door
No. 17 acres situated in S. Nos. 489/1, 478, 476/2 & 483
at Kondanagaram/Karisalkulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Tirunelveli in December 1974

at Sub-Registry, Bombay, on 17-10-1974, for an apparent
consideration which is less than the fair market value
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt T. P. Rokayya Beevi &
Shri T. P. Nabeesha Beevi,
Md. Nainar Pallivasal Sannathi East St., Pettai,
Tirunelveli-4.

(Transferor)

(2) Shri N. S. Mohamed Ibrahim Rowther,
Magdooom Gnaniyar Pallivasal 4th North St.,
Pettai, Tirunelveli-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 17 acres in Survey Nos. 489/1,
478, 476/2, 483 and 1/4th undivided share in two wells situat-
ed in S. Nos. 481 & 482 at Kondanagaram.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/831/75-76/568.—Whereas, I. C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-15 (Western Portion) situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-11-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Darshan Kaur Bawa w/o Late Shri Dhyan Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi for self and as General Attorney of 9 persons. 1. Sh. Mohinder Singh Bawa 2. Shri Sukhbir Singh Bawa 3. Sh. Jaswant Singh Bawa s/o Late Shri Dhyan Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi 4. Smt. Tej Parkash Kaur Rekhi w/o Sh. Amrik Singh Rekhi r/o A-18, Jangpura Extn. New Delhi. 5. Smt. Tejinder Kaur Wadhwa w/o Joginder Singh Wadhwa of Wadhwa Sports, Ghaziabad, (UP). 6. Smt. Jaspinder Kaur w/o Sh. Devinder Singh Kakar of Gali No. 4 Paharganj, New Delhi 7. S. Gurdeep Singh Bawa s/o S. Dhayan Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi. 8. Mrs. Herminder Kaur w/o Sh. Surjeet Singh 230 Thistle Drive, Silver Spring, MD, USA 9. Dr. Ujagar Singh Bawa s/o L. S. Dhyan Singh Bawa r/o Shwenee Heights, Bloomsburg, PA 17815 USA.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Gulati s/o Shri Ladha Ram Gulati r/o H. No. 3642 Gali No. 13, Reharpura, K. Bagh New Delhi NOW B-15, Kirti Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion on area measuring 160 sq. yds. of single storeyed property No. B-15, Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North : Service Road.
South : Road
East : Plot No. 16
West : Plot No. 14-A.

C. V. GUPTE,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5th May, 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vidyawati C. Deshmukh, Shri Prakash Chintamani Deshmukh, Tarar Patil Bada, Kothiroad, Mahal Nagpur-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Laxmi bai Sethi W/o Hemraj Sethi, Thimmayaward, Jagadapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 4th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land and double storeyed building situated at Sheet No. 49, Nayapara Ward, Jagadapur situated at Jagadapur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadapur on 30-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land bearing plot Nos. 35/59, 35/60, 35/61 and 36/62 area 10000 sq. ft. with double storeyed building built up area 7800 sq. ft. consisting of 29 rooms with all fittings, Sheet No. 49, Nayapara Ward, Jagadapur.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-7-1975
Seal :

